राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 319
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
मंगलवार 31 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 एनएचपीसी और बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के बीच सीएसआर के तहत हरियाणा के आकांक्षी जिला नूंह में ग्रामीण समुदाय
पेज 5 कानपुर में वक्फ की जमीन पर खड़ी हो गईं बहुमंजिला इमारतें, हाईकोर्ट पहुंचे मुतवल्ली
पेज 7 चीन 10 द्वीपीय देशों को साधने चला था, समझौते को राजी नहीं हुए; लगा करारा झटका

दिल्ली-एनसीआर में आंधी-बारीश

तेज आंधी-बारिश से जामा मस्जिद के गुंबद को नुकसान पहुंचा कई जगह ट्रैफिक जाम, दो की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सोमवार को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे लोगों को जहां गर्मी से राहत मिली वहीं जगह-जगह पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर जाने से ट्रैफिक भी बाधित हुआ। कई इलाकों में ओले भी गिरे। तेज हवाओं के चलते कई फ्लाइट्स की टाइमिंग पर असर पड़ा है। हवा के झोंके इतने तेज थे कि सड़कों पर खड़ी कारें हिलतीं नजर आईं।

लाल किले के पास अंगूरीबाग इलाके में बारिश के कारण एक 65 साल के व्यक्ति की मौत हो गई है। उनके ऊपर पेड़ आ गिरा था। वहीं जामा मस्जिद के पास एक 50 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। उनके ऊपर बालकनी का एक हिस्सा आ गिरा था।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि पेड़ गिरने की घटनाओं की जानकारी देने के लिए रात आठ बजे तक 294 कॉल आए। मौसम विभाग के अनुसार हवा की गति 100 किमी प्रति घंटे तक रही है।

जामा मस्जिद के गुंबद का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त

इधर, दिल्ली में हुई तेज़ बारिश और आंधी में जामा मस्जिद के बीच में स्थित गुंबद का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने कहा- तेज बारिश और आंधी में जामा मस्जिद के बीच में स्थित गुंबद का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

उसके 2-3 टुकड़े जमीन पर गिरे हैं। अगर इसे तुरंत नहीं हटाया गया तो ये अपने सामने स्थित दीवार और बीच के पूरे गुंबद को और नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि बारिश में मस्जिद के पत्थर तहस-नहस हुए हैं। इस दौरान 2-3 लोग भी घायल हुए हैं।

मौसम विभाग ने पहले ही लगाया था अनुमान

पिछले कुछ दिनों से शहर में उमसभरी गर्मी का कहर बरपा रहा था। वहीं अब राजधानी के लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली है।

यहां करीब 4 बजे के बाद से तेज बारिश और आंधी के हालात बने। मौसम विभाग ने पहले से ही हल्की बारिश होने और 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान लगाया था। दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी के मुताबिक दिल्ली में आंधी-बारिश के चलते 70 उड़ानों में देरी हुई। वहीं, पांच उड़ानों को डायवर्ट किया गया, जबकि 30 विमान दिल्ली लेट से पहुंची। खराब मौसम के कारण 5 उड़ानों को जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़, अहमदाबाद, देहरादून के लिए डायवर्ट कर दिया गया है।

बारिश से तापमान में 15 डिग्री की गिरावट

राजधानी में बारिश के चलते कई सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा, कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। कई जगहों पर भीषण जाम लग गया। हालांकि, बारिश से राजधानी के लोगों को थोड़ी राहत भी मिली। शाम 4.20 बजे तापमान 40 डिग्री सेल्सियस था जो शाम 5.40 बजे गिरकर 25 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पालम एयरपोर्ट और सफदरजंग में 13 डिग्री की गिरावट हुई। आज सुबह इन इलाकों में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था, जो अब 27 डिग्री हो गया।

राजस्व अधिकारियों ने 11.70 करोड़ रुपये का लाल चंदन जब्त किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की एजेंसी राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अंतरराष्ट्रीय कंटेनर डिपो साबरमती में 14.63 टन रेड लाल चंदन बरामद किया है जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 11.70 करोड़ रुपये आंका गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार चंदन की इस खेप को अवैध तरीके से पश्चिम एशिया में शारजाह भेजा जा रहा था। लाल चंदन एक प्राकृतिक विरासत है और इसका व्यापार प्रतिबंधित है।

डीआरआई ने खुफिया तरीके से जुटाई

Directorate of Revenue Intelligence

गयी जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की। इस खेप को प्रसाधन सामग्री के रूप में भेजने का प्रयास किया जा रहा था और निर्यात की खेप में लाल चंदन के लट्ठे छुपाए गए थे। माल को पकड़ने के लिए अधिकारियों ने ऑपरेशन रक्षा चंदन के तहत निगरानी कर माल को जब्त किया।

विज्ञप्ति के मुताबिक एक कंटेनर स्कैनिंग डिवाइस के माध्यम से माल पकड़ा गया। रेड सैंडर्स एक वनस्पति-प्रजाति है जो आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट क्षेत्र में जंगलों के एक अलग पथ के लिए स्थानिक है और प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) रेड लिस्ट में लुप्तप्राय सूची के अंतर्गत आता है। रेड सैंडर्स को वन्य जीवों और वनस्पतियों (सीआईटीईएस) की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन के परिशिष्ट-द्वितीय में भी सूचीबद्ध किया गया है।

प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना के लिए 13554 करोड़ रुपए आवंटित

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना में अगले पांच वर्षों के लिए 13554.42 करोड़ रुपए आवंटित किये गये हैं जिससे 40 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि 15 वें वित्त आयोग ने प्रधानमंत्री रोजगार गारंटी योजना में अगले पांच वर्ष (वित्त वर्ष 2021-22 से 2025-26) लिए आवंटन जारी कर दिया है। इससे अगले पांच वर्ष में 40 लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना जताई गयी है।

योजना का लाभ लेने के लिए जारी किये गये दिशा निर्देशों के अनुसार विनिर्माण इकाईयों के लिए वित्त सहायता राशि 25 लाख रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए कर दी गयी है। सेवा क्षेत्र के लिए यह सीमा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दी गयी है। इसके अलावा ग्रामोद्योग एवं ग्रामीण क्षेत्र की परिभाषा में भी बदलाव किया गया है। पंचायती राज के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र ग्रामीण और निगम क्षेत्र में आने वाले क्षेत्र शहरी माने जाएगें।

नेपाल प्लेन क्रैशः सभी 21 शव मिले

खराब मौसम की वजह से इन्हें निकालना मुश्किल; प्लेन में आग नहीं लगी थी

एजेंसी

काठमांडू। रविवार को क्रैश हुए नेपाल की तारा एयरलाइसं का मलबा सोमवार को मिल गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, विमान में 19 पैसेंजर और 3 क्रू मेंबर्स थे। अभी तक 21 शव बरामद किए जा चुके हैं। एक की तलाश जारी है। इस विमान में 4 भारतीय भी थे।

नेपाल आर्मी की सर्च एंड रेस्क्यू टीम को मुस्तांग के सैनोसवेयर इलाके की पहाड़ी पर मलबा मिला है। एयरक्राफ्ट 43 साल पुराना था। तारा एयरक्राफ्ट क्रैश की जांच के लिए नेपाल सरकार ने 5 सदस्य कमीशन बनाई । ये कमीशन इस घटना के कारणों की जांच करेगी, साथ ही ऐसे घटनाओं से बचने के लिए सुझाव भी देगी।

एयरक्राफ्ट पहाड़ी से टकराया, लेकिन आग नहीं लगी

नेपाल की इंग्लिश न्यूज वेबसाइट, myrepublica ने क्रैश साइट पर सबसे पहले पहुंचने वाले स्थानीय नागरिक इंदा सिंह दाना से बातचीत की। दाना ने कहा- प्लेन का मलबा 100 मीटर इलाके में ही बिखरा था, लेकिन यहां पहुंचना बेहद मुश्किल रहा।

एयरक्राफ्ट के मलबा देखकर ये साफ समझ आता है कि उसमें आग नहीं लगी थी, क्योंकि जलने के निशान कहीं नहीं हैं।

वो साफ तौर पर किसी पहाड़ी से टकराया था। इलाके में बर्फबारी और घना कोहरा है। यहां से शव निकालना भी फिलहाल बेहद मुश्किल है। चूंकि, एयरक्राफ्ट क्रैश होने के दौरान आग नहीं लगी थी, लिहाजा हादसे का शिकार हुए सभी लोगों के चेहरे पहचाने जा सकते हैं।

क्रैश हुए प्लेन में ठाणे की फैमिली

प्लेन में महाराष्ट्र के ठाणे के एक परिवार के चार लोग भी सवार थे। नेपाल में भारतीय दूतावास ने कहा है कि ठाणे के अशोक त्रिपाठी(54), उनकी पत्नी वैभवी बांदेकर-त्रिपाठी(51), बेटा धनुष त्रिपाठी(22) और बेटी ऋतिका त्रिपाठी(18) भी यात्रा कर रही थीं। सभी नेपाल के पोखरा स्थित एक मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे थे।

खराब मौसम की वजह से सर्च ऑपरेशन रोकना पड़ा था

नेपाल आर्मी ने रविवार शाम कहा था- स्थानीय लोगों ने बताया कि लाम्छी नदी के किनारे प्लेन क्रैश हुआ। यह मुस्तांग जिले के मानापती हिमाल क्षेत्र की नदी है। बीते दिन बेहद खराब मौसम के चलते सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन बंद करना पड़ा। इलाके में बर्फबारी और बारिश हो रही थी। इसलिए सोमवार सुबह तलाश फिर शुरू की गई।

पायलट के मोबाइल से मिली लोकेशन

सिविल एविएशन अथॉरिटी ऑफ नेपाल के मुताबिक- प्लेन के एक कैप्टन का मोबाइल फोन चालू था। उसकी लोकेशन को जब ट्रेस किया गया तो एयरक्राफ्ट की भी लोकेशन मिल गई। ह

ालांकि रविवार को स्पॉट पर पहुंचने की तमाम कोशिशें खराब मौसम की वजह से नाकाम हो गईं थीं। सोमवार को इसमें कामयाबी मिली।

मारे गए 19 यात्रियों और 3 क्रू मेंबर्स के नाम

भारतीय : अशोक कुमार त्रिपाठी, धनुष त्रिपाठी, ऋतिका त्रिपाठी और वैभवी। नेपाल में इंडियन एम्बेसी ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। ये है : 977-9851107021

बाकी यात्रियों के नाम: इंद्र बहादुर गोले, पुरुषोत्तम गोले, राजन कुमार, मिल ग्रांट, बसंत लामा, गणेश नारायण, रवीना श्रेष्ठा, रश्मी श्रेष्ठा, रोजीना श्रेष्ठा, प्रकाश सुनवार, माकर बहादुर तमांग, रम्या तमांग, सुकुम्या तमांग, तुलसादेवी तमांग और युवी विल्नर।

क्रू मेंबर्स : कैप्टन प्रभाकर घिमिरे, को-पायलट उत्सव पोखरेल और एयर होस्टेस किश्मी थापा।

खोज में जुटे थे सेना के हेलिकॉप्टर

नेपाली सेना के प्रवक्ता नारायण सिलवाल ने रविवार को कहा था- एक स्ख्रु-17 हेलिकॉप्टर मुस्तांग के लिए भेजा गया था। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता फदिंद्र मणि पोखरेली ने कहा- हमने विमान की तलाश के लिए मुस्तांग और पोखरा में दो हेलिकॉप्टर लगाए थे।

फ्लाइट रिकॉर्ड क्या कहता है

flightradarwy.com के मुताबिक- तारा एयरलाइंस का यह ट्विन इंजन एयरक्राफ्ट 43 साल पुराना था। इसी बेड़े का एक एयरक्राफ्ट पिछले साल भी क्रैश हो गया था।

इस एयरक्राफ्ट ने पोखरा से सुबह 9.55 पर टेक ऑफ किया। आखिरी सिग्नल 10.7 बजे रिसीव किया। इस वक्त एयरक्राफ्ट 12 हजार 825 फुट की ऊंचाई पर था।

विधायकों का इनकम टैक्स भर रहीं सरकारें

जनता की जेब से टैक्स चुका रहे 7 राज्य, सिर्फ यूपी और हिमाचल ने रोक लगाई

नई दिल्ली। देश में सांसदों-विधायकों के वेतन-भत्तों पर कई बार बहस होती रही है। मगर एक मुद्दा कभी राष्ट्रीय पटल पर नहीं आया। देश में अभी 7 राज्य ऐसे हैं जो किसी न किसी रूप में मुख्यमंत्री-मंत्रियों, विधायकों का सिर्फ वेतन ही नहीं, इस वेतन पर बनने वाला इनकम टैक्स भी सरकारी खजाने से चुका रहे हैं। पहले ऐसे राज्यों की संख्या 9 थी, लेकिन 2019 में यूपी और 2022 में हिमाचल ने व्यवस्था बदली।

लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी कहते हैं कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की आय उसकी व्यक्तिगत आय है। इसमें मुख्यमंत्री, मंत्री या विधायक के पद पर मिलने वाली उसका वेतन भी शामिल है। अपनी निजी आय पर टैक्स भरने की जिम्मेदारी व्यक्तिगत होती है, इसे सरकारी खजाने से अदा नहीं किया जा सकता। यदि किसी भी पद पर आसीन व्यक्ति का आयकर सरकारी खजाने से भरा जा रहा है तो यह कानून और संविधान के खिलाफ है।

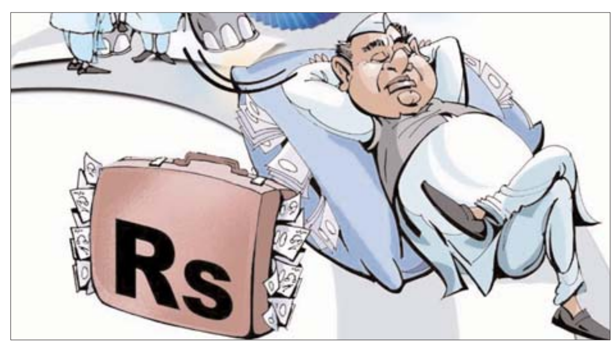

कानून में बदलाव कर लागू की व्यवस्था

जनता की जेब पर दोहरी मार डालने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। इन सभी राज्यों ने जनप्रतिनिधियों के वेतन-भत्ते से जुड़े कानून में अपने हिसाब से संशोधन कर यह व्यवस्था लागू की है।

इनके अलावा बाकी सभी राज्यों में विधायक अपने वेतन पर इनकम टैक्स खुद चुकाते हैं। हालांकि, ज्यादातर राज्य विधायकों का मूल वेतन तो इतना कम रखते हैं कि इनकम टैक्स न लगे, मगर भत्तों के रूप में बड़ी राशि मिलती है।

ये राज्य विधायकों के टैक्स पर खर्च कर रहे हैं हमारा पैसा

मध्य प्रदेश : सीएम-मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का इनकम टैक्स सरकारी खजाने से जाता है। विधायकों का मूल वेतन 30 हजार है, यानी वे इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आते।

छत्तीसगढ़ : सभी विधायकों का इनकम टैक्स राज्य सरकार भरती है। वर्ष 2000 से ही यह व्यवस्था लागू है।

हरियाणा : सीएम, मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष का इनकम टैक्स सरकार देती है। विधायकों के सिर्फ भत्तों पर इनकम टैक्स सरकार देती है।

झारखंड : यहां 2015 से विधायकों के वेतन पर इनकम टैक्स सरकार भर रही है। इनके इनकम टैक्स पर सरकार सालाना करीब 5 करोड़ खर्च करती है। पंजाब : यहां 117 विधायक हैं। इनके इनकम टैक्स पर सरकार सालाना 11.08 करोड़ खर्च करती है। इस बार बजट सत्र में आप सरकार इस पर प्रस्ताव ला सकती है।

आंध्र प्रदेश-तेलंगाना : दोनों राज्यों में सीएम-मंत्रियों, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का आयकर सरकार देती है। सत्तारूढ़ दलों ने कभी यह मुद्दा नहीं उठाया।

समीन वानखेड़े का चेन्नई ट्रांसफर

मुंबई। क्रूज ड्रग्स मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार करने वाले नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अधिकारी समीर वानखेड़े का चेन्नई ट्रांसफर कर दिया गया है। ऑर्डर के मुताबिक समीन वानखेड़े को विश्लेषिकी और जोखिम प्रबंधन महानिदेशालय मुंबई से चेन्नई डीजी, टैक्सपेयर्स सर्विस डायरेक्ट्रेट भेजा गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येन्द्र जैन गिरफ्तार

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सत्येंद्र जैन को धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) की जांच के मामले में गिरफ्तार किया।

सूत्रों ने कहा कि श्री जैन को धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धाराओं के तहत कोलकाता की एक कंपनी से जुड़े हवाला लेनदेन से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया। उनकी गिरफ्तारी एक महीने बाद हुई है जब वित्तीय जांच एजेंसी ने धन शोधन जांच के सिलसिले में श्री जैन के स्वामित्व वाली और नियंत्रित कंपनियों के परिवार और कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी।

ईडी ने इस मामले में 2018 में शकूर बस्ती के आप विधायक से भी पूछताछ की थी।

अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार में श्री जैन स्वास्थ्य, बिजली, गृह, पीडब्ल्यूडी, उद्योग, शहरी विकास, बाढ़, सिंचाई और पानी मंत्री हैं।

देश में पिछले 24 घंटे में 2070 मरीज कोविड मुक्त

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी लगातार घटते बढ़ते मामलों के बीच पिछले 24 घंटे में 2070 मरीज कोविड मुक्त हुए हैं।

इस दौरान कोरोना के 2706 नये मामले सामने आने के साथ देश में संक्रमितों की कुल संख्या चार करोड़ 31 लाख 55 हजार 749 पहुंच गई। वहीं इस बीच 25 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर पांच लाख 24 हजार 611 पहुंच गया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 2,070 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं और इसी के साथ अब तक कुल चार करोड़ 26 लाख 13 हजार 440 मरीज कोविड से उबर चुके हैं। देश में इस समय कोरोना से स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है। वहीं, सक्रिय दर 0.04 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है। केरल में कोरोना वायरस के 205 सक्रिय मामले बढ़कर 5,276 हो गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 618 बढ़कर 64,80,516 हो गई, जबकि मृतकों की संख्या 23 बढ़कर 69,723 हो गई है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 225 बढ़कर 2,997 हो गई है। वहीं, 324 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 77,35,088 तक पहुंच गया है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,47,859 हो गया है।

नाबालिगों से दुष्कर्म

176 की उम्र 12 से कम; दो साल में 13 हजार से ज्यादा केस

राजस्थान में 11 हजार से ज्यादा नाबालिगों से दुष्कर्म

एजेंसी

जयपुर। करौली में शनिवार को 4 साल की मासूम से दरिंदगी और बर्बरता के बाद कानून व्यवस्था पर तो सवाल खड़े किए ही हैं, धीमी न्याय व्यवस्था भी कठघरे में है। प्रदेश में पिछले 28 महीनों (2020 से अप्रैल 2022) तक दुष्कर्म के 13,890 केस दर्ज हुए हैं। इनमें से 11,307 दुष्कर्म नाबालिगों से हुए। वहीं दो साल में 12 साल से छोटी उम्र की 170 बच्चियों से दरिंदगी के मामले सामने आए हैं।

सरकार ने ऐसे मामलों में 2013 में फांसी की सजा का प्रावधान किया। इसके बावजूद इन अतिसंवेदनशील मामलों में पॉक्सो कोर्ट का दबाव बढ़ाया जा रहा है। जयपुर की 7 पॉक्सो कोर्ट में ही 700 से अधिक केस पेंडिंग होने के बावजूद यहां बालिगों के केस ट्रांसफर किए जा रहे हैं। जयपुर मैट्रो की 2 कोर्ट में ऐसे 62 केस हैं। प्रदेश में इसकी संख्या 100 से ज्यादा है।

वह भी तब जबकि 28 महीने में दर्ज कुल 45 प्रतिशत मामले, यानी 6,191 ही कोर्ट तक पहुंचे। इनमें भी सजा सिर्फ 4.46 प्रतिशत मामलों में मिली। 3 साल में दरिंदगी करने वाले 8 अभियुक्तों को पॉक्सो कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई, लेकिन एक में भी अमल नहीं हुआ। हाईकोर्ट ने 2018 में आदेश दिया था कि 50 दुष्कर्म के मुकदमों पर एक पॉक्सो कोर्ट खोली जाए।

इस लिहाज से 153 कोर्ट खोली जानी थी, पर नई कोर्ट खोलना दूर, मौजूदा 57 पॉक्सो कोर्ट का ही भार बढ़ा दिया गया।

हाईकोर्ट के 2018 में तत्काल फैसलों को लेकर यह आदेश दिया था। मौजूदा कई पॉक्सो कोर्ट में भी महिला उत्पीडन के मामले ट्रांसफर कर दिए हैं, जिससे रेप जैसे गंभीर मामले हाशिए पर जा रहे हैं।

सीएम का दावा 8 को फांसी की सजा, हकीकत अलग

सीएम गहलोत ने कहा था- 'पिछले 3 साल में पॉक्सो एक्ट में 8 दोषियों को फांसी, 137 से अधिक उम्रकैद सहित 620 से अधिक दोषियों को सजा सुनाई जा चुकी है।' हकीकत में फांसी की किसी भी सजा पर अमल नहीं हुआ। कई मामलों में अभियुक्तों की अपीलें व राज्य सरकार की डेथ रेफरेंस की अपील हाईकोर्ट में लंबित हैं, तो कई में हाईकोर्ट ने आदेश रोक दिया।

शार्ट न्यूज

सांवरिया सेठ के खजाने से निकले 4.90 करोड़ कैश और 2 किलो सोने के बिस्किट

जयपुर। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडाफिया स्थित सांवरियाजी के मंदिर में रविवार को गिनती के दौरान दानपेटी से 11 करोड़ रुपये कैश और 2 किलो सोने के बिस्कुट मिले। स्थानीय मीडिया के मुताबिक 11 बोरियों में भरे कैश की गिनती अभी बाकी है। जानकारी के मुताबिक रविवार को राजभोग आरती के बाद मंदिर बोर्ड के सीईओ गीतेश श्री मालवीय, मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर और बाकी सदस्यों की मौजूदगी में भगवान सांवरिया सेठ के मंदिर का खजाना खोला गया। इस दौरान प्रशासन की तरफ से कैलाश चंद्र दधीच, रोकाडिया नंदकिशोर टेलर, कालू लाल तेली, महावीर सिंह राजेंद्र शर्मा, लाहिड़ी लाल गदरी, सुरक्षा प्रभारी राम सिंह आदि भी मौजूद रहे। वहीं दूसरी तरफ शहर के सांवरियाजी चौक स्थित प्राकट्य मंदिर स्थित पर मौजूद दुकान से 27,54,250 रुपये निकाले गए। इस अवसर पर मंदिर मंडल सीईओ प्रहलाद राय सोनी, बाबूलाल ओझा, शंकर लाल जाट, अशोक अग्रवाल, रतन लाल जाट, इंदर मल उपाध्याय उपस्थित थे। सांवरिया सेठ के खजाने में 100 ग्राम सोने के 20 बिस्किट भी मिले जिनमें से हर सोने के बिस्किट पर 100 ग्राम सोने का टैग लगा हुआ था। इन सोने के बिस्किट की कीमत 1 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जा रही है। गौरतलब है कि हर महीने सोमवती अमावस्या के दिन मंदिर में मासिक मेले का आयोजन किया जाता है।

कर्नाटक में राकेश टिकैत पर फेंकी गई स्याही, हिरासत में तीन

बेंगलुरु। कर्नाटक पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत और युद्धवीर सिंह को नाराजगी का सामना करना पड़ा। खबर है कि कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं पर स्याही फेंकी गई। टिकैत का कहना है कि किसान नेता चंद्रशेखर के समर्थकों ने उनपर स्याही फेंकी थी। राजधानी बेंगलुरु में जारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना के बाद काफी हंगामा हुआ। हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन ने जानकारी दी कि बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में टिकैत पर स्याही फेंकने के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टिकैत और सिंह कर्नाटक के किसान नेता कोडिहल्ली चंद्रशेखर के स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े वीडियो को लेकर सफाई दे रहे थे। यह स्टिंग ऑपरेशन एक चैनल ने किया था, जिसमें कोडिहल्ली पैसों की मांग करते नजर आ रहे थे। टिकैत ने स्याही हमले के आरोप राज्य सरकार पर लगाए हैं। उन्होंने कहा, यहां स्थानीय पुलिस की तरफ से कोई सुरक्षा नहीं दी गई थी। यह सब सरकार की मिलीभगत से हुआ है।खबर है कि दोनों नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह सफाई दे रहे थे कि वे इस मामले में शामिल नहीं हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसान नेता कोडिहल्ली के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। पत्रकारों और नेताओं के बीच सवाल-जवाब का दौर चल ही रहा था कि कुछ लोगों ने उनपर काली स्याही फेंक दी।

मजदूरी के पैसे मांगने पर मिली मौत, ठेकेदार पर 12 हजार रुपये के लिए महिला को पीट-पीटकर मारने का आरोप

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में मजदूरी मांगने पर 33 साल की एक महिला की पीट-पीटकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक मृतक महिला ने जब मालिक से अपनी मजदूरी के बकाया 12 हजार रुपये मांगे तो मालिक और उसकी बेटी ने मजदूर महिला की बुरी तरह पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक सतना जिले के ग्राम रामपुरवा उंचेरा की रहने वाली केशकली धीमरी की राजभर दुबे (44) और उनकी बेटी रानू दुबे (26) ने 24 मई को बुरी तरह पिटाई की। केशकली धीमरी को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन रविवार को केशकली ने दम तोड़ दिया। सतना पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने इस मामले को लेकर कहा कि केशकली धीमर कैटरर राजभर दुबे के लिए काम करती थी। दुबे के पास केशकली के 12 हजार रुपये बकाया थे। केशकली जब राजभर दुबे के घर अपनी मजदूरी के पैसे मांगने गई तो दुबे ने उसके साथ पहले गाली-गलौज की और फिर उसके साथ मारपीट की। पुलिस के मुताबिक दुबे की बेटी रानू ने भी केशकली के साथ मारपीट की और उसके पेट पर ताबड़तोड़ वार किया। इस बीच केशकली का पति संतोष मौके पर पहुंच गया और उसने दर्द से छटपटा रही केशकली को तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाया जहां से उसे रीवा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक केशकली की छोटी आंत फट जाने की वजह से उसकी मौत हुई। मृतक केशकली के पति संतोष की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दुबे और उनकी बेटी के खिलाफ हत्या समेत दूसरी धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने अपना अपराध कबूल कर लिया और कहा कि महिला उनके साथ दुर्व्यवहार कर रही थी और झूठे मामले में फंसाने की धमकी दे रही थी इसलिए उन्होंने उसे पीटा। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

कश्मीर में पुलिस ने दो ड्रग तस्कर किये गिरफ्तार

श्रीनगर। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में सोमवार को पुलिस ने दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके पास से चरस बरामद की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर दक्षिण कश्मीर के मीरगुंड कनेलवान बिजबेहरा का निवासी सरताज अहमद गनी और गुलाम हसन भट है। यह दोनों ड्रग्स लेकर थाना क्रालखुद थाना एस पी कॉलेज रोड से श्रीनगर में बरबरशाह की ओर जा रहे थे। पुलिस दल ने बरबरशाह रोड पर नाकाबंदी की और चेकिंग के दौरान इनके पास से एक किलो चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। दोनों आरोपी को गिरफ्तार करके, संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

पुड्डुचेरी में कानून, व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर:मंत्री

पुड्डुचेरी। केन्द्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी के गृहमंत्री ए. नमचशिवायम ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में कानून व व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। द्रमुक सरकार पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में बेहतर है। श्री नम: शिवायम ने संवाददाताओं को बताया कि उनके पास इस बात के सबूत हैं कि द्रमुक सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकार से राज्य में बेहतर काम किया है और वह इस मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायणसामी से खुली बहस करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उपद्रवियों को नियंत्रण में रखा गया और राज्य सरकार द्वारा उन पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कई अपराधों में शामिल आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया गया और वर्तमान द्रमुक सरकार के समय में पिछली कांग्रेस सरकार की तुलना में प्रदेश में अपराधों की दर कम है। उन्होंने कहा कि हाल ही में 390 पुलिस कांस्टेबल की भर्ती की गयी है और करीब एक हजार होम गार्डों की जल्द भर्ती की जाएगी। उन्होंने केंद्र द्वारा प्रदेश में बिजली वितरण कंपनी (डिस्कॉम) के निजीकरण पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

चौधरी मोदी के वर्चुअल कार्यक्रम पीएम केयर्स फ़ॉर चिल्ड्रन्स में हुए शामिल

कोटा। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कोरोना महामारी के समय अपने माता पिता को खोने वाले बच्चों के भविष्य और उनकी सहायता को लेकर केंद्र सरकार को संवेदनशील बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे लगभग चार हजार बच्चों की सहायता के लिए पीएम केयर्स फ़ॉर चिल्ड्रन की शुरुआत की है। चौधरी कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सम्बोधित वर्चुअल संवाद कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। उन्होंने पीएम केयर्स फ़ॉर चिल्ड्रन्स के तहत जारी आर्थिक सहायता से सम्बंधित लाभार्थियों के इस कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अगर इन बच्चों को प्रॉफेशनल कोर्स के लिए उच्च शिक्षा के लिए एजुकेशन लोन लेना होगा, तो पीएम केयर्स उसमें भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा की दूसरी जरूरतों के लिए अन्य योजनाओं के माध्यम से उनके लिए चार हजार रुपए हर महीने की व्यवस्था भी की गई है।

मूसेवाला की हत्या के बाद तिहाड़ जेल में तलाशी

लॉरेंस बिश्नोई की सेल से मिला 'अवैध सामान'

नई दिल्ली। पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या के पीछे बिश्नोई का हाथ होने की खबरों के बाद तिहाज जेल में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। खबर है कि दिल्ली की तिहाड़ जेल में जेल अधिकारियों ने कैदी लॉरेंस बिश्नोई की कोठरी में तलाशी ली है। गौरतलब है कि मूसेवाला की रविवार शाम करीब 5.30 बजे बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब वह अपने चचेरे भाई और एक दोस्त के साथ पंजाब के जवाहरके गांव जा रहे थे।

'सर्च टीम को कुछ प्रतिबंधित सामान मिला'

पंजाब पुलिस ने रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह और कनाडा के एक गैंगस्टर गोल्डी बरार ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। हालांकि किसी भी वरिष्ठ जेल अधिकारी ने तलाशी अभियान को लेकर टिप्पणी नहीं की है। लेकिन एक मध्य-स्तरीय अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, जेल 8 के अंदर बिश्नोई के हाई-रिस्क वाले सेल में तलाशी ली गई थी। सर्च टीम को कुछ प्रतिबंधित सामान मिला है। एचटी स्वतंत्र रूप से इसकी पुष्टि नहीं कर सका कि बिश्नोई की सेल मिली निषिद्ध वस्तु एक सेल फोन है या कुछ और। इस बीच जेल अधिकारियों ने यह भी कहा कि पंजाब पुलिस के तिहाड़ जाने और बिश्नोई को हिरासत में लेने की संभावना है। जेल विभाग को अभी तक पंजाब से कोई सूचना नहीं मिली है। पुलिस इस बात की जांच करेगी कि कैसे बिश्नोई कनाडा स्थित अपने सहयोगी गोल्डी बरार के संपर्क में था और जेल के अंदर से हत्या की योजना बना रहा था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर सोमवार को एचटी को बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुछ महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की है कि पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूस वाला की हत्या की साजिश राष्ट्रीय राजधानी में तिहाड़ जेल से जुड़ी हो सकती है। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने कहा कि तिहाड़ जेल से एक फोन नंबर का पता चला है। कुछ दिन पहले एक अपराधी मोहम्मद शाहरुख को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह कनाडा के गैंगस्टर गोल्डी बरार से बात करने के लिए एक मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल कर रहा था।

कौन है लॉरेंस बिश्नोई?

उत्तर भारत के शीर्ष गैंगस्टरों में से एक लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ दिल्ली, राजस्थान और पंजाब में आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, लूट और रंगदारी जैसे मामले शामिल हैं। बिश्नोई के करीबी संपत नेहरा को 2018 में अभिनेता सलमान खान की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बिश्नोई के करीबी सहयोगियों में से एक दिल्ली का गैंगस्टर काला जत्थेदी भी है। पिछले साल गिरफ्तारी तक जत्थेदी दिल्ली में मोस्ट वांटेड व्यक्ति था।

चंपावत उप चुनाव के लिए आज पड़ेंगे वोट

नैनीताल। उत्तराखंड की चंपावत विधानसभा के लिये हो रहे उप चुनाव के लिये मंगलवार को वोट डाले जायेंगे। सभी मतदान पार्टियां आज शाम तक अपने गंतव्य तक पहुंच गयी हैं। मतदान सुबह सात बजे से शुरू होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र सिंह भंडारी ने बताया कि उप चुनाव कुल 151 मतदान केन्द्रों पर सम्पन्न होगा। आज 135 मतदान पार्टियों को चंपावत के गौरल चैड़ मैदान से रवाना किया गया। दूरस्थ मतदान केन्द्रों के लिये 16 मतदान पार्टियों को कल रविवार को रवाना कर दिया गया था। इन मतदान पार्टियों को चार से 17 किमी दूर पैदल रास्ता तय कर अपने केन्द्रों तक पहुंचना पड़ा। उन्होंने बताया कि सभी मतदान पार्टियों को आवश्यक सामग्री के साथ ही वीवीपैट, कंट्रोल यूनिट व बैलेट यूनिट दिये गये हैं। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

यहां बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चुनाव लड़ने के चलते इस सीट पर उप चुनाव कराया जा रहा है। भाजपा के निवर्तमान विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी की ओर से धामी के लिये सीट रिक्त की गयी। कांग्रेस की ओर से निर्मला गहतोड़ी को मैदान में उतारा गया है। यहां से दो निर्दलीय प्रत्याशी भी अपना भाग्य आजमा रहे हैं। कुल 96213 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 50171 पुरूष व 46042 महिला मतदाता शामिल हैं। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के ओर से चंपावत विधानसभा व चंपावत विधानसभा की सीमा की आठ किमी की परिधि में मदिरा की बिक्री पर मतदान से 48 घंटे पहले बिक्री पर प्रतिबंधित लगा दिया गया है। मतदान के लिये मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

ऐतिहासिक आदि कैलाश यात्रा आज से शुरू

नैनीताल। उत्तराखंड के कुमाऊं मडल विकास निगम (केएमवीएन) की ओर से संचालित ऐतिहासिक आदि कैलाश (छोटा कैलाश) यात्रा मंगलवार से प्रारंभ हो रही है। कोरोना महामारी के बाद यह पहला मौका जब श्रद्धालु छोटा कैलाश व ओम पर्वत के दर्शन कर सकेंगे। यात्रा सितम्बर तक चलेगी।

केएमवीएन द्वारा इस बार नोएडा की डिवाइन मंत्रा के सहयोग से यात्रा को संचालित किया जा रहा है। केएमवीएन के महाप्रबंधक एबी वाजपेयी व डिवाइन मंत्रा के निदेशक कैलाश मिश्रा की ओर से बताया गया कि अभी तक 700 से अधिक तीर्थयात्रियों की ओर से यात्रा के लिये पंजीकरण कराया जा चुका है।

यात्रा का शुभारंभ झीलों की नगरी भीमताल से किया जायेगा। हर दल में 40 से 45 तीर्थयात्री शामिल होंगे। श्री मिश्रा ने बताया कि यात्रा सितम्बर अंत तक चलेगी। आठ दिन तक चलने वाली इस यात्रा की खासियत है कि यात्रियों को अब पैदल यात्रा नहीं करनी होगी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से उच्च हिमालयी क्षेत्र में ज्योलिंकांग व नाबीढांग तक सड़क का निर्माण कर दिये जाने से अब यात्रा अधिक सुगम हो गयी है। श्रद्धालु अब काठगोदाम से वाहन से चलकर सीधे आदि कैलाश व ओम पर्वत के दर्शन कर सकेंगे।

कैलाश मानसरोवर की तर्ज पर होने वाली यह यात्रा उत्तराखंड के काठगोदाम से वापस काठगोदाम तक आठ दिनों तक संचालित की जायेगी। काठगोदाम से चलकर यात्रा कई पड़ाव तय करेगी। काठगोदाम से श्रद्धालु सीधे पिथौरागढ़ पहुंचेंगे। अगले दिन धारचूला, धारचूला से आधार शिविर गुंजी, गुंजी से आदि कैलाश दर्शन के बाद वापस गुंजी, अगले दिन गुंजी से ओम पर्वत के दर्शन कर नाबि, नाबि से डीडीहाट, डीडीहाट से भीमताल व वापस काठगोदाम।

श्री मिश्रा ने बताया कि इस बार यात्रा को अधिक सुविधा सम्पन्न बनाया गया है। यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों को उत्तराखंड के प्राकृतिक सौन्दर्य के साथ ही स्थानीय संस्कृति व परंपराओं से रूबरू से कराया जायेगा। तीर्थयात्री कुमाऊं के प्रसिद्ध व पौराणिक महत्व के मंदिरों व धामों के दर्शन भी कर सकेंगे। तीर्थयात्रियों को नीम करौली धाम, चितई गोलू मंदिर, जागेश्वर धाम, पार्वती मुकुट, ब्रह्मा पर्वत, शेषनाग पर्वत, शिव मंदिर, पार्वती सरोवर, गौरी कुंड, पाताल भुवनेश्वर के साथ ही महाभारत काल के पुरातन स्थलों पांडव किला, कुंती पर्वत, पांडव पर्वत, व्यास गुफा आदि के दर्शन कराये जायेंगे।

गौरतलब है कि केएमवीएन की ओर से कैलाश मानसरोवर की तर्ज पर वर्ष 1994 से आदि कैलाश-ओमपर्वत यात्रा संचालित की जा रही है। अभी तक 180 दलों के माध्यम से 3945 तीर्थयात्री आदि कैलाश के दर्शन कर चुके हैं। कोरोना महामारी के चलते पिछले दो साल यात्रा ठप रही।

सिद्धू मूसेवाला के मर्डर से पंजाब से दिल्ली तक उबाल

कांग्रेस का केजरीवाल के घर के पास प्रदर्शन, पुलिस ने कई नेता हिरासत में लिए

नई दिल्ली। मशहूर पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर पंजाब से दिल्ली तक उबाल है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की नाकामी बताते हुए सोमवार को दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के घर के पास प्रदर्शन किया। पंजाब के मानसा जिले में रविवार को अज्ञात हमलावरों ने सिद्धू मूसेवाला की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली कांग्रेस ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया और एक दिन पहले पंजाब में सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए आम आदमी पार्टी को जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी सहित प्रदर्शनकारियों ने सुश्रुत ट्रॉमा सेंटर से केजरीवाल के आवास की ओर मार्च किया, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें बीच में ही रोक दिया। इसके बाद पुलिस अनिल चौधरी समेत कई नेताओं को हिरासत में लेकर सिविल लाइंस थाने ले गई।

चौधरी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला की दिनदहाड़े हत्या के लिए आप सरकार जिम्मेदार है। अरविंद केजरीवाल को इसका जवाब देना चाहिए कि मूसेवाला की सुरक्षा वापस क्यों ली गई, जबकि उनकी जान को खतरा था और यह बात पंजाब में खुफिया एजेंसियों को पता थी।

बता दें कि, सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद अरविंद केजरीवाल ने रविवार को ट्वीट कर कहा था, सिद्धू मूसेवाला का कत्ल बेहद दु:खद और स्तब्ध करने वाला है। मैंने अभी पंजाब के ष्ट्रूमान साहिब से बात की। दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलवाई जाएगी। मेरी सबसे विनती है कि सब लोग हौसला रखें और शांति बनाए रखें। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे।

पंजाब पुलिस को हत्या के पीछे आपसी दुश्मनी का संदेह

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वी.के. भवरा ने रविवार को कहा था कि मशहूर गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या गिरोहों के बीच आपसी दुश्मनी का परिणाम लग रही है और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह इसमें शामिल है। डीजीपी ने कहा कि इस हत्या की तीव्र जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी), बठिंडा रेंज, प्रदीप यादव ने तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है। इस टीम में एसपी (जांच) मानसा धर्मवीर सिंह, डीएसपी (जांच) बठिंडा, विश्वजीत सिंह और प्रभावी सीआईए मानसा प्रीतिपाल सिंह शामिल हैं।

डीजीपी ने बताया था कि मूसेवाला के मैनेजर शगनप्रीत का नाम पिछले साल अकाली नेता विक्की मिद्दुखेड़ा की हत्या में सामने आया था। इसके बाद शगुनप्रीत ऑस्ट्रेलिया भाग गया था। यह हत्या मिद्दुखेड़ा की हत्या का बदला लग रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हाथ है। कनाडा से गैंग के एक सदस्य ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कनाडा में रहने वाले गोल्डी बराड़ ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी ली है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग और लक्की पटियाला गिरोह के बीच दुश्मनी है। तीन बंदूकधारियों की पहचान हरियाणा निवासी सन्नी, अनिल लठ और भोलू के रूप में की गई है और उन्हें मिद्दुखेड़ा की हत्या के संबंध में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पहले ही गिरफ्तार किया था, जबकि शगनप्रीत का नाम इस मामले की एफआईआर में बतौर आरोपी नामजद है।

सुरक्षा में कटौती की बताई वजह

डीजीपी भवरा ने कहा कि मूसेवाला के साथ पंजाब पुलिस के चार कमांडो तैनात थे। उन्होंने कहा कि हर साल ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी और अगले महीने घल्लूघारा सप्ताह के कारण सुरक्षा कम की जाती है। मूसेवाला के साथ तैनात पंजाब पुलिस के चार कमांडो में से दो को हटाया गया था। डीजीपी के मुताबिक, मानसा जिले में वारदात के समय मूसेवाला अपने बचे हुए दो कमांडो को साथ नहीं ले गए थे। उन्होंने बताया कि मूसेवाला अपनी निजी बुलेट प्रूफ गाड़ी भी नहीं ले गए थे। भवरा ने कहा कि घटनास्थल से गोलियों के 30 खाली खोल बरामद किए गए हैं। उन्होंने अनुमान जताया कि वारदात में कम से कम तीन हथियारों का इस्तेमाल किया गया होगा।

मूसेवाला खुद चला रहे था कार

घटना की और जानकारियां देते हुए उन्होंने कहा कि मूसेवाला अपने पड़ोसी गुरविंद सिंह और रिश्तेदार गुरप्रीत सिंह के साथ शाम साढ़े चार बजे अपने घर से रवाना हुए। वह खुद गाड़ी चला रहे थे। जब मूसेवाला जवाहर के गांव पहुंचे थे तो सामने से दो गाड़ियों ने उनकी गाड़ी को रोक लिया और सामने से सिद्धू मूसेवाला पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं।

पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तीनों को मानसा स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही सिद्धू मूसेवाला की मौत हो गई थी। अन्य दो लोगों की हालत स्थिर है।

सामाजिक मुद्दों पर सार्थक हस्तक्षेप करती है कृपाशंकर चौबे की पत्रकारिता: प्रो. द्विवेदी

कृपाशंकर चौबे एक शिनाख्त पुस्तक के लोकार्पण समारोह में बोले आईआईएमसी के महानिदेशक

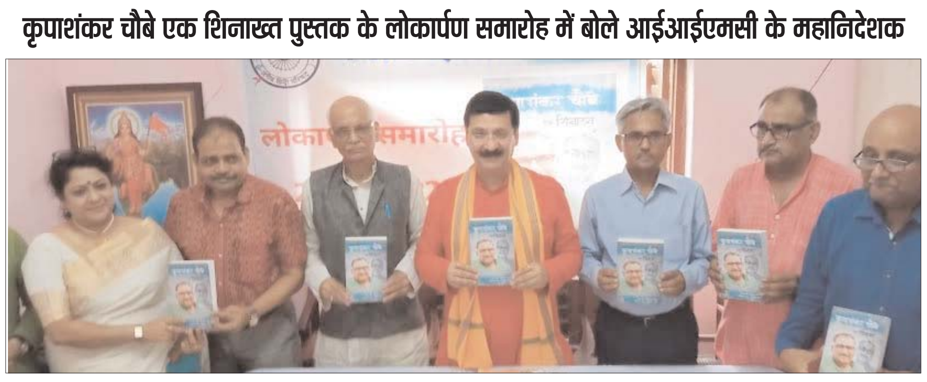

कोलकाता। देश के वरिष्ठ पत्रकार एवं मीडिया प्राध्यापक प्रो. कृपाशंकर चौबे पर केंद्रित पुस्तक कृपाशंकर चौबे एक शिनाख्त पुस्तक का लोकार्पण करते हुए भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि कृपाशंकर चौबे की पत्रकारिता अपने समय के सवालों पर सार्थक हस्तक्षेप करती है, चिंतन के नए द्वार खोलती है और समझ का विकास करती है। बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रो. अमरनाथ, प्रो. अरुण होता, डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार ओम प्रकाश अश्क, प्रसिद्ध समीक्षक मृत्युंजय, बांग्ला लेखिका शर्मिष्ठा बाग और %लहक% के संपादक निर्भय देवयांश भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि कृपाशंकर चौबे को पत्रकारिता और साहित्य में राष्ट्रीय पहचान कोलकाता ने दी। उनका अधिकतर लेखन बांग्ला साहित्य, कला और संस्कृति पर केंद्रित है। इसीलिए बांग्ला और कोलकाता की चौबे जी की निर्मिति में बड़ी भूमिका है।

आईआईएमसी के महानिदेशक के अनुसार कृपाशंकर जी की समूची पत्रकारिता न्यायपूर्ण लोकतांत्रिक चेतना संपन्न समाज बनाने की भावना से भरी हुई है। उनकी पत्रकारिता में तथ्य, तर्क, विश्लेषण और संवेदना है, जिससे उपजे उनके शब्द गरिमा पाते हैं। वे किसी दल के विचारों के बंधक नहीं हैं।

मुक्त हैं, स्वतंत्र चेता हैं और सत्यान्वेषण के लिए काम करते हैं। समाजवादी विचारधारा ने उनकी सोच और विचार यात्रा को धारदार और दृष्टि संपन्न बनाया है। इसलिए वे उन पत्रकारों और टिप्पणीकारों से अलग हैं, जो नरेटिव बनाने या एजेंडा सेटिंग के लिए काम करते हैं।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि जिस समय में पत्रकारिता की प्रामाणिकता और विश्वसनीयता पर गहरे प्रश्न हैं, ऐसे कठिन समय में कृपा जी जैसे लोग उम्मीदें बंधाते हैं। प्रेरणा देते हैं। भरोसा देते हैं। कृपा जी जैसे शब्द साधकों की मौजूदगी यह बताती है कि हमारी भाषा ने अपने नायकों को अभी खोया नहीं है। ऐसे साधक ही हमारी भाषा को नई शक्ति, नई संचेतना और नई पदावली दे रहे हैं।

प्रलेक प्रकाशन, मुबंई द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक का संपादन सोनम तोमर ने किया है। पुस्तक में साहित्य और पत्रकारिता में कृपाशंकर चौबे के योगदान का आकलन महाश्वेता देवी, सुनील गंगोपाध्याय, नामवर सिंह, केदारनाथ सिंह, राम बहादुर राय, अमरनाथ, एस. आनंद, सेराज खान बातिश, मृत्युंजय एवं हरिवंश सहित पचास से अधिक लेखकों ने किया है।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण बंगीय हिंदी परिषद के संयुक्त सचिव डॉ. रंजीत कुमार ने दिया। संचालन डॉ. सुनील कुमार सुमन ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन बंगीय हिंदी परिषद के मंत्री डॉ. राजेंद्रनाथ त्रिपाठी ने दिया।

तमिलनाडु सहित कई राज्यों में हुई वर्षा

चेन्नई। मौसम विभाग ने केरल ,लक्षद्वीप, तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सोमवार को हुई बारिश के बारे में जानकारी दी साथ ही यह भी बताया कि रायलसीमा, पुड्डुचेरी, माहे, यनम और कराईकल इलाके में मौसम शुष्क रहा। तमिलनाडु में पुडुक्कोट्टई जिले के पेरुन्गालुर में 06 सेमी और अधनक्कोट्टई, कन्याकुमारी जिले के कुझीथुरई, कलियाल में 05 सेमी, डिंडीगुल जिले के नाथम, ओडनछत्रम में 04 सेमी, कन्याकुमारी जिले के थुकले, पेचिपराई, शिवलोगम, नील्गिरीस जिले के कोटागिरी, उधगमंडलम में 03 सेमी, विरुधुनगर जिले के अरुप्पुकोट्टै, थेनी जिले के पेरियाकुलम, कुड्डुलोर जिले के कट्टुमयिलूर में 02 सेमी तक वर्षा हुई। केरल और लक्षद्वीप के कोट्टायम जिले के अलाप्पुझा और कोझा में 05 सेमी,कोल्लम जिले के तेनमाला में 02 सेमी तक बारिश हुई। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के शिराली, हसन जिले के सी.आर. पटना, मांड्या जिले के कृष्णाराजसागर में 01 सेमी वर्षा हुई। तटीय आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के वीराघत्तम में 03 सेमी, तक बारिश हुई। तेलंगाना के बी. कोथाकुडेम जिले में 05 सेमी, बी. कोथागुडेम जिले के पल्वांचा 03 सेमी, बी. कोथागुडेम जिले के भद्राचलम, भूर्माम्पहद, खम्मम जिले के एनकुरु में 02 सेमी, बी. कोथागुडेम जिले के अस्वपुरम, येल्लांदु, महबूबाबाद जिले के गरला, खम्मम जिले के थल्लदा, पेद्दापल्ली जिले में 01 सेमी तक बारिश हुई।

मोदी के मंगलवार को शिमला आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी : जयराम ठाकुर

शिमला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को शिमला दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

यह जानकारी मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सोमवार को यहां मीडिया से बातचीत करते हुए दी।

जयराम ने कहा कि 31 मई को प्रधानमंत्री के शिमला दौरे को प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण और राष्ट्रीय महत्व वाला कार्यक्रम बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के आठ वर्ष के कार्यकाल पूरा होने पर श्री मोदी शिमला आ रहे हैं और यह कार्यकाल यशस्वी कार्यकाल रहा है।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में आठ वर्ष में भारत को एक नई पहचान मिली है। भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पटल पर आगे बढ़ा है जिसे हर कोई सहजता से देख और महसूस कर सकता है। आज तक देश में जितने भी प्रधानमंत्री रहे उनमें से प्रधानमंत्री मोदी की महामारी से निपटने की सबसे बड़ी चुनौती रही है और इसके बावजूद भी देश आगे बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी को आठ वर्ष के सफलता पूर्वक कार्यकाल के लिए बहुत बधाई दी और उनके कार्यकाल को देश के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान में बड़े योगदान के रूप में याद किए जाने वाला बताया। वे प्रधानमंत्री के आठ वर्ष के कार्यकाल को लेकर मिले थे और उन्हें प्रदेश आने का आग्रह किया था जिसमें प्रधानमंत्री ने उन्हें 31 मई को रिज मैदान पर होने वाले कार्यक्रम में गरीब कल्याण सम्मेलन और और किसान सम्मान निधि की 11वीं किस्त जारी करने को शामिल करने का सुझाव दिया था जिसे कल रिज मैदान से शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि रिज मैदान पर होने वाले गरीब कल्याण सम्मेलन कार्यक्रम में देशभर से मुख्यमंत्री जुड़ेंगे और जिला मुख्यालय में भी वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा इसके अलावा 17 लाख से अधिक लोग वर्चुअल माध्यम से इस कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के 50 हजार लोग जुड़ेंगे और 11 जिलों के लाभार्थी वर्चुअल माध्यम से इसका हिस्सा बनेंगे जिसमें मंत्री और विधायक उपस्थित रहेंगे।

इस दौरान किसान सम्मान निधि के रूप में 11 वीं किस्त के रूप में 21000 करोड़ की राशि वितरित की जाएगी जिससे 80 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का जगह जगह स्वागत कार्यक्रम नहीं रखा गया है लेकिन रिज पर पहुंचने के दौरान रास्ते में लोग चलते चलते उनका अभिनन्दन कर पाएंगे।

जयराम ने बताया कि प्रधानमंत्री 16 और 17 मई को धर्मशाला में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भी भाग लेने एक बार फिर हिमाचल आएंगे।

शार्ट न्यूज

बेमौसम हुई बारिश ने केजरीवाल की नाकामियों की पोल खोल दी : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि आज बारिश के कारण जिस तरह की तस्वीर देखने को मिल रही है, वह बताती है कि केजरीवाल सरकार ने बारिश के बाद होने वाली तबाही को रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किया है। अभी तो बेमौसम बारिश में दिल्ली का यह हाल है कि कही पेड़ गिर गए तो कही जल जमाव हो रहा है, जब बारिश का मौसम आ जाएगा और केजरीवाल का कुप्रबंधन इसी तरह रहा तो दिल्ली पूरी तरह से जल मग्न हो जाएगी और केजरीवाल सरकार अपनी विज्ञापन वाली राजनीति से बाहर नहीं निकल पाएंगे। आदेश गुप्ता ने कहा कि पिछले कुछ सालों में हमने देखा है कि पीडब्ल्यूडी की सड़कों का अधिकतर भाग जलजमाव के कारण पूरी तरह से जर्जर हो गया है, लेकिन उसकी आज तक मरम्मत नहीं कराई गई। शायद केजरीवाल एक बार फिर से उन सड़कों को जलमग्न होने और लोगों को नाव से सड़कें पार करने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बारिश सबसे ज्यादा दिल्लीवासियों के साथ अन्याय करती है और यह सिर्फ एकाध साल का नहीं बल्कि कई सालों से चला आ रहा है लेकिन केजरीवाल सरकार उसका कोई उचित उपाय नहीं कर पाई है। ड्रेनेज, पीडब्ल्यूडी और जलबोर्ड ने कोई काम नहीं किया। इन विभागों ने पिछले सात सालों से दिल्ली में हो रहे जलजमाव की समस्याओं से कुछ नहीं सिखा और यहीं कारण है कि इसका खामियाजा दिल्ली की जनता को भुगतना पड़ रहा है।

जब मस्जिदों के नीचे मंदिर मिल रहे तो कट्टरपंथी मदनी व पाक प्रेमी मुस्लिमों को तकलीफ क्यों हो रही है : शांडिल्य

नई दिल्ली। जमीयत उलमा–ए–हिन्द के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी या अन्य मुस्लिमों के पास यदि 1947 में मुसलमानों के पास पाकिस्तान जाने का विकल्प था वो नही गए इससे उनके हिंदुस्तान से प्यार होने का प्रमाण कहां से मिलता है ।उपरोक्त शब्द एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहे। उन्होंने कहा या फिर हिंदुस्तान में 1947 में जो मुसलमान रहे वो इस आधार पर रहे कि वो राष्ट्रगान,वंदे मातरम नही गाएंगे। उन्होंने कहा मौलाना मदनी के बयान से उनका पाकिस्तान प्रेम झलकता है। उन्होंने मदनी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज जब मस्जिदों के नीचे मंदिर मिल रहे तो इस पर कट्टर पंथी या पाक प्रेमी मुसलमान जो हिंदुस्तान में रहते हैं उनको तकलीफ हो रही है ।उन्होंने कहा कि मदनी हिन्दुओ को पाकिस्तान जाने की सलाह देने की बजाये अपनी सोच बदल कर भारत माँ की जय कहने की आदत डालें व राष्ट्र गान गायें मदरसों में उर्दू के साथ हिंदी व संस्कृति बच्चो को सिखाएं फिर वो कभी हिंदुस्तान में रहकर मुसलमान हिंदुओं को ही पाकिस्तान जाने की सलाह नही देंगे। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कभी जामा मस्जिद के शाही इमाम या मौलाना महमूद मदनी ने कभी अफजल या कसाब के खिलाफ कोई बयान दिया या 26/11 के आरोपी अजमल कसाब व संसद भवन पर आत्मघाती हमला करने वाले मोहम्मद अफजल के खिलाफ या बुरहान वाणी या कश्मीर में व भारतीय तिरंगे के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कट्टर पंथी मुसलमानों के खिलाफ देवबंद में बैठ कभी बयान दिया। शांडिल्य ने मदनी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अपनी मानसिकता बदलें और जिस हिंदुस्तान का खाते हैं उस हिंदुस्तान से प्यार करें राष्ट्रगान गाएं व वंदे मातरम कहें फिर साबित होगा कि हिंदुस्तान का मुसलमान भारत से प्यार करता है।

एनएचपीसी और बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के बीच सीएसआर के तहत हरियाणा के आकांक्षी जिला नूंह में ग्रामीण समुदाय के बीच स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन

नई दिल्ली। एनएचपीसी, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी और बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के बीच दिनांक 30 मई, 2022 को एनएचपीसी लिमिटेड की सीएसआर पहल के अंतर्गत हरियाणा के आकांक्षी जिला नूंह में ग्रामीण समुदाय के बीच स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। श्री यू.एस. शाही, कार्यपालक निदेशक (सीएसआर/ईएमएस/सीसी), एनएचपीसी एवं श्रीमती नंदिता बख्शी, सीईओ, बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान ने इस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए। इस सीएसआर परियोजना के तहत बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा समुदाय के कमजोर वर्गों के लिए सामान्य/विशिष्ट स्वास्थ्य शिविर और स्क्रीनिंग परीक्षण आयोजित किया जाएगा। इस परियोजना में जरूरतमंदों को दवाएं, पूरक पोषण, प्रतिरक्षा बूस्टर किट प्रदान की जाएँगी तथा पोषण और स्वच्छता से संबंधित स्वास्थ्य शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा परामर्श सेवाएं एवं विशेष उपचार के लिए रेफरल सेवाएं भी प्रदान की जाएगी। बिस्नौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान द्वारा इस पहल के अंतर्गत इंद्री प्रखंड के ग्राम गंगोली तथा हिलालपुर और नूंह प्रखंड के ग्राम बजेदा, खोरबसई, संगैल एवं उलेटा में शिविर आयोजित की जाएगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 40 लाख की विदेशी मुद्रा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली हवाईअड्डे पर सीआईएसएफ ने 40 लाख कीमत की विदेशी मुद्रा के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा है। आरोपी नोटबुक के पन्नों को चिपकाकर उनके बीच में विदेशी मुद्रा छिपाकर ले जा रहा था। सीआईएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, घटना 29 मई की है। टर्मिनल 3 पर एक यात्री संदिग्ध हालत में दिखा। उसके हावभाव देखकर उस पर शक हुआ और इस आधार पर उसकी जांच की गई। अधिकारियों के मुताबिक, बैगेज जांच में उसके बैग में 4 नोट बुक मिली। उनके पन्नों के बीच की मोटाई कुछ अधिक लगी। जब पेजों को एक–दूसरे से अलग किया गया तो उनमें 2 लाख साउदी रियाल, 200 यूएस डॉलर, और 170 दिरहम बरामद हुए। आरोपी की पहचान मोहम्मद हारून के रूप में हुई है। वह दुबई जाने की फिराक में था। सीआईएसएफ ने आरोपी को कस्टम विभाग को सौंप दिया है। कस्टम मामले में आगे की जांच कर रही है।

नोएडा में सांड ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, युवक की मौके पर ही मौत

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा में रविवार रात स्कूटी पर सवार होकर जा रहे एक युवक को सांड ने टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर चोट लगने के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने सोमवार को इस बारे में जानकारी दी। थाना सेक्टर–20 के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि 25 वर्षीय राहुल अवाना उर्फ प्रिंस अवाना बीती रात अपनी स्कूटी पर सवार होकर सेक्टर 21–25 के चौराहे से गुजर रहा था, तभी एक सांड एकदम से सड़क पर आ गया और उसकी स्कूटी से जा टकराया। उन्होंने बताया कि इस घटना में प्रिंस की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रिंस मूलरूप से नोएडा के हरौला गांव का रहने वाला था। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

केजरीवाल को एनएएस रिपोर्ट ने हरियाणा का शिक्षा मॉडल दिल्ली से बेहतर बताकर आईना दिखा दिया है : आदेश गुप्ता

केजरीवाल चुनाव आते ही इंजीनियर-डॉक्टर बनाने का सपना दिखाते हैं और चुनाव खत्म होते ही गिरगिट की तरह रंग बदलते है : आदेश गुप्ता

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हरियाणा में जाकर गले फाड़-फाड़ कर कह रहे थे कि उन्होंने दिल्ली में 12 लाख नौकरियां दे दी हैं और अगले पांच सालों में 20 लाख नौकरियां देने पर काम चल रहा है, जबकि आरटीआई में उनकी सरकार का ही जवाब है कि पिछले सात सालों में केजरीवाल ने सिर्फ 440 नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि जिस शिक्षा मॉडल की घूम-घूमकर केजरीवाल दुहाई देते हैं उन्हें एनएएस एजेंसी की रिपोर्ट भी देखना चाहिए, जिसमें स्पष्ट कहा गया कि हरियाणा के स्कूल सभी विषयों में दिल्ली से बेहतर साबित हुए हैं। आज दिल्ली के देवली और संगम विहार विधानसभा में केजरीवाल के ऐसे ही 10 झूठे वायदों की सच्चाई को उजागर करने वाले पोल खोल अभियान के तहत श्री गुप्ता ने जनसंपर्क किया।

आदेश गुप्ता ने कहा कि जिस झूठ और बेबुनियादी बातों पर केजरीवाल ने अपनी सत्ता की दीवारें खड़ी की हैं, उसकी नींव दिल्ली की जनता उपचुनाव में हिलाने वाली है। गुंडों और दंगाईयों को संरक्षण देने वाली आम आदमी पार्टी ने पिछले सात सालों में दिल्ली को तो दंगों की राजधानी बना ही डाला है, लेकिन अब उसका प्रभाव पंजाब में भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी के आते ही वहां की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। विपक्षी दलों के नेताओं

की सुरक्षा हटाकर केजरीवाल अपने लोगों की सुरक्षा बढ़ाने में लगे हुए हैं और उसका नतीजा है कि आज पंजाब में कोई भी सुरक्षित नहीं है। सिंगर सिद्धू मूसेवाला की दिनदहाड़े हत्या इसका प्रमाण है। इससे पहले भी अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी की हत्या की गई थी। पंजाब की पुलिस वहां के खालिस्तानी गतिविधियों को रोकने की जगह आम आदमी पार्टी के नेताओं की सुरक्षा में लगी हुई है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा में कहा कि अपने बच्चे को इंजीनियर डॉक्टर बनाना है तो आम आदमी पार्टी के साथ आ जाओ, लेकिन केजरीवाल को यह भी बताना चाहिए कि जिस दिल्ली में उनकी पिछले सात सालों से सरकार है, वहां आज तक एक भी नया स्कूल नहीं बना। कोई कॉलेज नहीं खुला। ऐसे में इंजीनियर-डॉक्टर बनने वाले बच्चे कहां पढ़ेंगे। डॉक्टर बनने का ख्वाब दिखाने वाले केजरीवाल दिल्ली के उन बच्चों को भी जवाब देते कि 330 स्कूलों के 11वीं एवं 12वीं क्लास में साइंस की पढ़ाई तक नहीं होती। उन्होंने कहा कि अपनी राजनीति चमकाने के लिए दिल्ली के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे केजरीवाल 9वीं क्लास में बच्चों को फेल करते हैं ताकि 10वीं का रिजल्ट बेहतर आ सके। क्या ऐसा करने से बच्चे इंजीनियर-डॉक्टर बन जाएंगे?

आदेश गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल खुद को दिल्ली का बेटा कहते रहे हैं, लेकिन पिछले सात सालों के शासन में केजरीवाल ने दिल्ली के साथ जो किया है, वह कोई सौतेला भी नहीं करेगा। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के हर विभाग का बेड़ा गर्ग कर दिया है, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, जलबोर्ड हो, परिवहन हो, प्रदूषण हो, यमुना सफाई हो, सड़क या पानी हो। केजरीवाल खुद को दिल्ली का बेटा कहते हैं और हरियाणा में चुनाव आते ही वह हरियाणा के लाल हो गए ऐसे में केजरीवाल पहले खुद साफ करें कि वह कहां के बेटे हैं और कहां के लाल हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि उन्हें चुनावी गिरगिट कहना ज्यादा सही रहेगा। आज इस पोल खोल में जिला अध्यक्ष श्री रोहताश बिधूड़ी, जिला महामंत्री श्री चंदन चैधरी और श्री विजय धवन, जिला उपाध्यक्ष श्री सुनील सूद और श्री गगन श्रीलाल प्रधान सहित प्रदेश, मोर्चा, जिला एवं मंडल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

दिल्ली में हर दिन गुम हो रहे हैं 20 बच्चे

कोरोना काल में जीविका के साधन कम होने से और बढ़े हैं मामले

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में हर दिन 20 बच्चे गुम होते हैं। गुम होने वाले बच्चों की उम्र ज्यादातर 10 से 16 साल के बीच होती है। सबसे ज्यादा बच्चे संगम विहार, प्रेम नगर, केराड़ी, नजफगढ़ समेत बाहरी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली से होते हैं। इस बात का खुलासा आज यहां महिला प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गैर सरकारी संस्था %नव सृष्टि% संस्था की सचिव रीना बनर्जी और सुषमा ने की।

रीना बनर्जी ने बताया कि देश की राजधानी दिल्ली में मानव तस्कर इस कदर सक्रिय हैं कि औसतन हर दिन यहां से 20 बच्चे गायब हो रहे हैं। गायब होने वाले अधिकतर बच्चे गरीब परिवार से है और उनके माता पिता माइग्रेंट लेबर का काम करते हैं। बच्चों के गायब होने का पता चलने के बाद माता पिता और परिवार के लोग पहले तो सो तीन दिन तक खुद से अपने बच्चे की तलाश करते हैं जब नही मिलते हैं तब वह पुलिस के पास जाते हैं तब तक बच्चा बहुत दूर जा चुका होता है इसलिए पीड़ित को तुरंत पुलिस से संपर्क करना चाहिए। इससे बच्चों के मिलने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि गुमशुदा बच्चों को तलाशने के लिए सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि दूरदर्शन के अलावा अन्य सभी चैनल गुमशुदा बच्चों की तस्वीरों को दिखाए। इससे चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने और बच्चों को ढूंढने में मदद मिलेगी। सुषमा शर्मा ने बताया कि गुम होने वाले अधिकतर बच्चों की उम्र 10 से 16 साल के बीच होती है। जिनमे 11 साल के बच्चों का इस्तेमाल अंग तस्करी के लिए होता है तो लड़कियों का वेश्यावृत्ति के लिए।

जबकि बहुत छोटे बच्चे माता पिता की लापरवाही की वजह से गुम होते हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस भी गुमशुदा बच्चों के डाटा को अपडेट नही करती है इसकी वजह से भी कई बार गुम होने वाले बच्चों का आंकड़ा गड़बड़ा जाता है। उन्होंने बताया कि बच्चों को मानव तस्करों से बचाने के लिए उन्हें समूह में जागरूक किया जा रहा है और उनके परिजनों को भी। इससे हम उम्मीद करते हैं कि कुछ बदलाव आएगा। निर्मल कौर नेव सराय इलाके की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह से इलाके के दबंग स्कूलों में पढ़ने वाली लड़कियों को परेशान करते हैं और उनके परिजन डर से कुछ महि बोल पाते हैं। इतना ही नही बच्चों के खेलने वाले पार्क पर भी कब्जा कर लिया है जिससे कोरोना काल में बच्चे घरों में बंद रहने के कारण मानसिक रूप से तनाव में आ गए हैं।

नोएडा- तेज आंधी और बारिश से गिरी दीवार, 10 महिलाएं और बच्चे घायल

नोएडा। मौसम ने सोमवार को दोपहर बाद एक बार फिर से करवट ली। दिन में तेज धूप के बाद अचानक से आसमान में काले बादल घिर आए। इसके साथ ही चली तेज आंधी ने लोगों की मुसीबतों को बढ़ा दिया। लगभग 100 की रफ्तार से चली हवाओं से नोएडा के थाना 63 क्षेत्र में हादसा हो गया। यहां, तेज आंधी और बारिश से दीवार गिर गई जिसकी चपेट में आने से 10 महिलाएं और बच्चे हुए घायल हो गए है। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक बच्चे की हालत नाजुक होने पर उसे दिल्ली रेफर किया गया। आपको बता दें कि सोमवार दोपहर बाद चली तेज आंधी ने लोगों की मुसीबतों को बढ़ा दिया। नोएडा के 20 से अधिक सेक्टरों में पेड़ और सड़कों के किनारे लगे होर्डिंग तथा गेट पर लगे बोर्ड टूट–टूट कर गिर गये। इनकी चपेट में आने से वाहन भी क्षतिग्रस्त हुए और सड़कों पर भी जाम लग गया। इसके अलावा, सेक्टर–14 में गौतमबुद्धनगर द्वार के पास एडिशनल डीसीपी दफ्तर का होर्डिंग सड़क पर गिर गया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। जिस समय होर्डिंग गिरा तो उसके नीचे कोई नहीं था। होर्डिंग के सड़क पर गिरने से नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित हो गया। कुछ ही देर में एक्सप्रेसवे पर करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। तेज आंधी के चलते सेक्टर–18 में वेव सिल्वर टावर से टिन की सेड रिक्शा चालक युवक पर गिर गई। हादसे में वह घायल हो गया।

100 की रफ्तार वाली आंधी ने दिल्ली को झकझोरा, छज्जा गिरने से व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली को सोमवार के दिन 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं ने झकझोर कर रख दिया। अचानक बदले इस मौसम से दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश और ओलावृष्टि भी हुई। इस दौरान जामा मस्जिद इलाके में ओलावृष्टि और बारिश के बाद छज्जा गिरने से एक 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस घटना के अलावा किसी अन्य हादसे की आशंका नहीं है। वहीं, तेज बारिश के बाद सोमवार शाम बदरपुर, कापसहेड़ा बॉर्डर, आनंद विहार, अप्सरा बॉर्डरों पर वाहनों की कतारें लग गई। यहां वाहन रुक–रुककर चलते दिखाई पड़े। देर शाम ऑफिस से घर लौट रहे लोगों को मथुरा रोड, बारापुला व बाहरी रिंग रोड समेत प्रमुख मार्गों पर एक घंटा जाम में फंसना पड़ा। जगह–जगह जलभराव व पेड़ टूटे, जिससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। ओखला से कालाजी जाते हुए, निर्माण भवन के सामने, प्रशांत विहार से मधुबन चौक जाते हुए, आजादपुर मंडी के आसपास, नजफगढ़ फिरनी रोड, रोहतक रोड, नेहरू पैलेस से अपोलो जाते हुए, मजनूं का टीला के सामने, कशमीरी गेट, सराय काले खां, बारापुला, पीतमपुरा, बुराड़ी से सिंघू बॉर्डर जाते हुए, मुख्य वजीराबाद रोड, विकास मार्ग आदि केजी मार्ग, अंसारी रोड, दरियागंज, नेताजीसुभाष मार्ग, जनपथ, रायसीना रोड, यमुना बाजार, बाराखंभा रोड, टॉलस्टॉय मार्ग, अशोक रोड, लाजपम नगर, राजेंद्र प्रसाद रोड, मंडी हाउस, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग।

भारत में कैंसर का सबसे बड़ा कारण हैं तंबाकू सेवनः आरजीसीआईआरसी

नई दिल्ली। लगातार जागरूकता के प्रयासों के बावजूद भारत में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं और इसका सबसे बड़ा कारण तंबाकू सेवन है। आवश्यकता है कि तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाए। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) ने यह बात कही। आरजीसीआईआरसी में थोरेसिक ओंकोसर्जरी के प्रमुख डॉ. एल.एम. डारलॉन्ग ने कहा कि भारत में कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू है। पुरुषों में करीब 40 प्रतिशत और महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर के मामले तंबाकू से संबंधित होते हैं। इनमें फेफड़े का कैंसर, सिर व गले का कैंसर और मुंह के कैंसर सीधे तौर पर तंबाकू उत्पादों के सेवन से जुड़े हैं। फेफड़े के कैंसर के मामलों में धूम्रपान सबसे बड़ा कारण है और लगभग दो तिहाई मामले इससे जुड़े होते हैं। आरजीसीआईआरसी के डायरेक्टर सर्जीकल ओंकोलॉजी, डॉ. ए.के. दीवान ने कहा कि धूम्रपान के कारण व्यक्ति को दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई बीपी, क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज जैसी कुछ अन्य बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है। यह भी देखा गया कि कोविड–19 महामारी के दौरान जिन मरीजों में सीधे तौर पर धूम्रपान से संबंधित कोई अन्य बीमारी थी, उनमें कोरोना संक्रमण से मौत का खतरा ज्यादा रहा। इसलिए स्वास्थ्य की दृष्टि से इस चुनौतीपूर्ण समय में धूम्रपान छोड़ना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे (जीएटीएस): इंडिया 2016–17 के मुताबिक, 15 साल और उससे ज्यादा उम्र के करीब 26.7 करोड़ यानी लगभग 29 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी रूप में तंबाकू उत्पादों का प्रयोग करते हैं। इस लिहाज से भारत सर्वाधिक तंबाकू उपभोग वाले देशों में से है। आरजीसीआईआरसी के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. सुधीर रावल ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली कैंसर से बचाव में सहायक है। अगर तंबाकू उत्पादों से परहेज किया जाए और स्वस्थ जीवनशैली अपनाई जाए तो कैंसर के काफी मामलों से बचा जा सकता है। आरजीसीआईआरसी के प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी ओपीडी में बेहद कम दाम में तीन सबसे ज्यादा होने वाले कैंसर की स्क्रीनिंग की सुविधा मिलती है। ये तीनों प्रकार हैं स्तन कैंसर, सर्विक्स कैंसर और मुंह का कैंसर।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर आरजीसीआईआरसी में मुंह के कैंसर की निशुल्क स्क्रीनिंग की जा रही है। 23 मई से शुरू हुआ यह कैंप 11 जून तक चलेगा। इससे धूम्रपान करने वाले और तंबाकू चबाने वाले लोगों को शुरुआती स्टेज में ही कैंसर का पता लगाने में मदद मिलेगी। इससे समय पर इलाज भी संभव होगा।

फ्री स्क्रीनिंग के साथ ही तंबाकू छुड़ाने के लिए निशुल्क परामर्श शिविर भी आयोजित किया जा रहा है, जिससे लोगों को तंबाकू के सेवन से दूर किया जा सके। डॉ. रावल ने कहा कि तंबाकू में नशा होता है और इसीलिए खुद से इसे छोड़ पाना लोगों के लिए मुश्किल होता है। उन्हें प्रोत्साहन और सहयोग की जरूरत होती है।

दिल्ली को स्वच्छ रखने के तरीकों पर चर्चा के लिए 'आप' ने उपराज्यपाल विनय सक्सेना को लिखा पत्र

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को स्वच्छ रखने के तरीकों पर चर्चा के लिए उपराज्यपाल विनय सक्सेना को लिखा पत्र लिखा है। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्ली में साफ–सफाई और कूड़े के पहाड़ एक गंभीर समस्या है। इन मुद्दों पर चर्चा करना बेहद जरूरी है। एमसीडी की मुख्य जिम्मेदारी, दिल्ली की स्वच्छता को लेकर हमारे पास कई सुझाव हैं जो प्रभावी साबित हो सकते हैं। मुझे आशा है कि उपराज्यपाल जी थोड़ा समय निकालकर हमारे साथ चर्चा के लिए अवश्य बैठेंगे।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, एमसीडी प्रभारी एवं रजिंदर नगर उपचुनाव प्रभारी दुर्गेश पाठक ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में एक महत्तवपूर्ण प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के नए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना जी को शुभकामनाएं। मेरी यही आशा है कि दिल्ली की जनता के हित में हम मिलकर काम सकें। दिल्ली की सफाई करना, एमसीडी की मुख्य जिम्मेदारी है। आज मैंने उपराज्यपाल जी को पत्र लिख उनसे मिलने का समय मांगा है। उनसे मिलकर मुख्यतौर पर दो मुद्दों पर बात करना चाहता हूं।

उन्होंने कहा कि खुद केंद्र सरकार के सर्वे में दिल्ली देश का सबसे गंदा राज्य बताया गया। हमारी चर्चा का पहला मुद्दा यही है। मैं और मेरी टीम पिछले तीन सालों से एमसीडी पर काम कर रहे हैं और हमारे पास कई सुझाव हैं जिसपर हम उपराज्यपास जी से चर्चा करना चाहेंगे।

देश–विदेश में कूड़े के खात्में के लिए कई तरीके निकाले गए जो सफल भी हुए। इनमें से कुछ तरीकों को हमने स्टडी किया है। कूड़े को हर घर से नियमित रूप से समय पर उठाया जाए और दिल्ली में गंदगी की समस्या न हो, यह हमारा दूसरा मुद्दा है। कूड़ा उठाने के बाद एमसीडी उसे दिल्ली के तीनों पहाड़ों पर फेंकती है, जो अपने आप में एक बहुत बड़ी समस्या है। इन मुद्दों पर चर्चा करना बेहद जरूरी है।

एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि हर घर से प्रतिदिन समय पर कूड़ा उठाया जाए और साथ ही उस कूड़े को ठीक से प्रॉसेस किया जाए जिससे दिल्ली में कूड़े के पहाड़ न लगें। हमारे पर इससे संबंधित कई सुझाव हैं। हम उपराज्यपाल जी के साथ इन सभी मुद्दों और सुझावों पर विस्तार में चर्चा करना चाहते हैं।

दिल्ली के नए उपराज्यपाल जी के साथ मिलकर काम करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। जिससे एमसीडी की समस्याओं को कम करके दिल्ली से गंदगी की समस्या को खत्म किया जा सके। मुझे आशा है कि उपराज्यपाल जी हमारे साथ चर्चा के लिए थोड़ा समय जरूर निकाल लेंगे।

दिल्ली : सत्येंद्र जैन की गिरफ्तार पर मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर जमकर बोला हमला

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के मुताबिक सत्येंद्र जैन को ईडी ने पहले हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी पर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया भाजपा सरकार पर जमकर बरसे।

सिसोदिया ने कहा सत्येंद्र जैन के खिलाफ 8 साल से एक फर्जी केस चलाया जा रहा है। अभी तक कई बार ईडी बुला चुकी है। उन्होंने कहा कि बीच में कई साल ईडी ने बुलाना भी बंद कर दिया था क्योंकि उन्हें कुछ मिला ही नहीं। अब फिर शुरू कर दिया क्योंकि सत्येंद्र जैन हिमाचल के इलेक्शन इंचार्ज हैं। हिमाचल में भाजपा बुरी तरह से हार रही है। इसीलिए सत्येंद्र जैन को आज गिरफ्तार किया गया है ताकि वो हिमाचल न जा सकें। आपको बता दें कि ईडी ने पिछले महीने कहा था कि जैन के परिवार और जैन से संबंधित कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति को उनके खिलाफ एक धनशोधन मामले की जांच के तहत अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया गया है।

वर्ष 2018 में ईडी ने इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता जैन से पूछताछ की थी। सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता और कवि कुमार विश्वास ने तंज कसते हुए ट्विटर पर लिखा कि यह केस जब पहली बार आया था तो मैंने भरी पीएसी में सत्येंद्र जैन से जवाब मांगा था। बौने ने उसे सपत्नीक मेरे सामने रोने–धोने के लिए बिठाया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से भारतीय लॉजिस्टिक्स कंपनी का सिर्फ एक साल के अंदर 170 से 300 ट्रक्स के फ्लीट का सफर

फ्यूल मांनीटरिंग समाधानों की मदद से फ्यूल लागत पर एक वर्ष में 10 प्रतिशत की बचत की उपलब्धि

दिल्ली। फ्यूल की बढ़ती कीमतों के बीच, फ्लीट संचालकों और मालिकों के लिए संचालन की लागत को नियंत्रण में रखना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। एशिया पैसिफ़िक नेचुरल गैस व्हीकल्स एसोसिएशन की फ़रवरी 2022 रिपोर्ट के अनुसार, एक मीडियम–ड्यूटी ट्रक को 7,000 किलोमीटर तक चलाने के लिए फ्यूल की लागत (7 किमी प्रति लीटर डीजल के हिसाब से) रू 80,000 से रू 90,000 के बीच होती है। फ्लीट मैनेजमेंट सॉल्यूशंस फ्लीट मालिकों और संचालकों के लिए सबसे लोकप्रिय विकल्प बन रहे हैं क्योंकि यह व्यवसाय को आगे बढ़ाने, फ्यूल की लागत में बचत करने और वाहनों और ड्राइवरों की सुरक्षा बनाए रखने में मदद करता है। उत्तर प्रदेश–आधारित भारतीय लॉजिस्टिक्स कंपनी मैडेलियन ट्रांसलिंक्स ने विभिन्न लाभों के अलावा लोकोनैव के फ्यूल निगरानी समाधान का भी लाभ उठाया है जो कि टैंक–माउंटेड आईओटी फ्यूल सेंसर का उपयोग करता है। और इस तरह कंपनी ने फ्यूल लागत पर 10 प्रतिशत की बचत की है।

बेहतर फ्लीट मैनेजमेंट और कम संचालन लागत के जरिए, मैडेलियन ट्रांसलिंक्स ने तेजी से अपने व्यापार में विस्तार किया और लोकोनैव के फ्लीट मैनेजमेंट और वीडियो सुरक्षा समाधानों को लागू करने के एक वर्ष के भीतर ही अपने फ्लीट के आकार को बढ़ाकर 300 वाहनों तक कर लिया। इस दौरान उन्होंने 170 वाहनों के अपने फ्लीट के लिए रु 7.25 करोड़ से अधिक की बचत की।

लोकोनैव के समाधानों की मदद से मैडेलियन ट्रांसलिंक्स के हर वाहन पर प्रति किलोमीटर लागत कम हुई है जिसके परिणामस्वरूप हर ट्रक पर सालाना रु 4 लाख तक की बचत हुई है। इन समाधानों में प्रभावी ट्रैकिंग, जिओफेन्सिंग और ट्रिप मैनेजमेंट शामिल हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित वीडियो टेलीमैटिक्स (जो कि ड्यूल चैनल डैशकैम पर आधारित है) का लाभ उठाते हुए, कंपनी ने हर साल जुर्माने पर खर्च होने वाली लागत भी ?45 लाख (रू 53,000 प्रति वाहन) तक कम की है।

locoNav
LET'S KEEP MOVING

प्रांजल तुलसियान, फाउंडर, मैडेलियन ट्रांसलिंक्स

लोकोनैव के समाधानों ने हमें पारम्परिक FMCG कंपनी के दायरे से आगे बढ़कर संपूर्ण लॉजिस्टिक्स कारोबार के रूप में विकसित होने में मदद की है। इससे न सिर्फ़ हमारी लागत कम हुई है बल्कि ई–लॉक एवं वीडियो डैशकैम जैसे समाधानों की मदद से हमारे फ्लीट, ड्राइवर एवं कार्गो सुरक्षा में भी सुधार हुआ है। इन समाधानों के ज़रिए हम अपने ड्राइवरों पर ध्यान दे सकते हैं और वाहनों के दुरुपयोग को रोक सकते हैं।

को-फाउंडर श्रीधर गुप्ता और विदित जैन

फ्लीट मैनेजमेंट में डिजिटलीकरण के उपयोग से पूरे सिस्टम पर सकारात्मक प्रभाव हुआ है। समय आ गया है कि विभिन्न कंपनियां फ्लीट टेक को समझें और बेहतर सेवाओं का अनुभव प्राप्त करें। मैडेलियन ट्रांसलिंक्स की सफलता इस बात की पुष्टि करती है कि फ्लीट टेक विभिन्न इंडस्ट्रीज के लिए कितना फ़ायदेमंद हो सकता है। हमें खुशी है कि हम इस यात्रा का भरपूर फ़ायदा और आनंद उठा रहे हैं । मैडेलियन ट्रांसलिंक्स, ग्लोबल कन्ज़्यूमर पैकेज्ड गुड्स तथा ऑटोमोटिव कंपनियों को परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराती है। इसने अपने CPG बिज़नेस के लिए इन–हाउस फ्लीट के तौर पर शुरुआत की थी, जो तैयार उत्पादों को मोटरसाइकल और ट्रक द्वारा देशभर के दूर दराज के इलाकों में माइक्रो रिटेलर्स तक पहुँचाती है। कंपनी ने लोकोनैव के समाधानों को अपनाकर कार्गो एवं फ्यूल का नुक़सान, वाहनों के दुरुपयोग और डिलीवरी में देरी जैसी समस्याओं

संपादकीय

स्वतंत्रता संग्राम से लेकर विश्व शक्ति बनने तक के सफर में हिंदी पत्रकारिता का है महत्वपूर्ण योगदान

30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस देश के लिए एक गौरव का दिन है। आज विश्व में हिंदी के बढ़ते वर्चस्व व सम्मान में हिंदी पत्रकारिता का विशेष योगदान है। हिंदी पत्रकारिता की एक ऐतिहासिक व स्वर्णिम यात्रा रही है जिसमें संघर्ष, कई पड़ाव व सफलताएं भी शामिल हैं। स्वतंत्रता संग्राम या उसके बाद के उभरते नये भारत की बात हो, तो उसमें हिंदी पत्रकारिता के भागीरथ प्रयास को नकारा नहीं जा सकता। वास्तव में हिंदी पत्रकारिता जन सरोकार की पत्रकारिता है, जिसमें माटी की खुशबू महसूस की जा सकती है। समाज का प्रत्येक वर्ग फिर चाहे वो किसान हो, मजदूर हो, शिक्षित वर्ग हो या फिर समाज के प्रति चिंतन-मनन करने वाला आम आदमी सभी हिंदी पत्रकारिता के साथ अपने को जुड़ा हुआ मानते हैं। हिंदी पत्रकारिता सही मायनों में सरकार व जनता के बीच एक सेतु का कार्य करती है। डिजिटल भारत के निर्माण में भी हिंदी पत्रकारिता का अपना एक विशेष महत्त्व दिखाई देता है ।

हिंदी पत्रकारिता की जब हम बात करते हैं तो मूल्य बोध उसकी आत्मा है। भारत में हिंदी पत्रकारिता का प्रारंभ हुआ 30 मई 1826 में पहले साप्ताहिक समाचार पत्र %उदंत मार्तंड% जिसे पंडित जुगल किशोर ने शुरू किया के साथ हुआ। अपने पहले ही संपादकीय में उन्होंने लिखा कि उदंत मार्तंड हिंदुस्तानियों के हितों लिए है। भारतीयों के हितों की रक्षा और राष्ट्र के सर्वोन्मुखी उन्नयन के लिए समाचार पत्र और मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। जिस दौर में उदंत मार्तंड शुरू हुआ था वह दौर पराधीनता का दौर था। भारत की पत्रकारिता का पहला लक्ष्य था राष्ट्रीय जागरण और भारत की स्वाधीनता के यज्ञ को तीव्र करना। ऐसे महान उद्देश्य को लेकर भारत की पत्रकारिता की शुरुआत हुई। यह भारत की पत्रकारिता का सर्वप्रथम मूल्य बोध है कि मीडिया या पत्रकारिता किसी भी कारण से राष्ट्र और समाज के हित से विरक्त नहीं हो सकती। और इसीलिए पत्रकारिता के प्रति भारत का जन विश्वास हुआ।

आज जब हम यह कहते हैं कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है तो ऐसे ही नहीं कह देते कि मीडिया ने अपनी भूमिका से यह साबित किया है कि समाज की अंतिम पंक्ति में जो सबसे दुर्बल व्यक्ति खड़ा है, उसके हितों की रक्षा के लिए कोई साथ है तो वह पत्रकारिता है। इन्हीं वजहों से अखबार को आम आदमी की आवाज कहा जाता था। इसी मूल्य बोध के कारण, उसका समर्पण व्यवसाय के लिए नहीं था। अखबार का या मीडिया का समर्पण देश एवं समाज के हितों के लिए साथ ही कमजोर व्यक्तियों के कल्याण की कामना के प्रति समर्पित था। यह जो जीवन दृष्टि है पत्रकारिता की यही वास्तव में पत्रकारिता की ख्याति है। वक्त के साथ बहुत सारी चीजें बदलती हैं, आज हम अपने स्वार्थ के हिसाब से उनके अर्थों को भी नए तरीके से परिभाषित करते हैं, लेकिन जो आत्मा है वह कभी बदलती नहीं है। उसकी पवित्रता, उसकी जीवंतता, उसकी व्यापकता, घोर सत्य है। जैसे हम कहते हैं कुछ चीजें सर्वदा सत्य होती हैं, सूर्य पूर्व से निकलता है। यह निश्चित सत्य है, वैश्विक सत्य है, यह बदल नहीं सकता। हम आज व्यवसाय और व्यावसायिक होड़ की बात कहकर पत्रकारिता को चाहे अलग-अलग तरीके से परिभाषित करें, लेकिन पत्रकारिता का मूल्य धर्म जो है, लोक कल्याण राष्ट्रीय जागरण और ऐसे हर दुर्बल व्यक्ति के साथ खड़े होना उसके अधिकारों, हितों के लिए लड़ना, जिसका कोई सहारा नहीं है। इस मूल्य को लेकर भारत की पत्रकारिता का उदय हुआ। साहित्यिक व पत्रकारिता का कार्य है ठहरे हुए समाज को सांस और गति देना। जो समाज बनने वाला है, उसका स्वागत करना।

आखिर कांग्रेस मोदी सरकार के आठ साल के कामकाज को छल क्यों बता रही है?

नीरज कुमार दुबे

केंद्र में मोदी सरकार के आठ साल पूरे हो रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा जहां मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत कर रही है तो कांग्रेस आरोपपत्र जारी कर रही है। कांग्रेस समेत विपक्ष आरोप लगा रहा है कि इन आठ सालों में मोदी सरकार ने युवाओं, किसानों, सशस्त्र बलों के जवानों, छोटे व्यापारियों, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और अन्य सभी वर्गों के साथ छल किया है। तो वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पिछले आठ वर्षों में मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया जिससे लोगों का सिर शर्म से झुक जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह रहे हैं कि पिछले आठ वर्षों में हमने महात्मा गांधी और सरदार पटेल के सपनों का भारत बनाने की कोशिश की तो वहीं कांग्रेस का आरोप है कि सरकार अपनी विफलताओं पर से ध्यान भटकाने के लिए छल, कपट, झूठ और नफरत का सहारा ले रही है। प्रधानमंत्री मोदी कह रहे हैं कि हमने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से देश के गरीबों की सेवा की और उनके जीवन को बेहतर बनाने की कोशिश की तो कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार के आठ वर्ष सिर्फ 'कुशासन' और वादाखिलाफी के लिए जाने जाएंगे। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि हमारी माताएं-बहनें सम्मान से जी सकें इसके लिए हमने उनके जन धन बैंक खाते में सीधे पैसे जमा किए। किसानों और मज़दूरों के बैंक खाते में पैसे जमा किए। हमने मुफ्त गैस सिलेंडरों की भी व्यवस्था की ताकि गरीब के घर की रसोई हमेशा चलती रहे। तो वहीं कांग्रेस ने कहा है कि अच्छे दिनों का वादा करने वाली सरकार के कार्यकाल में रसोई गैस सिलेंडर 1000 रुपये से अधिक और सरसों का तेल 200 रुपये से अधिक मूल्य पर मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह रहे हैं कि जब हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य होता है तो भेदभाव भी खत्म होता है, भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी नहीं रहती, ना भाई-भतीजावाद रहता है ना जात-पात का भेद रहता है, इसलिए हमारी सरकार मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने में जी जान से जुटी हुई है। तो वहीं कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने देश में नफरत फैलाकर देश के साथ एक और छल किया है। कांग्रेस का आरोप है कि देश के चुनाव में अब '80 बनाम 20', श्मशान-कब्रिस्तान, लाउडस्पीकर, बुलडोजर, मंदिर बनाम मस्जिद बनाम गिरजाघार बनाम गुरुद्वारा, सड़कों के नाम बदलना, खाने-पहनने के नाम पर बंटवारा ही मुख्य मुद्दे हो गये हैं। कांग्रेस का यह भी आरोप है कि धार्मिक बंटवारा कर वोट बटोरने के लिए अल्पसंख्यकों को बार-बार निशाना बनाया जाता है और अब सिर्फ मुस्लिम अल्पसंख्यक ही नहीं, बल्कि ईसाई तथा सिख अल्पसंख्यक भी इस धार्मिक तुष्टीकरण का निशाना बन रहे हैं। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि गरीबों की सरकार होती है तो कैसे उसकी सेवा करती है, उन्हें सशक्त करने के लिए काम करती है, ये आज पूरा देश देख रहा है। उन्होंने कहा है कि 100 साल के सबसे बड़े संकट काल में भी देश ने ये लगातार अनुभव किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महामारी शुरू हुई तो गरीब के सामने खाने-पीने की समस्या हुई, तो हमने देश के अन्न भंडार खोल दिए। तो वहीं कांग्रेस का आरोप है कि नारा दिया गया था कि अच्छे दिन आने वाले हैं। लेकिन मोदी आये तो महंगे दिन लाये। कांग्रेस ने नारा दिया है कि किसानों की आमदनी भी नहीं हुई दोगुना, बल्कि उन्हें दर्द मिला सौ गुना। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी आये तो मंदी के दिन लेकर आए। अब अच्छे दिनों की फ्लॉप फिल्म उतर चुकी है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने के मौके पर आठ साल-आठ छल, भाजपा सरकार विफल शीर्षक वाली एक पुस्तिका भी जारी की है। कांग्रेस ने जो पुस्तिका जारी की है उसमें सरकार के कथित 'छल' का विस्तृत उल्लेख करते हुए आंकड़ों के साथ सरकार पर निशाना साधा गया है। पेट्रोल, डीजल और कई खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए कांग्रेस ने इस पुस्तिका में कहा है कि भाजपा की अहंकारी सत्ता में डायन महंगाई अब घर जमाई बन गई है। कांग्रेस ने मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने पर आरोप लगाया है कि देश में बढ़ती बेरोजगारी की समस्या का हल खोजने में सरकार नाकाम रही है। कांग्रेस ने दावा किया है कि मोदी सरकार के कार्यकाल में अर्थव्यवस्था गर्त में पहुँच गयी है।

विश्व धूम्रपान निषेध दिवस -31 मई 2022

नशे की अंधी गलियों में गुम होता जीवन

ललित गर्ग

बेशक 31 मई 2022 को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे दिवस को मनाने की उपयोगिता तभी है जब नशे की अंधी गलियों में भटक चुके युवाओं को बाहर निकालना विश्व की हर सरकार का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि युवा पीढ़ी नशे की गुलाम हो चुकी है। विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है तम्बाकू और उससे जुड़े नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन में निरन्तर वृद्धि होना। नई पीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषत: महिलाएं किसी-न-किसी रूप में तम्बाकू की आदी हो चुकी है। बीड़ी-सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे-छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों ने भी भटकाया है। सरकार की नीतियां भी दोगली है। एक नशेड़ी पीढ़ी का देश कैसे आदर्श हो सकता है? कैसे स्वस्थ हो सकता है? कैसे प्रगतिशील हो सकता है? यह समस्या केवल भारत की ही नहीं है, बल्कि समूची दुनिया इससे पीड़ित, परेशान एवं विनाश के कगार पर खड़ी है। इसी बात की गंभीरता एवं विकरालता को देखते हुए साल 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर 31 मई को विश्व धूम्रपान निषेध दिवस मनाने का फैसला किया गया।

आज छोटे-छोटे बच्चे एवं महिलाएं नशे के आदी हो चुकी हैं। वे ऐसे नशे करती है कि रुह कांपती है। हर साल लाखों लोग नशे के कारण अपना जीवन दांव पर लगा रहे हैं। नशा आज एक फैशन बन चुका है। पूरे विश्व के लोगों को तंबाकू मुक्त और स्वस्थ बनाने के लिये तथा सभी स्वास्थ्य खतरों से बचाने के लिये तंबाकू चबाने या धूम्रपान के द्वारा होने वाले सभी परेशानियों और स्वास्थ्य जटिलताओं से लोगों को आसानी से जागरूक बनाने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन यह विडम्बनापूर्ण है कि सरकारों के लिये यह दिवस कोरा आयोजनात्मक है, प्रयोजनात्मक नहीं। क्योंकि सरकार विवेक से नहीं, स्वार्थ से काम ले रही है। शराबबन्दी का नारा देती है, नशे की बुराइयों से लोगों को आगाह भी करती है और शराब, तम्बाकू का उत्पादन भी बढ़ा रही है। राजस्व प्राप्ति के लिए जनता की जिन्दगी से खेलना क्या किसी लोककल्याणकारी सरकार का काम होना चाहिए?

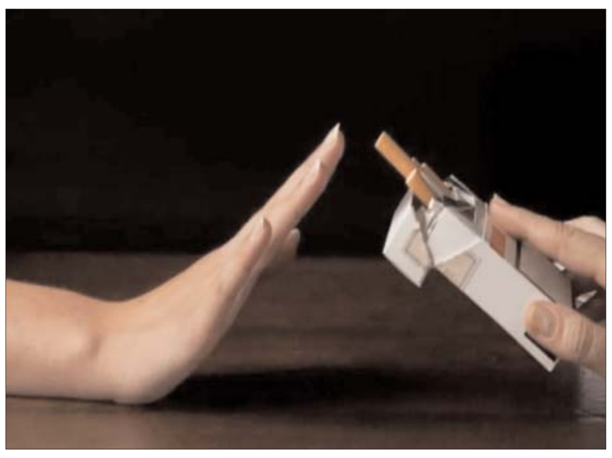

नशे की संस्कृति युवा पीढ़ी को गुमराह कर रही है। अगर यही प्रवृत्ति रही तो सरकार, सेना और समाज के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ व्यक्ति नहीं मिलेंगे। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण हम एक स्वस्थ नहीं, बल्कि बीमार राष्ट्र एवं समाज का ही निर्माण कर रहे हैं। प्रसिद्ध फुटबाल खिलाड़ी मैराडोना, पॉप संगीत गायक एल्विस प्रिंसले, तेज धावक बेन जॉनसन, युवकों का चहेता गायक माईकल जैक्सन, ऐसे कितने ही खिलाड़ी, गायक, सिनेमा कलाकार नशे की आदत से या तो अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं या बरबाद हो चुके हैं। नशे की यह जमीन कितने-कितने आसमान खा गई। विश्वस्तर की ये प्रतिभाएं कीर्तिमान तो स्थापित कर सकती हैं, पर नई पीढ़ी के लिए स्वस्थ विरासत नहीं छोड़ पा रही हैं। नशे की ओर बढ़ रही युवापीढ़ी बौद्धिक रूप से दरिद्र बन जाएगी।

जीवन का माप सफलता नहीं, सार्थकता होती है। सफलता तो गलत तरीकों से भी प्राप्त की जा सकती है। जिनको शरीर की ताकत खैरात में मिली हो वे जीवन की लड़ाई कैसे लड़ सकते हैं? ये बहुत जरूरी है कि वैश्विक स्तर पर तंबाकू सेवन के प्रयोग पर बैन लगाया जाये या इसे रोका जाये क्योंकि ये कई सारी बीमारियों का कारण बनता है जैसे दीर्घकालिक अवरोधक फेफड़ों संबंधी बीमारी (सीओपीडी), फेफड़े का कैंसर, हृदयघात, स्ट्रोक, स्थायी दिल की बीमारी, वातस्फीति, विभिन्न प्रकार के कैंसर आदि। तंबाकू का सेवन कई रूपों में किया जा सकता है जैसे सिगरेट, सिगार, बीड़ी, मलाईदार तंबाकू के रंग की वस्तु (टूथ पेस्ट), क्रिटेक्स, पाईप्स, गुटका, तंबाकू चबाना, सुर्ती-खैनी (हाथ से मल के खाने वाला तंबाकू), तंबाकू के रंग की वस्तु, जल पाईप्स, स्नस आदि। कितने ही परिवारों की सुख-शांति ये तम्बाकू उत्पाद नष्ट कर रहे हैं। बूढ़े मां-बाप की दवा नहीं, बच्चों के लिए कपड़े-किताब नहीं, पत्नी के गले में मंगलसूत्र नहीं, चूल्हे पर दाल-रोटी नहीं, पर नशा चाहिए।

अस्पतालों के वार्ड ऐसे रोगियों से भरे रहते हैं जो अपनी जवानी नशे को भेंट कर चुके होते हैं। ये तो वे उदाहरणों के कुछ बिन्दु हैं, वरना करोड़ों लोग अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। डब्ल्यूएचओ के अनुसार धूम्रपान की लत से हर साल लगभग 60 लाख लोग मारे जा रहे हैं और इनमें से अधिकतर मौतें कम तथा मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं।

डब्ल्यूएचओ ने पनामा में एक सम्मेलन में अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो वर्ष 2030 में प्रति वर्ष धूम्रपान की वजह से मारे जाने लोगों की संख्या बढ़कर 80 लाख हो जाएगी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 92 देशों के 2.3 अरब लोगों को धूम्रपान पर किसी न किसी तरह लगाए गए प्रतिबंधों से लाभ हुआ है। मतलब साफ है कि आने वाले समय में इनमें से सबसे ज्यादा नुकसान भारत को ही होने जा रहा है। सिगरेट या बीड़ी का धुआं किसी मजहब और प्रांत को नहीं पहचानता, किसी आरक्षण या राजनीतिक झुकावों को नहीं जानता। वह किसी अमीर और गरीब में भी भेद नहीं करता, उसका सबके लिए एक ही मेसेज है, और वह है मौत। किन्तु दुर्भाग्यवश इस गलत आदत को स्टेटस सिंबल मानकर अक्सर नवयुवक एवं महिलाएं अपनाते हैं और दूसरों के सामने दिखाते हैं। धूम्रपान दरअसल एक लत है जिससे जब तक व्यक्ति दूर रहता है तब तक तो वह ठीक रहता है लेकिन एक बार यदि इसे प्रारम्भ कर दिया जाए तो इंसान को इस नशे में मजा आने लगता है। कुछ कहने-सुनने से पहले यह जान लें की धूम्रपान हर दृष्टि से हानिकारक है, जानलेवा है। धूम्रपान से रक्तचाप में वृद्धि होती है, रक्तवाहिनियों में रक्त का थक्का बन जाता है।

ऐसे लोगों में मृत्यु दर 2 से 3 गुना अधिक पाई जाती है। धूम्रपान से टीबी होता है। कई ऐसे हॉलिवुड सिंगर्स हैं जिन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि अधिक धूम्रपान करने से उनकी आवाज खराब हुई। इससे प्रजनन शक्ति कम हो जाती है। यदि कोई गर्भवती महिला धूम्रपान करती है तो या तो शिशु की मृत्यु हो जाती है या फिर कोई विकृति उत्पन्न हो जाती है।

लंदन के मेडिकल जर्नल द्वारा किये गये नए अध्ययन में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले लोगों के आसपास रहने से भी गर्भ में पल रहे बच्चे में विकृतियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉ. जोनाथन विनिकॉफ के अनुसार, गर्भावस्था के दौरान माता-पिता दोनों को स्मोकिंग से दूर रहना चाहिए। स्कूलों के बाहर नशीले पदार्थों की धडल्ले से बिक्री होती है, किशोर पीढ़ी धुए में अपनी जिन्दगी तबाह कर रही है। हजारों-लाखों लोग अपने लाभ के लिए नशे के व्यापार में लगे हुए हैं और राष्ट्र के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। चमड़े के फीते के लिए भैंस मारने जैसा अपराध कर रहे हैं। बढ़ती तम्बाकू प्रचलन की समस्या विश्व की दूसरी समस्याओं में सबसे देरी से जुड़कर सबसे भयंकर रूप से मुखर हुई है। लगता है विश्व जनसंख्या का अच्छा खासा भाग नशीले पदार्थों के सेवन का आदी हो चुका है। अगर आंकड़ों को सम्मुख रखकर विश्व मानचित्र (ग्लोब) को देखें, तो हमें सारा ग्लोब नशे में झूमता दिखाई देगा।

आतंकवाद की तरह नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए भी विश्व स्तर पर पूरी ताकत, पूरे साधन एवं पूरे मनोबल से एक समन्वित लड़ाई लड़नी होगी। वरना कुछ मनुष्यों की धमनियों में फैलता हुआ यह विष विश्व स्वास्थ्य को निगल जाएगा और लाखों-लाखों प्रयोगशालाओं में नई दवाओं का आविष्कार करते वैज्ञानिक समय से बहुत पिछड़ जाएंगे।

तम्बाकू और इस नशे के परिणामों के प्रति सचेत करने के लिए तथा विश्व की इस ज्वलंत समस्या के प्रति लोगों में भिज्ञ कराने के लिए एक दिन तम्बाकू निषेध दिवस मनाने से नशा मुक्ति की सशक्त स्थिति पैदा नहीं की जा सकती पर नशे के प्राणघातक परिणामों के प्रति ध्यान आकर्षित किया जा सकता है।

जाओ कोई उसे ढूँढ़ के लाओ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

एक प्रदर्शनकारी ने उससे कहा। बिलकुल हूँ, मैं क्या देश से अलग हूँ आपसे अलग हूँ। उसने पूरी विनम्रता से कहा। हाँ, लगती तो बिलकुल हमारी जैसी हो। आओ बैठो न हमारे साथ- लोगों ने मिलकर कहा। वह आराम से उनके बीच जा बैठी। बातचीत होने लगी।

वह सबसे बारी-बारी पूछ रही थी। जनता से क्या पूछना था, वह हमेशा से भीतर से भेड़ और बाहर से महंगाई के खिलाफ थी। विपक्षी दल से पूछा गया तो उनके एक नेता ने कहा- मैंने ही तो सबसे पहले यह मुद्दा उठायाथा। उसने सत्तारूढ़ दल से भी पूछ लिया। उन्होंने कहा- हम आजादी के बाद से ही इसके खिलाफ कटिबद्ध हैं। अतिशीघ्र हम एक बिल ला रहे हैं। सत्तारूढ़ दल विपक्ष से कम उत्साहित थोड़े न था। उसने अपने गठबंधन दलों से पूछ लिया। वे भी कौन से दूध के धुले थे। कह दिया- महंगाई को जड़ से मिटाना ही चाहिए। सबने एक स्वर से कहा। उसने किसानों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। जवानों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। पुलिस से पूछा, वह भी खिलाफ़ थी। उसने चोर, डाकुओं, लुटेरों से पूछा, वे भी खिलाफ थे। उसने पेट्रोल से पूछा, वह भी खिलाफ था। उसने डीजल से पूछा, वह भी खिलाफ़ था। उसने गैस सिलेंडर से पूछा, वह भी खिलाफ था। मुद्रा से पूछा, वह भी खिलाफ थी। क्या ठोस, क्याद्रव्य, क्या गैस सारा देश महंगाई के खिलाफ धरने पर था। कमाल का माहौल दिख रहा है! वह बुदबुदाया। आप भी आइए न बहिन जी, क्या आप महंगाई के खिलाफ नहीं हैं।

एक प्रदर्शनकारी ने उससे कहा। बिलकुल हूँ, मैं क्या देश से अलग हूँ आपसे अलग हूँ। उसने पूरी विनम्रता से कहा। हाँ, लगती तो बिलकुल हमारी जैसी हो। आओ बैठो न हमारे साथ- लोगों ने मिलकर कहा। वह आराम से उनके बीच जा बैठी। बातचीत होने लगी। उसने कुछ नए नारे भी बनाए। थोड़ी ही देर में लगने लगा कि वह उनसे अलग कभी थी ही नहीं। आपका नाम क्या है बहिन जी? यूँ ही किसी ने पूछ लिया। महंगाई उसने, निडर होकर जवाब दिया। पहले तो किसी ने ध्यान न दिया। क्या एकाएक कोई चौंका। यह वक्त इन बातों को सोचने का नहीं कि कौन क्या है, हर किसी का समर्थन कीमती है- किसी ने भीड़ में से कहा और बहस शुरु हो गई। नहीं-नहीं, ऐसा कैसे हो सकता है? निकालो इस कुलक्षणा को यहाँ से- रोष से जिसने यह कहा था वही हैरानी से बोला- अरे! पर वह गयी कहाँ? अभी तो यहीं थी! मैंने अभी उसे विपक्षी दल के पास बैठे देखा था- सत्ता दल के एक नेता ने कहा। ऐसा कैसे हो सकता है!

बिलकुल अभी मैंने उसे मंच पर देखा- विपक्षी नेता आँखें दिखाते हुए कहने लगा। पागल हो गए हो क्या? वह गठबंधनधारियों के बीच है, जाकर पकड़ो उसे।

ठेकेदारों ने कहा। ये ठेकेदार बड़े धूर्त होते हैं। अपना दोष हमेशा दूसरों के मत्थे गढ़ देते हैं- गठबंधन के एक नेता ने कहा। अभी तो मैंने उसे मीडिया में देखा- चोरों ने कहा। ओफ्फो, कहाँ छुप गयी जाकर। उसे कैसे ढूँढ़ा जाए? उस कोने में जाते हैं तो इस कोने में दिखाई देती है। इस कोने में आते हैं तो न जाने कहाँ गायब हो जाती है! पर इतना तो पक्का है कि वह है हमारे ही बीच। सामने तो कहीं दिख नहीं रही- पुलिस ने कहा।

मां अभी ज़िंदा है

छोटा बेटा कर्तव्य अपनी बयासी साल की वृद्ध मां की सेवा को ही अपना धर्म समझता था। मातृदेवो भव: यही उसका जीवन मंत्र था।

बड़ा बेटा भाविक अपने परिवार समेत पास की सोसाइटी में ही रहता था। मां हर रोज़ अपने बेटे-बहू और बच्चों को याद किया करती। आखिर मां जो है! लेकिन उनके चेहरों को देखना मां के नसीब में........।

आज़ भाविक चार-धाम की यात्रा करके मां से मिलने आया है। मां- बेटे, हर रोज़ तुम्हें, बहू और बच्चों को याद किया करती हूं। आज लगभग दो महीने बाद तुम्हारा चेहरा देखने को मिला। अब मेरे शरीर का कोई भरोसा नहीं।

इतना बोलकर मां गहरी नींद में सो गई और खर्राटे लेने लगी।

भाविक- कर्तव्य, आज़ ब्रह्म-भोजन है। क्या तुम्हारे यहां न्योता आया है? जमींदार बादल सिंह आज़ अपने पितरों के पीछे ब्रह्म-भोजन करवा रहे हैं। हमारी पूरी ब्राह्मण बिरादरी को न्योता दिया है।

कर्तव्य- हां, कल एक लड़का निमंत्रण पत्र दे गया है।

भाविक- मां के जाने के बाद हमें भी पूरी ब्राह्मण बिरादरी को भोजन करवाना होगा। हम पांच भाई हैं। खूब कमाते हैं। लोग कहेंगे कि पांचों लड़के इतना कमाते हैं, फ़िर भी मां के पीछे ब्रह्म-भोजन नहीं करवाया। लोग बातें करेंगे।

कर्तव्य मन ही मन- मा के जीते जी उनके पीछे ब्रह्म- भोजन करवाने की बात कहां तक उचित है? भगवान से यही प्रार्थना करता हूं कि मां सौ वर्ष की आयु पूरी करें और बड़ी धूमधाम से उनका जन्म शताब्दी महोत्सव मनाऊं।

भाविक- कर्तव्य किस सोच में पड़ गए?

बड़े भाई भाविक की मां के प्रति भावशून्यता और संवेदनहीनता को देखकर कर्तव्य को बड़ा आघात पहुंचा। अपने आंसुओं को रोक लिया और इतना ही बोल पाया- भैया, मां अभी जिंदा है।

बढ़ती आधुनिक सुविधाएं - गिरता स्वास्थ्य

बढ़ती आधुनिक सुविधाओं से गिरता मानवीय स्वास्थ्य और बदलते स्वभाव को रेखांकित करना ज़रूरी

बढ़ती आधुनिक सुविधाओं पर निर्भरता के साथ शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना समय की मांग - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में सुविधाओं, सरलताओं, उपायों की ऐसी झड़ी लग गई है कि आज मानवीय जीवन इन सुविधाओं का पंगु बन गया है!! स्थिति यहां तक हो गई है कि एक छोटे से केलकुलेटर, कंप्यूटर, वाहन जैसी सुविधाओं के बिना जीवन थम सा जाता है क्योंकि हम इसके आदि हो चुके हैं!! हम आज चार कदम आगे पैदल नहीं जाना चाहते छोटे छोटे कैलकुलेशन करना है तो केलकुलेटर, कंप्यूटर के बिना हम नहीं कर पाते हमें मनन चिंतन करना जरूरी है कि हमारे स्वास्थ्य पर कितना विपरीत प्रभाव पड़ रहा है इस आधुनिक जीवन शैली में हमनें अपने शरीर की फिक्र करना छोड़ दिए हैं जिससे अपेक्षाकृत अधिक बीमारियों से अब हम ग्रस्त हुए हैं

साथियों बात अगर हम पुराने जमाने की करें तो हम कई किलोमीटर पैदल और साइकल से जाते थे, ऑफिशियल व्यवहारिक, सामाजिक, घरेलू और दैनिक जीवन के कई कार्य हम मानवीय काया से ही भरपूर लेते थे जिससे यह हमारा मानवीय शरीर जो कि एक जटिल प्राकृतिक मशीन है सुचारू रूप से कार्य संचालन में होता था, खानपान उस तरह के थे जो हमारे शरीर को तत्वों से भरपूर पौष्टिकत देते थे जिसका स्थान आज जंक फूड ने ले लिया है!! हम जब छोटे थे तो घर के आंगन, मोहल्ले, कॉलोनियों में दिनभर खेलते कूदते रहते थे, आज समय ऐसा आ गया है कि बच्चे दिनभर स्कूल कार्य या मोबाइल एप्स से खेलते हैं और घर ही बैठे रहते हैं अपना समय निकालते हैं, मम्मीयां उन्हें बाहर खेलने जाने के लिए विनंतीयां तक करती है परंतु बच्चा बाहर जाने की बचाए कंप्यूटर गेम, मोबाइल गेम में ही बिजी रहता है जिससे आज स्वास्थ्य पर और स्वभाव पर असर होना स्वाभाविक है।

साथियों बात अगर हम इस प्राकृतिक मानवीय शरीर की करें तो, हमारा शरीर एक जटिल मशीन है। यह अपने पोषण के लिए पूरी तरह से प्रकृति पर निर्भर है। जैसे-जैसे हम रोजाना काम करते हैं और अपनी दिनचर्या करते हैं, वैसे-वैसे हमारे शरीर के तत्वों को टूट-फूट का सामना करना पड़ता है। इस बर्तन और आंसू को शरीर के तत्वों की अच्छी गुणवत्ता और मात्रा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है। अगर इन शरीर तत्वों को अच्छी गुणवत्ता और तत्वों की मात्रा से बदल दिया जाए तो हमारा शरीर स्वस्थ हो जाता है और हमारे शरीर में कोई सप्ताह का लूप नहीं रहता है। लेकिन अगर शरीर के इन तत्वों को अच्छी गुणवत्ता और मात्रा से नहीं बदला जाता है, तो हमारे शरीर में वीक लूप रह जाते हैं और वह हिस्सा हमारे शरीर में तनाव और विकृति पैदा करने लगता है। यह तनाव की शुरुआत है।

साथियों बात अगर हम आधुनिक जीवन शैली की करें तो, आधुनिक जीवन शैली ने लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डाला है। कम मेहनत और चिकनाई युक्त भोजन लोगों को अस्वस्थ बना दे रहा है। अस्पताल में सुविधाओं की कमी नहीं है फिर भी रहन सहन में लापरवाही के कारण ओपीडी में मरीजों की संख्या रोजाना बढ़ रही है। अस्पताल के चिकित्सकों का कहना है। साथियों खुद को स्वस्थ्य रखने के लिए लोग अनेक प्रकार के नुस्खे अपना रहे हैँ। कोई योग तो कोई व्यायाम और कोई मार्निंग वॉक कर फिट रहने का प्रयास करता है। इसके बावजूद लोग पूरी तरह से स्वस्थ नहीं रह पा रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सब कुछ के बावजूद दिनचर्या का अनियमित होना लोगों के बीमार रहने का प्रमुख कारण है। न तो समय पर नाश्ता हो रहा है और न ही किसी को समय पर खाना खाने की फुर्सत है लिहाजा बीमारियां शरीर को घेर रही हैं, वे आधुनिक जीवन शैली को अस्वस्थता का प्रमुख कारण मानते हैं। कहते हैं देर रात तक जागना और देर तक सोना भी अपने आप में बीमारी के लक्षण पैदा करते हैं।

हमें चाहिए कि हम इस आधुनिक युग में आधुनिक जीवन शैली के साथ ठीक समय पर जागे, ठीक समय पर व्यायाम करें, ठीक समय पर भोजन करें, पढ़ाई करें, खेलकूद करें और ठीक समय पर ही विश्राम करें। हमारी जीवनशैली एकदम ठीक होना चाहिए तभी हम अपने आप को सुखी रख पाएंगे तभी हम जीवन में सफल हो पाएंगे और स्वस्थ रह पाएंगे।

साथियों बात अगर हम आधुनिक सुविधाओं से लाभ हानि की करें तो, सुविधाजनक प्रक्रियाएं, उत्पाद और सेवाएं वे हैं जिनका उद्देश्य पहुंच में आसानी बढ़ाना, संसाधनों को बचाना (जैसे समय , प्रयास और ऊर्जा) और निराशा को कम करना है। एक आधुनिक सुविधा एक श्रम -बचत उपकरण, सेवा या पदार्थ है जो किसी कार्य को पारंपरिक पद्धति की तुलना में आसान या अधिक कुशल बनाती है। सुविधा एक सापेक्ष अवधारणा है, और संदर्भ पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, ऑटोमोबाइल को कभी एक सुविधा माना जाता था, फिर भी आज इसे जीवन का एक सामान्य हिस्सा माना जाता है।

तकनीक तो ठीक, लेकन इंटरनेट के उपयोग से शिक्षा सहित चिकित्सा, विज्ञान से लेकर ऑनलाइन बैंकिंग, ई कॉमर्स, एम कॉमर्स सुविधा, संचार और मनोरंजन, डाटा शेयरिंग तथा ऑनलाइन बुकिंग जैसे अनेक क्षेत्रों में सर्च इंजन की सहायता से रोजगार के अवसर बढ़े हैं। ऐसे में आज देश-दुनिया के लाखों लोग, छोटे बच्चों और युवाओं सहित इंटरनेट के साथ फेसबुक, ट्विटर, मीडिया प्लेयर और कंप्यूटर गेम जैसी अनेक सुविधाओं से लैस हो गए हैं। सरकार भी घर-घर से इसे जोडऩे में दिलचस्पी ले रही है। लेकिन ऑनलाइन गेम, मुवी, गाने आदि ने पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की दिनचर्या भी बिगाड़ दी है।

जिंदगी गुलामी में नहीं

सफर में धूप तो बहुत होगी तप सको तो चलो,
भीड़ तो बहुत होगी नई राह बना सको तो चलो।
माना कि मंजिल दूर है एक कदम बढ़ा सको तो चलो,
मुश्किल होगा सफर, भरोसा है खुद पर तो चलो।
हर पल हर दिन रंग बदल रही जिंदगी,
तुम अपना कोई नया रंग बना सको तो चलो।
राह में साथ नहीं मिलेगा अकेले चल सको तो चलो,
जिंदगी के कुछ मीठे लम्हे बुन सको तो चलो।
महफूज रास्तों की तलाश छोड़ दो धूप में तप सको तो चलो,
छोटी-छोटी खुशियों में जिंदगी ढूंढ सको तो चलो।
यही है ज़िन्दगी कुछ ख़्वाब चन्द उम्मीदें,
इन्हीं खिलौनों से तुम भी बहल सको तो चलो।
तुम ढूंढ रहे हो अंधेरो में रोशनी ,खुद रोशन कर सको तो चलो,
कहा रोक पायेगा रास्ता कोई जुनून बचा है तो चलो।
जलाकर खुद को रोशनी फैला सको तो चलो,
गम सह कर खुशियां बांट सको तो चलो।

शार्ट न्यूज

अमरोहा : गंगा में नहाने गए भाई-बहन समेत सात लोग डूबे, एक की मौत

अमरोहा। अमरोहा के बृजघाट गंगा में नहाते समय भाई-बहन समेत सात लोग डूब गए। भीड़ के शोर मचाने पर गोताखोरों ने छह लोगों को बमुश्किल सकुशल बाहर निकाल लिया, जबकि एक युवक की मौत हो गई। करीब तीन घंटे की तलाश के बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका। युवक की मौत के बाद से उसके परिवार में कोहराम मचा है। दिल्ली के कौशिकपुरी सीलमपुर निवासी गौरव भारद्वाज अपने परिवार के साथ सोमवार को गंगा स्नान करने के लिए बृजघाट आया था। उसके मामा का बेटा अमन तथा बेटी पिंकी भी साथ थे। तीनों गंगाघाट के किनारे स्नान कर रहे थे। इसी बीच अठखेलियां करते हुए तीनों गहरे पानी में चले गए। तीनों डूबने लगे तो आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचा दिया। गोताखोर मौके की ओर दौड़े। पिंकी और अमन को काफी प्रयास के बाद बाहर निकाला गया जबकि गौरव पानी में डूब गया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उसके शव को बाहर निकाला। गौरव की मौत की जानकारी से बाद उसके परिवार में कोहराम मच गया। इसके अलावा गौतमबुद्ध नगर जिले के दादरी निवासी विकास, मेरठ के मेडिकल कालेज निवासी आदित्य राज और हापुड़ निवासी प्रिया भी नहाते समय पानी में डूब गए। मोटरबोट से श्रद्धालुओं की निगरानी कर रही पीएसी टीम ने उन्हें सकुशल बाहर निकाला।

बदायूं : आपसी झगड़े के बाद पति ने गोली मारकर की पत्नी की हत्या

बदायूं। बदायूं में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर आपसी विवाद को लेकर अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि सिविल लाइंस क्षेत्र के मिचौना की मड़ैया गांव निवासी प्रमोद कुमार ने रविवार रात अपनी पत्नी माधुरी (21) को कथित रूप से आपसी विवाद को लेकर गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। माधुरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने प्रमोद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह के मुताबिक, माधुरी अपने चचेरे देवर के साथ हिमाचल प्रदेश चली गई थी और उसी के साथ रहना चाहती थी। उन्होंने बताया कि प्रमोद कुछ दिन पहले ही माधुरी को वापस ले आया था और उसे उसकी बुआ के घर बादशाहबाद में छोड़ दिया था। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, माधुरी के पिता ने बताया कि प्रमोद रविवार रात तमंचा लेकर माधुरी के पास पहुंचा और उसकी बुआ के सामने ही उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, कानपुर के दंपति की मौत

इटावा। इटावा में नेशनल हाईवे पर बकेवर के पास कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने से कानपुर रिजर्व बैंक के सहायक प्रबंधक व उनकी पत्नी की मौत हो गई। दोनों लोग कार से आगरा रिश्तेदारी से लौट रहे थे। हादसे की जानकारी पर परिजन रोते बिलखते पहुंचे। कानपुर के तिलक नगर के रहने वाले शिवपाल आरबीआई कानपुर में सहायक प्रबंधक थे। वह रविवार को अपनी पत्नी कुसुमादेवी के साथ कार से आगरा रिश्तेदारी में हुई गमी में गए थे। पति-पत्नी सोमवार तड़के कानपुर लौट रहे थे कि तभी हाईवे पर बकेवर के सुनवर्षा के पास कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार सवार दोनों को जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उनके पास से मिले वोटर कार्ड और बैंक के आईडी कार्ड से शिनाख्त हुई। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजन रोते-बिलखते यहां पहुंचे। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सत्यपाल सिंह ने बताया कि इटावा-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बकेबर क्षेत्र में कानपुर से इटावा आ रही एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार में सवार कानपुर के तिलक नगर निवासी शिवपाल (57) और उनकी 48 वर्षीय पत्नी सुषमा की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

विकास दुबे केस : ऋचा की सम्पत्ति का विवाद पहुंचा हाईकोर्ट, प्रशासन आज दाखिल करेगा कैविएट

कानपुर। दुर्दांत अपराधी विकास दुबे की पत्नी की शास्त्री नगर मतैयापुरवा स्थित संपत्ति का मामला हाईकोर्ट चला गया है। अब प्रशासन हाईकोर्ट में सोमवार को जवाब और कैविएट दाखिल करेगा, जिससे स्टे न मिल सके। विकास दुबे और उसके करीबी रिश्तेदारों की 12 संपत्तियां सील हो चुकी हैं। शास्त्रत्त्री नगर स्थित मतैयापुरवा की जमीन पर फैक्टरी चल रही है। प्रशासन ने उसे भी सील करने के लिए नोटिस जारी किया था। इसी बीच फैक्टरी मालिक संजय ने हाईकोर्ट में जमीन को सील करने के खिलाफ अर्जी डाल दी। इस पर हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन से कार्रवाई को लेकर सवाल किया है। सोमवार को जवाब दाखिल करना है डीएम नेहा शर्मा ने बताया कि हाईकोर्ट को प्रशासन की पूरी कार्रवाई से अवगत कराया जाएगा। तहसीलदार बिल्हौर खुद जाकर हाईकोर्ट को पूरी स्थिति बताकर जवाब दाखिल करेंगे। इसके साथ ही कैविएट भी दाखिल की जाएगी, जिससे स्टे न मिल सके।

कानपुर में वक्फ की जमीन पर खड़ी हो गई बहुमंजिला इमारतें, हाईकोर्ट पहुंचे मुतवल्ली

कानपुर। कानपुर के मुख्य स्थानों पर स्थित वक्फ की जमीन पर कई बहुमंजिला इमारतें तन गई हैं। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के निर्देश भी स्थानीय स्तर पर अनसुने कर दिए गए। मुतवल्ली को आखिर में हाईकोर्ट का सहारा लेना पड़ा। अदालत ने अपर सर्वे वक्फ आयुक्त को छह माह में बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के निर्देशों का पालन करने के आदेश किए हैं। वक्फ संख्या 82, म्योर मिल खलवा, मस्जिद अकाब के मुतवल्ली (मकान नंबर 14-119) मोहम्मद जफर ने वक्फ स्थल पर अवैध निर्माण की जानकारी उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड को दी थी। इसके बाद बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जिलाधिकारी/अपर सर्वे आयुक्त को पत्र लिख कर शिकायत के आधार पर अवैध कब्जों की पैमाइश कर आख्या देने के आदेश किए थे। बोर्ड के सीईओ की ओर से भेजे गए आदेश का पालन न होने पर मुतवल्ली हाईकोर्ट चले गए। अदालत से कहा कि वक्फ की संपत्ति पर अवैध निर्माण हो गए हैं। इस बारे में सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अपर सर्वे वक्फ आयुक्त को निर्देश दिए थे लेकिन पैमाइश नहीं हो सकी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि एडिश्नल सर्वे वक्फ कमिश्नर/ जिलाधिकारी को छह माह के अंदर सीईओ के स्तर से मांगी गई सभी आवश्यक जानकारियां देनी होंगी। मुतवल्ली ने बताया कि वक्फ जमीन पर दर्जनों इमारतें बन गई हैं। इनका किराया भी नहीं दिया जा रहा है। ये भवन किसी के स्वामित्व में नहीं हो सकते। स्थानीय प्रशासन यह कहते हुए हाथ खड़े कर लेता है कि यहां पैमाइश करना भीमुश्किल है।

जयंत चौधरी ने राज्यसभा की सदस्यता के लिये नामांकन किया

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने राज्य सभा की रिक्त हो रही सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव के लिये सोमवार को सपा रालोद गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल कर दिया। उत्तर प्रदेश से राज्य सभा की रिक्त हो रही 11 सीटों पर 10 जून को होने वाले चुनाव के लिये चौधरी ने विधान सभा में नामांकन किया। नामांकन के समय सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अन्य नेता मौजूद थे। नामांकन के बाद चौधरी ने गठबंधन का उम्मीदवार बनाने के लिये अखिलेश के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, मुझ पर भरोसा कर राज्य सभा का उम्मीदवार बनाने के लिये मैं अखिलेश का आभारी हूं। उन्होंने कहा कि वह संसद के उच्च सदन में उत्तर प्रदेश के जनहित से जुड़े मुद्दों को उठायेंगे। गौरतलब है कि विधान सभा में दलगत स्थिति को देखते हुए राज्य सभा की चुनाव वाली 11 सीटों में से सपा के तीन और भाजपा के सात उम्मीदवारों का जीतना तय है। सपा ने जयंत के अलावा पार्टी के पूर्व राज्य सभा सदस्य जावेद अली खान को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस के पूर्व वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में समर्थन दिया है।

ज्ञानवापी मामला: दोनों पक्षों को मिलेगी वीडियो फुटेज और फोटो, शपथपत्र मांगा गया, सुनवाई 4 जुलाई तक टली

वाराणसी। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में सोमवार को दो अदालतों में सुनवाई हुई। जिला जज और सिविल जज की फास्ट ट्रैक कोर्ट में दो अलग-अलग मुकदमों में सुनवाई के बाद गर्मी की छुट्टी तक के लिए मामला टाल दिया गया है। मस्जिद के सर्वे की वीडियो फुटेज और फोटोग्राफ भी दोनों पक्षों को मिलेंगे। अदालत ने सर्वे रिपोर्ट के साथ ही वीडियो और फोटो देने से पहले शपथ पत्र मांगा है। शपथपत्र में इस बात का जिक्र है कि वीडियो और फोटो को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

इससे पहले मुकदमे की वैधता पर मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलीलें जारी रखीं। लगातार दो घंटे तक अदालत ने दलील सुनने के बाद समय कम होने के कारण मामले को टाल दिया है। अब चार जुलाई को अदालत इसे सुनेगी। उस दिन भी मुस्लिम पक्ष अपनी दलील जारी रखेगा।

कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष के दावे पर आपत्तियां दर्ज कराईं। आज केवल 13 से 39 पैरा तक पर ही बहस हो सकी। मां श्रृंगार गौरी से संबंधित मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है, इस दावे के साथ मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता ने अपनी दलीलें पेश कीं। मुस्लिम पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद के अंदर कथित तौर पर पाए गए शिवलिंग और उनकी पूजा करने के दावे पर आपत्ति जताई।

मुस्लिम पक्ष ने 1937 के दीन मोहम्मद बनाम राज्य सचिव के मुकदमे का फैसला पढ़ा। कहा कि अदालत ने मौखिक गवाही और दस्तावेजों के आधार पर फैसला किया था कि यह पूरा परिसर (ज्ञानवापी मस्जिद परिसर) मुस्लिम वक्फ का है और मुसलमानों को इसमें नमाज अदा करने का अधिकार है। मुस्लिम पक्ष ने दावा किया कि मां श्रृंगार गौरी का मुकदमा प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट-1991 का उल्लंघन है।

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने संवाददाताओं को बताया कि जिला न्यायाधीश एके विश्वेश की अदालत में केस के औचित्य संबंधी याचिका पर मुस्लिम पक्ष की जिरह जारी रही और उसके मुकम्मल होने से पहले ही अदालत का समय समाप्त हो गया। इसके बाद अदालत ने कहा कि वह अब इस मामले को एक जून से शुरू होने वाली गर्मियों की छुट्टी के बाद चार जुलाई को सुनेगी। जैन ने बताया कि अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि परिसर की वीडियोग्राफी सर्वे की रिपोर्ट मामले के सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जाएगी। मगर इसके लिए क्या शर्तें होंगी वह अदालत ही बताएगी।

गौरतलब है कि दिल्ली निवासी राखी सिंह तथा पांच अन्य महिलाओं ने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर में श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा अर्चना करने और विभिन्न विग्रहों की सुरक्षा से संबंधित एक याचिका दायर की थी। इस मामले में सिविल जज (सीनियर डिविजन) रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने पिछले 26 अप्रैल को परिसर की वीडियोग्राफी सर्वे कराने के आदेश दिए थे। इस सर्वे की रिपोर्ट पिछली 19 मई को अदालत में पेश की गई थी। सर्वे के दौरान हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद के वजू खाने में शिवलिंग मिलने का दावा किया था जिसे मुस्लिम पक्ष ने खारिज करते हुए कहा था कि वह शिवलिंग नहीं बल्कि फव्वारा है।

इसी बीच उच्चतम न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष की एक याचिका पर मामले को जिला जज की अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। मुस्लिम पक्ष ने जिला अदालत में अर्जी देकर कहा था कि यह मामला उपासना स्थल कानून के प्रावधानों के खिलाफ है लिहाजा यह सुनवाई किए जाने योग्य ही नहीं है। अदालत ने सोमवार को इसी मामले पर सुनवाई की।

मुस्लिमों का प्रवेश रोकने पर सुनवाई आठ जुलाई तक टली

ज्ञानवापी में मुस्लिमों का प्रवेश रोकने और हिन्दुओं को पूजा का अधिकार देने के मामले में दायर याचिका पर भी सुनवाई टल गई है। अब इस याचिका पर भी सुनवाई गर्मी की छुट्टियों के बाद 8 जुलाई को होगी। किरण सिंह बिसेन की याचिका पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहले सोमवार की सुबह सुनवाई हुई। अदालत ने पहले शाम 4 बजे तक के लिए मामले को टाल दिया। चार बजे अदालत फिर बैठी और आठ जुलाई तक सुनवाई टाल दी गई।

वादी पक्ष के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में अपनी दलीलें पेश कीं। वहीं, मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता ने अपना वकालतनामा दायर किया। अदालत ने हिंदू पक्ष को प्रतिवादियों को मुकदमे की प्रति उपलब्ध कराने को कहा है। हिंदू पक्ष ने अदालत से सनातन धर्मियों को ज्ञानवापी मस्जिद में प्रवेश करने और वहां मौजूद आदि विश्वेश्वर की पूजा करने की अनुमति देने की मांग करते हुए अंतरिम राहत की मांग की है।

तीन और लोगों ने दी याचिका

ज्ञानवापी से जुड़े मामले में सोमवार को तीन और लोगों ने याचिका दी है। प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लॉर्ड विश्वेश्वर के वाद मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी ने जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दिया है। उनकी मांग है कि मां श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामले से संबंधित मुकदमे में उन्हें भी पक्षकार बनाया जाए। वहीं, निर्मोही अखाड़े ने भी याचिका दी है। ज्ञानवापी में दर्शन-पूजन और हिंदुओं के अधिकार को लेकर यह याचिका दी गई है। इसमें निर्मोही अखाड़े को पक्षकार बनाए जाने की मांग की गई है। उधर, केंद्रीय ब्राह्मण महासभा की ओर से फास्ट ट्रैक कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दिया गया है। इसमें ज्ञानवापी में पाए गए कथित शिवलिंग की पूजा करने का अधिकार मांगा गया है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की घोषणा

मेडिकल कॉलेज विहीन 27 में से 16 जिलों में शुरू हुई प्रक्रिया

लखनऊ। पिछले साल एक साथ कई मेडिकल कॉलेजों का शुभारंभ पीएम मोदी ने सीएम योगी की मौजूदगी में किया था। यूपी के अभी 75 में से 27 जिलो में कोई मेडिकल कॉलेज नहीं है। इन 27 में से 16 जिलों में भी मेडिकल कॉलेज खोलने की शुरुआत हो चुकी है। यूपी के स्वास्थ्य मंत्री और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इस बात की घोषणा सोमवार को विधानसभा में की।

उत्तर प्रदेश की विधानसभा में सोमवार को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि राज्य के 27 जिलों में कोई राजकीय या निजी मेडिकल कॉलेज नहीं हैं। इनमें से दो जिलों में मेडिकल कॉलेज संचालन के लिए निजी क्षेत्र के साथ समझौता किया गया है और 14 जिलों में पीपीपी (निजी सार्वजनिक भागीदारी) मोड पर कार्यवाही प्रक्रिया में है। विधानसभा में सोमवार को प्रश्नकाल के दौरान बहुजन समाज पार्टी के नेता उमाशंकर सिंह ने यह जानना चाहा कि प्रदेश के जिन जिलों में राजकीय मेडिकल कालेज नहीं है, क्या वहां राजकीय मेडिकल कॉलेज स्थापित करने पर सरकार विचार करेगी। इस प्रश्न के उत्तर में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रदेश के 27 जिलों में राजकीय मेडिकल कालेज नहीं खोले जा सके है। पाठक ने बताया कि इनमें 16 असेवित जिलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापित किये जाने का निर्णय किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके सापेक्ष दो जिलों में प्राइवेट पार्टनर चिन्हित कर कन्सेशन एग्रीमेंट हस्ताक्षरित हो गये है, तथा शेष 14 जिलों में कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

कुशीनगर : अशोगवां में गरजा बुलडोजर, दो मंजिला मकान ध्वस्त

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में फाजिलनगर में प्रभावशाली लोगों की अवैध संपत्तियों को स्थानीय प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। स्थानीय प्रशासन की ओर से सोमवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक फाजिलनगर में पटहेरवा थाना क्षेत्र के अशोगवां गांव में राजस्व अभिलेखों में दर्ज पोखरी पर बने अवैध निर्माण कार्य को बुलडोजर से ढहा दिया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक गांव के पोखर पर स्थानीय निवासी कृपाशंकर सिंह, हरेंद्र सिंह, रमाशंकर सिंह व उमेश सिंह पुत्रगण चंद्रिका सिंह के द्वारा अवैध अतिक्रमण कर दो मंजिला मकान बनवा लिया गया था। तहसीलदार कसया, मान्धाता प्रताप सिंह, राजस्व व पुलिस टीम के साथ अशोगवां गाव पहुंचे, और दो मंजिला मकान को बुलडोजर से ध्वस्त करा कर पोखर को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। तहसीलदार ने कड़े तेवरो के साथ चेतावनी दी है कि तहसील क्षेत्र में या तो अवैध अतिक्रमण करने वाले खुद अवैध कब्जा छोड़े, नही तो तहसील प्रशासन सख्ती के साथ अवैध अतिक्रमण को खाली करायेगा।

झांसी में अधेड़ की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, आरोपी युवक गिरफ्तार

झांसी। झांसी के मोंठ थानाक्षेत्र में सोमवार को एक व्यक्ति की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि मोंठ थाना क्षेत्र में रावतियाना शाहपुर बस स्टैंड के पास निवासी सुम्मा आदिवासी (50) की हत्या के संबंध में आज सुबह सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर मृतक के पुत्र राजेश आदिवासी से की गई पूछताछ में उसने बताया कि उसके पिता का 5-6 दिन पहले पड़ोसी संतोष आदिवासी से झगड़ा हुआ था। पुलिस ने जब संतोष के घर जाकर जानकारी लेनी चाहिए तो खून के निशान आरोपी के घर तक मिले। तलाशी में संतोष के घर से खून लगी हुई कुल्हाड़ी बरामद हुई। कुल्हाड़ी को धोकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया गया था।

घटना की जानकारी होने पर वरष्ठि पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवहरि मीणा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण (एसपीआरए) नैपाल सिंह तथा अन्य अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के लिए पुलिस के साथ फोरेंसिक की टीम और डॉग स्कवॉड भी मौके पर पहुंचे। आरोपी की धरपकड़ के लिए तुरंत ही टीम बनाकर रवाना कर दी गई।

एसएसपी ने बताया कि मोंठ थाना क्षेत्र में सुम्मा आदिवासी की हत्या की सूचना पुलिस को मिली थी। अवैध संबंधों के संदेह में हत्या की बात बतायी गयी। मौके मुआयना के बाद मृतक के पुत्र ने आरोपी के बारे में बताया। इसके बाद आरोपी के घर से हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी बरामद कर ली ई।

सदन के बाद सड़क से भी अखिलेश का योगी सरकार पर हमला

जाति देखकर हो रही कुलपतियों की नियुक्ति

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सदन से लेकर सड़क तक योगी सरकार पर कई हमले किये। विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान सरकार को घेरने के बाद बाहर आने पर अखिलेश ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जाति देखकर यूपी में कुलपतियों की नियुक्ति हो रही है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि सरकार मुद्दों से भटकाने का काम कर रही है। आम लोगों से जुड़े मामलों पर जवाब नहीं दिया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब बजट बढ़ा है तो सरकार को विभागों में भी खर्च ज़्यादा करना चाहिए। बिजली भी लगातार महंगी होती जा रही है। बिजली विभाग

आज फिर 70,000 करोड़ रुपए के घाटे में पहुंच गया है। योगी सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति जाति के आधार पर हो रही है। इन सब सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए।

इससे पहले विधानसभा में अखिलेश यादव ने वित्त मंत्री से सवाल पूछते हुए कहा कि अयोध्या में किसानों के साथ कुछ अच्छा नहीं हुआ। सपा सरकार किसानों के लिए बहुत काम किया है। सपा सरकार में सर्किल रेट बढ़ाए गए थे। सर्किल रेट बढ़ा होता तो किसानों से जल्दी जमीन मिलती। किसानों को धान की कीमत क्यों नहीं दिला पाई सरकार? सरकार बताएं कितने किसानों को धान की कीमत मिली।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह बजट नहीं बंटवारा है। अखिलेश ने कहा कि बिजली विभाग के बजट में कोई ग्रोथ नहीं है। सड़कों पर काम नहीं हो रहा है। सड़कों के लिए केंद्र पैसा क्यों नहीं ले रहे हैं। इटावा और फिरोजाबाद कारोबार के लिए कितना बजट है? आगरा के लेटेस्ट प्रोडक्ट के लिए कितना बजट रखा? अखिलेश ने कहा कुशीनगर को हमारी सरकार ने हवाई अड्डे के लिए बजट दिया था। अयोध्या का एयरपोर्ट अभी तक नहीं बना। अखिलेश ने कहा कि अगर जिलों में एयरपोर्ट बन जाते तो आज बाहर से आने वालों को लखनऊ में नहीं उतरना पड़ता।

अखिलेश यादव ने विधानसभा में बजट को लेकर कई सवाल खड़े किए। अखिलेश यादव ने कहा कि विभाग के खर्च करने की कैपेसिटी कितनी है? आपकी स्मार्ट सिटी का क्या हुआ? सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए क्या किया?

स्वच्छ भारत का सपना दिखाया और शहरों में गंदगी की भरमार है। अखिलेश ने कहा कि युमना नदी, काली नदी, गंगा नदी के लिए क्या किया। हमारी सरकार ने वरुणा नदी के लिए काम किया।

पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियों और उनके समाधान पर हुआ मंथन

- कुरीतियों से लड़कर जनता की आवाज उठाता है पत्रकार: जनरल वी.के. सिंह
- केन्द्र की बीमा योजनाओं का लाभ लें पत्रकार: प्रो. एस.पी. सिंह बघेल

मथुरा। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया, उ.प्र. जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन व ब्रज प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 30 वां पत्रकारिता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। महामंडेश्वर डा. अवशेषानन्द जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित हुए इस समारोह में केन्द्रीय केन्द्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं विमानन नागर राज्यमंत्री जनरल डॉ. विजय कुमार सिंह व केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी सिंह बघेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इनके अलावा नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी पूर्व विधायक व वरिष्ठ पत्रकार रूप चौधरी, उ.प्र. बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डा. देवेन्द्र शर्मा, व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रविकान्त गर्ग, समाजसेवी व भाजपा नेता पं.शोभाराम शर्मा, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी, राजीव ब्रजवासी, पब्लिक एशिया के प्रधान संपादक मुकेश वत्स, जी न्यूज डिजीटल के एडिटर अभिषेक मल्होत्रा,वरिष्ठ पत्रकार मोहन स्वरूप भाटिया और ए.एस. देशभक्त विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। पत्रकारिता दिवस समारोह का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि जनरल वी.के. सिंह और प्रो. एस.पी.सिंह बघेल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण कर किया। एनयूजेआई के राष्ट्रीय सचिव उपजा के प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. कमलकान्त उपमन्यु एडवोकेट ने सभी अतिथियों का पटका उढ़ाकर व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में जनपद भर से आए प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया के पत्रकारों व नगर के गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए केन्द्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल ने लोकतंत्र के चारों स्तंभों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समय के साथ हर क्षेत्र में बदलाव आया है और कठिनाईयां भी बढ़ी हैं, मगर इनसे हताश व निराश होने की बजाए आत्ममूल्यांकन व समय के साथ खुद को लगातार अपडेट करते रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मीडिया इस दौर में संवाद का वेहद सशक्त माध्यम है, जिसकी विश्वसनीयता कायम रखना इस कार्य से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। केन्द्रीय राज्यमंत्री प्रो. बघेल ने माना कि सक्रिय पत्रकारिता कर रहे लोगों को काफी जटिलताओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने केन्द्र सरकार द्वारा लाई गई बीमा योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि विशेषकर पत्रकारों व अन्य लोगों को भी इनका लाभ लेना चाहिए। मुख्य अतिथि केन्द्रीय सड़क परिवहन व नागर विमानन राज्य मंत्री जनरल वी.के. सिंह ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कि मीडिया इस देश ही नहीं बल्कि दुनियां में अपनी सशक्त भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं जब मीडिया ने सकारात्मक दृष्टि से प्रगतिशील विचारधारा के लिए लोगों की राय बनाई है। जनरल वी.के. सिंह ने कहा कि समाज में आज भी पत्रकार की छवि कुरीतियों के खिलाफ लड़ने वाले और आम आदमी की आवाज उठाने वाले के रूप में है। उन्होंने इस संबंध में एक किताब का उदाहरण देते हुए बताया कि इसमें जानकारी दी गई है कि किस तरह मीडिया के उचित प्रयोग से आप अपने सामने उत्पन्न हुई कठिन चुनौतियों का बखूवी सामना कर सकते हैं। केन्द्रीय राज्यमंत्री व पूर्व सेनाध्यक्ष ने इसी के साथ यह भी कहा कि कोरोना काल के दौरान टूल किट का भी मामला सामने आया था, जिसमें हर कार्य को गलत साबित करने की कोशिश की।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने अपने संबोधन में सभी का ध्यान पत्रकारों की समस्याओं की तरफ आकृष्ट किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता आज सबसे असुरक्षित पेशा है ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा और उनका उत्पीढ़न रोकने के लिए कोई रास्ता निकालना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पत्रकार की परिभाषा तय हो इसके लिए पत्रकार सुरक्षा कानून वेहद आवश्यक है। कार्यक्रम में आए विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक व वरिष्ठ पत्रकार रूप चौधरी ने कहा कि सच को उजागर करना पत्रकार का दायित्व है और समाज उससे इसकी अपेक्षा भी करता है, ऐसे तमाम उदाहरण है जब किसी पत्रकार को शासन व सत्ता के खिलाफ कुछ लिखने व या सच को उजागरण करने पर परेशानियों का सामना करना पड़ा है, लेकिन अगर आप दुर्भावना से प्रेरित नहीं है तो आखिर में जीत आपकी ही होती है। कार्यक्रम को उ.प्र. बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डा. देवेन्द्र शर्मा, व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रविकान्त गर्ग, समाजसेवी व भाजपा नेता पं.शोभाराम शर्मा, उद्योगपति पवन चतुर्वेदी, राजीव ब्रजवासी, पब्लिक एशिया के प्रधान संपादक मुकेश वत्स, जी न्यूज डिजीटल के एडिटर अभिषेक मल्होत्रा, वरिष्ठ पत्रकार मोहन स्वरूप भाटिया और ए.एस. देशभक्त ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के समापन से पूर्व एनयूजेआई के राष्ट्रीय सचिव उपजा के प्रदेश उपाध्यक्ष व ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डा. कमलकान्त उपमन्यु एडवोकेट ने सभी अतिथियों को सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट किए। साथ ही उन्होंने उनकी व जनपद भर से आए सभी पत्रकारों व गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन अनूप शर्मा ने किया। पत्रकारिता दिवस समारोह में जिला सूचनाधिकारी प्रशांत सुचारी, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत तेहरिया, सचिव सतेन्द्र परिहार, स्पेशल डीजीसी पॉक्सो कोर्ट श्रीमती अलका उपमन्यु एडवोकेट, अमरनाथ स्कूल के प्रधानाचार्य अरूण वाजपेयी, भदौरिया ग्रुप के एच.के.भदौरिया, शनिदेव मंदिर के महंत विजयानन्द सरस्वती, भाजपा नेता प्रदीप गोस्वामी, प्रियंका उपाध्याय, गीता नाथानी, रश्मि शर्मा, ममता भारद्वाज, पूजा चौधरी, विनीता द्विवेदी, माया शर्मा, प्रतिभा शर्मा, मुदिता शर्मा, सार्थक चतुर्वेर्दी, तपेश भारद्वाज, निश्चल राठौर, अंकुर देवा, दिनेश चौधरी प्रधान, भानु प्रताप सिंह, सतीश शर्मा, गणेश पहलवान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पत्रकार प्रकाश सिंह, मदन गोपाल शर्मा, पवन गौतम, धर्मेन्द्र चतुर्वेदी, राजकुमार तौमर, सुशील गोस्वामी, मोहन श्याम रावत, राम कुमार रौतेला, कन्हैया उपाध्याय, राजेश भाटिया, अरूण अनु, हेमन्त शर्मा, विवेक प्रिय आर्य, अनिल अग्रवाल, कासिम, गौरव चौधरी, के.के. अरोड़ा, महेश वार्ष्णेय, मनीष सक्सेना, परवेज अहमद, सोमेन्द्र भारद्वाज, ऋषि भारद्वाज, गोविन्द भारद्वाज, राजेश सोलंकी, गोपाल जग्गा, दिनेश तरकर, सोमेन्द्र व्यास, मुकेश अग्रवाल, विनोद शर्मा, मोहित गौर, श्याम जोशी, परीक्षित कौशिक, किशन चौहान, गिरधारी लाल श्रोत्रिय, ओमप्रकाश शर्मा, देवेन्द्र गोस्वामी, अनिल कुमार, विपिन चौधरी, राजकुमार तौमर, नारायण सिसौदिया, रिंकू वर्मा, पवन शर्मा, चंदन सैनी, राकेश कुमार सिंह (बंटी), लक्की ठाकुर, सत्यपाल सिंह, पवन सिंह, लक्ष्मण सोनी, सुरेश पचैहरा, सुरेश सैनी, उमर कुरैशी, कालीचरण विंदल, दीपक चतुर्वेदी बैंकर, आकाश बैंकर आदि उपस्थित थे।

शार्ट न्यूज

टाटा मोटर्स फोर्ड के साणंद संयंत्र का करेगी अधिग्रहण

मुंबई। अग्रणी वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स की सहायक इकाई टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएमएल) इसी क्षेत्र की कंपनी फोर्ड इंडिया के गुजरात स्थित साणंद संयंत्र का अधिग्रहण करेगी। टाटा मोटर्स ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि टीपीईएमएल और फोर्ड इंडिया ने आज इस आशय के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। टाटा मोटर्स और फोर्ड इंडिया अगले कुछ सप्ताह में लेनदेन समझौते पर भी हस्ताक्षर करेंगे। समझौते के अनुसार, फोर्ड इंडिया टीपीईएमएल से पावरट्रेन इकाई की भूमि और भवनों को पट्टे पर देकर अपनी पावरट्रेन निर्माण सुविधाओं का संचालन करेगी। फोर्ड की विनिर्माण इकाई के अधिग्रहण के बाद टाटा समूह की इकाई नई मशीनरी और उपकरणों में निवेश करेगी जो कि अपने वाहनों के उत्पादन के लिए आवश्यक होगा। प्रस्तावित निवेश के साथ यह प्रति वर्ष तीन लाख उत्पादन क्षमता हासलि करेगा, जिसे 400000 से अधिक वाहन तक बढ़ाया जा सकेगा। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र ने कहा, प्रस्तावित सौदा उसके क्षमता विस्तार का समर्थन करेगा। इस प्रकार यात्री और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण में कंपनी की स्थिति और मजबूत होगी।

एयरटेल ने शुरू किए अपने तीन नए प्लान

नयी दिल्ली। देश में प्रीमियम परिवारों की जरूरतों को रखते हुए अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी और ग्राहकों को मनोरंजन का अनुभव कराने के लिए भारती एयरटेल (एयरटेल) ने एक्सस्ट्रीम फाइबर ब्रॉडबैंड प्लान शुरू किया है। इसमें तीन नए ऑल-इन-वन प्लान्स रखा गया है, जिसमें मनोरंजन आवश्यकताओं पर ध्यान दिया गया है। भारती एयरटेल के सीईओ वीर इंद्र नाथ ने कहा, हमारी नई योजनाएं भारत की उभरती मनोरंजन जरूरतों के लिए बनाई गई हैं। इन ऑफर्स के माध्यम से हम अपने ग्राहकों को शानदार मूल्य में सुविधा प्रदान करने और एक बहुआयामी अनुभव कराने की योजना बना रहे हैं। कंपनी ने अपने तीन नए प्लान में 699 रुपये, 1099 रुपये और 1599 रुपये का पैक शामिल किए हैं। पहले प्लान 1599 रुपए का है, जिसमें ग्राहकों को एयरटेल फोर के एक्सस्ट्रीम बॉक्स डिवाइस और 350 से अधिक चैनल मिलेंगे। साथ ही 300 एमबीपीएस की स्पीड के साथ अमेजन, नेटफ्लिक्स सहित 14 ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए एयरटेल एक्सट्रीम प्रीमियम सिंगल लॉग-इन मिलेगा। दूसरे प्लान में ग्राहकों को 1099 रुपए में एयरटेल फोर के एक्सस्ट्रीम बॉक्स डिवाइस और 350 से अधिक चैनल मिलेंगे। साथ ही 200 एमबीपीएस की स्पीड के साथ अमेजन सहित 14 ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए एयरटेल एक्सट्रीम प्रीमियम सिंगल लॉग-इन मिलेगा। इसमें बस नेटफ्लिक्स का फायदा नहीं मिलेगा। तीसरे प्लान में 699 रुपए में ग्राहकों को 40 एमबीपीएस की डेटा स्पीड के साथ हॉटस्टार सहित अन्य 14 ओटीटी प्लेटफॉर्म का फायदा मिलेगा।

गेहूं की सरकारी खरीद 184.58 लाख टन पर पहुंची

नयी दिल्ली। रबी विपणन सीजन 2022-23 में गेहूं की खरीदारी से 184.58 लाख टन तक पहुंच चुकी है। इसमें ज्यादातर गेहूं पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश से खरीदा गया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर इस खरीद में अब तक 17.50 लाख किसानों को 37,192.07 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। बयान में कहा गया है कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में रबी विपणन सीजन 2022-23 में केंद्रीय भंडारण व्यवस्था के तहत गेहूं की खरीद जारी है। 29 मई तक 184.58 लाख टन गेहूं की खरीदारी की गई है, जिससे 17.50 लाख किसानों को 37192.07 करोड़ रुपये के एमएसपी का लाभ प्राप्त हुआ है। विज्ञप्ति के अनुसार पंजाब में 96,16,811 टन, हरियाणा में 40,97,380 टन, उत्तर प्रदेश में 2,84,035 टन, मध्य प्रदेश में 44,45,964 टन और बिहार में 3343 टन गेहूं की खरीद हुई है।

सोना चमका चांदी फीकी

मुंबई। विदेशी बाजारों में पीली धातु में तेजी जबकि सफेद धातु के फिसलने से आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 102 रुपये प्रति दस ग्राम चढ़ गया वहीं चांदी 183 रुपये प्रति किलोगग्राम उतर गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 0.26 प्रतिशत चढ़कर 1857.61 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा 0.13 प्रतिशत चमककर 1853.70 डॉलर प्रति औंस पर रहा। वहीं, इस दौरान चांदी हाजिर 0.59 प्रतिशत टूटकर 21.97 डॉलर प्रति औंस बोली गयी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं में मिलेजुले रुख का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी देखा गया। इस दौरान सोना 102 रुपये चमककर 51152 रुपये प्रति 10 ग्राम और सोना मिनी 78 रुपये बढ़कर 51088 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही। हालांकि इस दौरान चांदी 183 रुपये सस्ती होकर 61933 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 211 रुपये उतरकर 62202 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

चौथी तिमाही में एलआईसी का मुनाफा 17 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सोमवार को बताया कि मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में उसका समेकित लाभ 2,409.39 करोड़ रुपये रहा जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि से 17.41 प्रतिशत कम है। देश की इस सबसे बड़ी बीमा कंपनी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 की जनवरी-मार्च तिमाही में उसने 2,917.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में एलआईसी की शुद्ध प्रीमियम आय 1,44,158.84 करोड़ रुपये थी, जबकि इससे पिछले वर्ष इसी तिमाही में शुद्ध प्रीमियम आय 1,22,290.64 करोड़ थी। इस तरह वार्षिक आधार पर प्रीमियम आय में 17.88 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। गौरतलब है कि एलआईसी हाल ही में अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक शेयर पेशकश (आईपीओ) के साथ शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई है। इस कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए शुद्ध लाभ 38.68 प्रतिशत की छलांग के साथ 4,124.70 करोड़ रुपये रहीद। इससे पिछले वित्त वर्ष के दौरान शुद्ध लाभ 2,974.13 करोड़ रुपये था। वित्तीय वर्ष 2021-22 में एलआईसी की शुद्ध प्रीमियम आय इससे पिछले वर्ष के 4,05,398.49 करोड़ रुपये की तुलना में 4,29,500.76 करोड़ रुपये रही। एलआईसी के निदेशक मंडल ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्रत्येक दस रुपये के अंकित मूल्य के शेयर पर 1.50 रुपये की दर से लाभांश की सिफारिश की है। एलआईसी का शेयर सोमवार को बीएसई में 1.89 प्रतिशत बढ़कर 837.05 रुपये पर बंद हुआ।

खाद्य तेलों में गिरावट

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की भारी गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के दाम 367 रुपये प्रति क्विंटल तक गिर गए। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 135 रिंगिट लुढ़ककर 6557 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 1.27 सेंट गिरकर 79.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल 367 रुपये, सूरजमुखी तेल 147 रुपये, सोया रिफाइंड 220 रुपये और पाम ऑयल 220 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया। वहीं, मूंगफली तेल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, चना दाल 100 रुपये और मूंग दाल 150 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई वहीं मूसर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव स्थिर रहे।

आस्ट्रेलिया कारोबार के लिए बेहतर जगह : फीनिक्स

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय कंपनियों को आस्ट्रेलियाई बाजार में पांव जमाने के लिए परामर्श सेवायें देने वाली प्रमुख कंपनी फीनिक्स ने सोमवार को कहा कि उसने 2025 तक भारत के कम से कम 2000 उद्यमियों को आस्ट्रेलिया में कारोबार कराने का लक्ष्य रखा है।

फीनिक्स बिजनेस एडवाइजरी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम पी सिंह ने राजधानी में संवाददाताओं से कहा, आस्ट्रेलिया में कारोबार करना आसान है, पिछले कुछ समय में ही भारत के 12000 से अधिक कारोबारी आस्ट्रेलिया में कारोबार और बेहतर जीवनशैली की संभावनाओं को तलाश करने के लिए भ्रमण कर चुके हैं।

उन्होंने बताया कि फीनिक्स ने कारोबार की शुरुआत 2018 में की थी और भारतीय उद्यमियों को आस्ट्रेलिया में कारोबार की सहूलियत के बारे में सलाह देने पर केन्द्रित है। बीच में कोरोना संकट के बावजूद करीब 200 भारतीयों को आस्ट्रेलिया में कारोबार सफलतापूर्वक संचालित करने में मदद कर चुकी है।

सिंह ने कहा, हम कारोबारियों को मार्गदर्शन देकर विकास के अवसर प्रदान करना चाहते हैं। आस्ट्रेलिया भारतीय कारोबारियों के लिए आदर्श

जगह है क्योंकि वहां कारोबार करना आसान है। वहां कारोबार नीतियां काफी अनुकूल हैं।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2.6 करोड़ की आबादी वाला आस्ट्रेलिया अगले वर्ष दुनिया की 12 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा। भारत और आस्ट्रेलिया ने गत दो अप्रैल को आर्थिक सहयोग एवं मुक्त व्यापार समझौता (एक्टा) पर हस्ताक्षर किये हैं जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में तेजी आयेगी। इसके लागू होने पर आस्ट्रेलिया से भारत में आ रही 50 प्रतिशत वस्तुओं पर यहां शुल्क मुक्त हो जायेगा।

आस्ट्रेलिया क्वींसलैंड प्रांत की सरकार के वरिष्ठ व्यापार एवं निवेश आयुक्त अभिनव भाटिया ने इस मौके पर कहा, तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था एवं जीवन की उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण क्वींसलैंड बहुत से प्रवासियों की पहली पसंद है। क्वींसलैंड सरकार द्वारा कोविड-19 महामारी के प्रबंध के कारण पिछले वर्षों में बड़ी संख्या में लोग वहां आये हैं। क्वींसलैंड भारतीय निवेशकों और नवप्रवर्तकों के लिए एक आदर्श स्थान है।

इस अवसर पर फीनिक्स बिजनेस एडवाइजरी के ब्रांड एम्बेसडर एवं पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि भारतीय व्यापारियों के लिए आस्ट्रेलिया में व्यापार की व्यापक संभावनायें हैं और उम्मीद है कि भारत से बड़ी संख्या में कारोबारी आस्ट्रेलिया की ओर रुख करेंगे।

गौरतलब है कि यहां आस्ट्रेलिया बिजनेस माइग्रेशन सेमिनार में 180 से अधिक कारोबारियों ने भाग लिया।

कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर पेट्रोल डीलर मंगलवार को नहीं खरीदेंगे तेल

नयी दिल्ली। पेट्रोल पंप परिचालकों के संगठन दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन (डीपीडीए) ने सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) से डीलर कमीशन बढ़ाने की मांग और उत्पाद शुल्क में अकस्मात कटौती से अपने नुकसान की भरपाई के मुद्दे को लेकर 'नो परचेज अभियान' के तहत मंगलवार को देशभर में पेट्रोल पंपों द्वारा तेल न खरीदने की सोमवार को घोषणा की।

डीपीडीए के पदाधिकारियों ने दावा किया है कि 24 राज्यों के करीब 70 हजार पेट्रोल पंप कल तेल कंपनियों से वाहन ईंधन की खरीद नहीं करेंगे, लेकिन आम लोगों की सुविधा के लिए पेट्रोल पंप खुले रखे जाएंगे।

डीपीडीए अध्यक्ष अनुराग नारायणा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ओएमसी और डीलर एसोसिएशन के बीच डीलर कमीशन को लेकर एक समझौता किया था कि कमीशन को हर छह महीने में संशोधित किया जाएगा, जिसे 2017 से संशोधित नहीं किया गया है।

श्री नारायणा ने कहा कि 2017 से ईंधन की कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं, इसलिए व्यापार में कार्यशील पूंजी भी दोगुनी हो गई है। साथ ही, पिछले पांच वर्षों में बैंक शुल्क, बिजली बिल, वेतन आदि जैसे अतिरिक्त खर्च कई गुना बढ़ गए हैं। डीलर कमीशन को संशोधित करने की हमारी निरंतर मांग को ओएमसी द्वारा अनदेखा कर दिया गया है, ऐसा करके ओएमसी अपने स्वयं के नेटवर्क को आर्थिक रूप से अव्यवहारिक बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती से देश के नागरिकों को दी गई राहत का हम स्वागत करते हैं, लेकिन इन अचानक कटौती से डीलरों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष चार नवंबर और इस वर्ष 21 मई को उत्पाद शुल्क में पेट्रोल पर कुल 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर कुल 16 रुपए प्रति लीटर कटौती किया गया, जिससे पेट्रोल पंप डीलरों को अपूरणीय क्षति हुई। उन्होंने कहा कि इससे करीब देशभर में पेट्रोल पंप डीलरों को करीब 21,000 करोड़ का नुकसान हुआ है।

डीपीडीए के अध्यक्ष ने कहा कि उत्पाद शुल्क में कटौती से हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार से बात करेंगे ताकि पेट्रोल पंप डीलरों को इससे होने वाले क्षति से बचाया जा सकें।

गौरतलब है कि डीपीडीए ने तेल विपणन कंपनियों के मनमानी को रोकने के लिए देशभर के 24 राज्यों के पेट्रोल पंप डीलरों के समर्थन से डीलरों के वित्तीय संकट को उजागर करने के लिए 31 मई कोई खरीद नहीं करने का फैसला किया है। इन राज्यों में तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, बिहार, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम सहित अन्य शामिल है।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों के सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन ना करने से इनके दाम लगातार आठ दिनों से स्थिर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल पर है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपये प्रति

लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। जिससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कम 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.54 प्रतिशत बढ़कर 120.08 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.54 प्रतिशत चढ़कर 116.08 डॉलर प्रति बैरल पर रहा है।

कॉटन पर आयात शुल्क में छूट 31 दिसंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली। मौजूदा सीजन में कॉटन और धागे की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि के बीच केंद्र सरकार ने कॉटन पर आयात शुल्क छूट को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है।

ऐसे में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने संबंधित अधिकारियों को कॉटन की उपलब्धता के संदर्भ में मामले को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का निर्देश दिया है।

इससे पहले सरकार ने पिछले महीने कॉटन की कीमत को कम करने के लिए 30 सितंबर तक इसके आयात पर सभी सीमा शुल्क में छूट दी थी। बता दें कि कपड़ा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कपास की वर्तमान आपूर्ति बढ़ाने और उत्पादकता को मजबूत करने से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए रविवार को मुंबई में नवगठित कपड़ा सलाहकार समूह के साथ बैठक की थी। इसमें वर्तमान आवश्यकता को पूरा करने के लिए मंत्री ने उन देशों से आयात को सुविधाजनक बनाने और प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को हल करने का आह्वान किया, जहां स्टॉक उपलब्ध हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, आयात द्वारा अल्पावधि में वृद्धि के दृष्टिकोण को संबोधित करते हुए कपड़ा सचिव उपेंद्र प्रसाद सिंह ने उद्योग को कुछ देशों से आयात को शुरू करने के लिए प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय से संपर्क करने की सलाह दी।

बयान के अनुसार, आयात शुल्क में छूट की अवधि 31 दिसंबर 2022 तक बढ़ाने के संबंध में गोयल ने संबंधित अधिकारियों को मामले को जल्द अंतिम रूप देने का निर्देश दिया।

शक्कर में लिवाली, खाद्य तेलों में गिरावट, अमावस्या मंडी बंद, उड़द मोगर सस्ती, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में लिवाली से मजबूत रही। खाद्य तेल सस्ता बिका। अमावस्या पर मंडी बंद रही। दाल में गिरावट हुई। चावल में कामकाज सुधार लिए रहा।

किराना बाजार

शक्कर में लिवाली रही। आज शक्कर में कामकाज 3570 से 3610 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा तथा हल्दी में नरमी रही। साबूदाना मजबूत बताया गया।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में पूछपरख सुस्ती से गिरावट दर्ज की गई।आज सोयाबीन रिफाइंड तथा पाम तेल में नरमी रही।तिलहन में प्लान्टो की लिवाली से भाव बने बताए गए।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी अमावस्या पर बंद रही। दालें सस्ती बिकी। चावल में उठाव बना रहा।

किराना

शक्कर 3570 से 3610 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 180 से 195 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम।

हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6300 से 6400, रायडा 6000 से 6200 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1630 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1505 से 1510, सोयाबीन साल्वेंट 148 से 1485, पाम तेल 1585 से 1590 रुपये प्रति 10 किलो।

दाल

चना दाल 5700 से 6200, तुअर दाल सवा नंबर 7900 से 8000, तुअर दाल फूल 8100 से 8300, तुअर दाल नई 8600 से 9300, आयातित तुअर दाल 7700 से 7800, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 7800 से 8100, मूंग मोगर 8600 से 8900, उड़द दाल 8200 से 8500, उड़द मोगर 8900 से 9300 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1390 से 1400, मैदा 1320 से 1330, आटा 1280 से 1300, चना बेसन 3225 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

फ्यूचर रिटेल के स्वतंत्र निदेशकों ने कहा, वर्तमान दशा के लिए अमेजन जिम्मेदार

नयी दिल्ली। किशोर बियाणी के नेतृत्व वाले फ्यूचर समूह की वित्तीय संकट में फंसी कंपनी फ्यूचर रिटेल लि (एफआरएल) के स्वतंत्र निदेशकों ने कंपनी की वर्तमान स्थिति के लिए दिग्गज ई-कामर्स कंपनी अमेजन को जिम्मेदार ठहराया है और कहा है कि अमेरिकी कंपनी ने स्वार्थ के वश में होकर एफआरएल के उद्धार की संभावनाओं को पलीता लगाया है।

उनका कहना है कि फ्यूचर रिटेल को सस्ते में खरीदने की अमेजन की योजना नहीं चली तो उसने उसने रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से आए बेहतर प्रस्ताव में अड़ंगा लगा दिया।

अमेजन.काम एनवी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स एलएलसी के 19 मई के पत्र के जवाब में एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों की ओर से भेजे एक पत्र में कहा गया, अमेजन न तो एफआरएल की कोई शेयरधारक है और न ही उसने कंपनी को कोई ऋण दे रखा है। उलटे कंपनी (अमेजन) ही एफआरएल की वर्तमान स्थिति के लिए जिम्मेदार है।

एफआरएल के निदेशकों ने कहा है कि अमेजन ने फ्यूचर रिटेल के संकट पर जो सहानुभूति जतायी है वह एक दिखावा और नग्न सच्चाई की लीपापोती करने का प्रयास है।

पत्र में कहा गया है कि अमेजन ने समारा के माध्यम से अमेजन ने एफआरएल को सस्ते में 7000 करोड़ रुपये में खरीदने का प्रयास किया लेकिन जब रिलायंस ने इस सौदे के लि 25000 करोड़ रुपये की पेशकश की तो अमेजन उस योजना की हवा निकालने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी।

एफआरएल के स्वतंत्र निदेशकों ने कहा है, एफआरएल के उद्धार की संभावनाओं को पलीता लगाने के बाद अमेजन का उन्हें पत्र लिखा अजीब बात है। हमें पत्र भेजने का कोई हक आप को नहीं है।

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट और स्थानीय स्तर पर ग्राहक सुस्त रहने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 101 रुपये प्रति दस ग्राम उतर गया वहीं चांदी 114 रुपये प्रति किलोग्राम चमक गई। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना हाजिर 11.365 डॉलर प्रति औंस टूटकर सप्ताहांत पर 1852.73 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 6.5 डॉलर प्रति औंस गिरकर 1850.60 डॉलर प्रति औंस रह गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.04 डॉलर प्रति औंस गिरकर 20.96 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह विदेशी बाजार की गिरावट का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी रहा। सप्ताहांत पर सोना 101 रुपये उतरकर 50913 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया।

निवेश के इन विकल्पों में रिस्क है कम, जरूरत के हिसाब से चुन सकते हैं ऑप्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। जब बात निवेश की आती है तो अधिकांश लोग ऐसे विकल्प की तलाश करते हैं जो सुरक्षित और विश्वसनीय हो और साथ ही यह उन्हें जोखिम का सामना करने से बचाए। जाहिर तौर पर यह स्वाभाविक भी है। हम सभी अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखते हुए इसे बढ़ाना चाहते हैं। कोई भी अपने पैसे को समय के साथ यूं ही नहीं पड़े देना चाहता। बल्कि, सभी इससे कुछ अर्जित करना ही चाहते हैं। एक सुरक्षित निवेश एक ऐसा निवेश है जो शून्य से थोड़े जोखिम के बीच होता है। हां, निवेश के ऐसे अन्य विकल्प मौजूद हैं जिनमें उच्च जोखिम शामिल हैं, लेकिन जो निवेशक पूंजी वृद्धि के मुकाबले आम तौर पर अपने वित्त की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं, वे सर्वाधिक सुरक्षित निवेश की तलाश करते हैं। तो वैसे बेहतरीन जोखिम-मुक्त निवेश कौन-से हैं जिनमें आप अपना पैसा लगा सकते हैं? यहां उनमें से कुछ का जिक्र किया गया है, जिसे आप शून्य से कम जोखिम के बीच अपने निवेश के लिए बेहतर विकल्प के रूप में आजमा सकते है।

बचत खाते

प्रत्येक कॉमर्शियल बैंक अपने ग्राहकों को उनकी गाढ़ी कमाई में से बचत करने के लिए एक बचत खाता प्रदान करता है। वित्त का प्रबंधन करने के लिए बचत खाता की जरूरत होती है, लेकिन यह कम रिटर्न देता है। सामान्य तौर पर रिटर्न लगभग 4त्न होता है और यह बैंक दर बैंक अलग-अलग होता है। यदि आप अपना पैसा रखना चाहते हैं और बार-बार निकासी करना चाहते हैं, तो बचत खाता एक आदर्श विकल्प हो सकता है। इसलिए आप एक बचत खाता चुनते हुए ब्याज दरों की तुलना कर अपने लिए सबसे अच्छे खाते का चयन कर सकते हैं।

भारतीय डाक विभाग विभिन्न

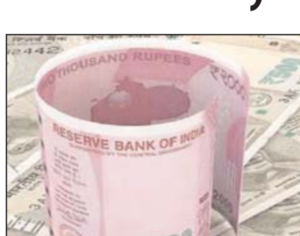

योजनाएं उपलब्ध कराता है जो व्यक्तियों को अपना धन बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। यह बचत की आदत भी विकसित करता है। और साथ ही, डाकघरों की योजनाओं से मिलने वाला रिटर्न बैंकों और अन्य एनबीएफसी की तुलना में अधिक है। एक डाकघर योजना आमतौर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ट्रैकिंग सिस्टम की पेशकश नहीं करती है, और इसके लिए आपके लिए अपने नजदीकी डाकघर जाना ही पड़ेगा। डिजिटलीकरण तेजी से हो रहा है, तो हम उम्मीद कर सकते हैं कि डाक विभाग जल्द ही इसे अपनाएगा।

आपने इसके बारे में सुना होगा और निश्चित तौर पर सावधि जमा या फिक्स्ड डिपॉजिट भारत में सर्वाधिक सुरक्षित निवेश में से एक है। दशकों तक यह भारतीयों के लिए पसंदीदा विकल्प रहा है और यह बात अतीत में साबित भी हुई है। सरप्लस फंड के लिए इससे बेहतर जगह और क्या हो सकती है? यह ज्यादातर परिपक्वता पर तयशुदा रिटर्न के साथ सभी बैंकों द्वारा ऑफर किया जाता है और सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह स्पष्ट रूप से जोखिम मुक्त है।

रेकरिंग डिपॉजिट या आवर्ती जमा

आवर्ती जमा या रेकरिंग डिपॉजिट काफी हद तक सावधिक जमा के समान हैं।

सावधि जमा में निवेश एकमुश्त जमा के माध्यम से किया जाता है। आवर्ती जमा में नियमित अंतराल पर निश्चित राशि के रूप में निवेश किया जाता है, जैसे कि महीने में एक बार। सावधिक जमा की तरह आवर्ती जमा भी रिटर्न की गारंटी देता है, और आवर्ती जमा पर ब्याज दर पूरी निवेश अवधि में नहीं बदलती है और परिपक्वता पर निवेश की गई राशि को उस पर अर्जित ब्याज के साथ एकमुश्त राशि के रूप में लौटा दिया जाता है।

सार्वजनिक भविष्य निधि भी भारत में बचत का एक बहुत लोकप्रिय विकल्प है, और यह रिटर्न और कर छूट की गारंटी भी देता है। सरकार यह योजना व्यक्तियों को उनकी सेवानिवृत्ति पर बचत करने में मदद करने के लिए प्रदान करती है। यह एक ऐसी योजना है जिसे बैंक या डाकघर में खोला जा सकता है। आमतौर पर इस योजना का कार्यकाल 15 साल का होता है और जरूरत पड़ने पर इसे और भी बढ़ाया जा सकता है। हालांकि इस योजना में समय से पहले आकस्मिक निकासी का भी प्रावधान है। इसलिए यह एक बेहतर स्थिति है। यह सुरक्षित है, गारंटीड या तयशुदा रिटर्न देने वाला है और साथ ही यह आपको कर बचत का विकल्प देता है।

गैर इक्विटी म्युचुअल फंड्स

गैर-इक्विटी म्युचुअल फंड डेट और गिल्ट फंड की तरह हैं, और ये पूंजी की सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये ऐसी योजनाएं हैं जिनमें कम जोखिम होता है। यह हमेशा सरकारी बॉन्ड, डिबेंचर और फिक्स्ड सिक्यॉरिटीज वाले गोल्ड बॉन्ड जैसे सुरक्षित उत्पादों में निवेश करता है। इन योजनाओं की समयावधि छोटी, मध्यम या दीर्घकालिक है, और यह उस फंड के प्रकार पर निर्भर करता है, जिसे आपने अपने वित्तीय लक्ष्य के मुताबिक चुना है।

शार्ट न्यूज

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिये गुजरात भेजेगा 143 खिलाड़ी

चंडीगढ़। हरियाणा में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स के लिये गुजरात ने सोमवार को 143 एथलीट्स के दस्ते की घोषणा की। पिछले कुछ समय में गुजरात खेलों में जमकर निवेश कर रहा है। गुवाहाटी में आयोजित पिछले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में गुजरात 16 स्वर्ण पदक जीतकर नौवें स्थान पर रहा था। गुजरात के एथलीट दस्ते का नेतृत्व कर रहे विस्मय व्यास ने कहा, हम खेलो इंडिया के लिये अपने सबसे बड़े दस्ते के साथ आ रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि हम पिछली बार से ज़्यादा मेडल जीतना हमारा पहला लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि गुजरात के खिलाड़ी 18 खेलों में हिस्सा लेंगे और तैराकी, टेनिस, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, जूडो और वेटलिफ्टिंग में मेडल जीतने का लक्ष्य रखेंगे। व्यास ने कहा, इस साल से शुरू होने वाले गटका और मल्लखंब में भी हमारे पास मज़बूत टीमें हैं। पूरे राज्य में आयोजित खेल महाकुंभ के कारण पिछले आयोजनों की तरह इस बार कई खेलों की तैयारी के लिये कैंप में बाधा भी आयी, लेकिन व्यास ने कहा कि यह उनके लिये चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ी खेल महाकुंभ के कारण तैयारी कैंप से आते जाते रहे, लेकिन इसका यही मतलब है कि वह मैच के लिये काफ़ी हद तक तैयार हैं।

पश्चिम बंगाल खेलो इंडिया में उतारेगा 185 सदस्यीय दल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल हरियाणा में होने वाले खेलो इण्डिया यूथ गेम्स में 185 सदस्यीय दल उतारेगा और उसके उद्देश्य न केवल तैराकी में अपना दबदबा बनाये रखना होगा बल्कि अन्य खेलों में भी विस्तार करना होगा। पश्चिम बंगाल ने 2018 में 15 पदकों से अपनी पदक तालिका को 2020 में 19 स्वर्ण सहित 53 पदक पहुंचा दिया। पश्चिम बंगाल के दल में 45 तैराक और 47 का सपोर्ट स्टाफ हैं। पश्चिम बंगाल का लक्ष्य इन खेलों की तैराकी में 12 स्वर्ण जीतने का है। पूल में राज करने वाले स्वदेश मंडल तैराकी में राज्य की चुनौती संभालेंगे।

पेरेज़ ने जीती एफ1 मोनाको ग्रां प्री

बीजिंग। रेड बुल के सर्जियो पेरेज़ ने रविवार को मोनाको ग्रां प्री का खिताब जीतते हुए 2022 एफ1 सीज़न की अपनी पहली जीत दर्ज की। रेस शुरू होने से ठीक पहले बारिश होने के कारण मोनाको ग्रां की शुरुआत एक घंटे की देरी से हुई। जीत के बाद रेड बुल के पेरेज़ ने कहा, यह सपना सच होने जैसा है। एक ड्राइवर के तौर पर, आप यहां जीतना चाहते हैं। अपनी होम रेस के बाद, इससे बेहतर जीत नहीं हो सकती थी इसलिये इसे जीतना बहुत खास है। उन्होंने कहा, अंत में हमने अपने लिये मुकाबले को थोड़ा मुश्किल बनाया। हमें बस कोई गलती नहीं करनी थी और सीधी तरह आगे बढ़ते रहना था। कार्लोस को पीछे रखना आसान नहीं था। पेरेज़ के अलावा फरारी के कार्लोस सेन्ज़ ने दूसरा और रेड बुल के वेर्स्टापन ने तीसरा स्थान हासिल किया। ड्राइवर्स चैम्पियनशिप में वेर्स्टापन 125 की लीड के साथ पहले स्थान पर हैं, जिनके पीछे लेकलर्क 116 और पेरेज़ 110 के साथ तीसरे-चौथे स्थान पर हैं। कन्स्ट्रक्टर चैम्पियनशिप में रेड बुल 235 की बढ़त के साथ पहले स्थान पर है जबकि फेरारी 199 के साथ दूसरे व मर्सिडीज़ 134 के साथ तीसरे स्थान पर है। 2022 एफ1 चैम्पियनशिप का आठवां राउंड अज़रबैजान ग्रां प्री 10 जून से बाकू में होने वाला है।

खेलो इंडिया गेम्स को पूरे हरियाणा तक पहुंचा रही 'राहगिरी'

चंडीगढ़। खेलो इंडिया गेम्स के इतिहास में पहली बार खेलों का प्रचार करने के लिये टॉर्च रिले का आयोजन किया गया है। खेलो इंडिया गेम्स की मेज़बान हरियाणा सरकार ने खेलों का आनंद पूरे राज्य तक पहुंचाने के लिये यह पहल की है। राहगिरी नामक इस टॉर्च रिले को पंचकुला से सात मई को शुरू किया गया था। यह मशाल खेलो इंडिया गेम्स के उद्घाटन समारोह में हरियाणा के कई शीर्ष खिलाड़ियों के साथ ताऊ देवी लाल स्टेडियम में वापस लौटेगी। दूसरी ओर, खेलो इंडिया यूथ गेम्स के शुभंकर, 'विजय द टाइगर', 'जया द ब्लैकबक' और हरियाणा के शुभंकर 'धाकड़ द बुल' ने भी 'धाकड़ ऑन वील्स' नामक एक विशेष ट्रक में सवारी की। रोहतक, रेवाड़ी, करनाल, कैथल, जिन्द, झज्जर, हिसार, फ़तेहाबाद, चरखी दादरी, भिवानी और अंबाला में हुए राहगिरी कार्यक्रमों में शीर्ष राजनेता, सरकारी कर्मचारी, खिलाड़ी और छात्र उपस्थित रहे। इस अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 10 मई को गुरुग्राम से की। सबसे पहले यह मशाल रोहतक पहुंची जहां इसे मुख्य अतिथि और सांसद डॉ अरविंद शर्मा के सुपुर्द किया गया। इसके बाद यह मशाल हिसार में हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा के हाथों में पहुंची। हरियाणा के खेल और युवा मामलों के निदेशालय की वरिष्ठ सलाहकार पंखुड़ी गुप्ता ने कहा, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 रोड शो के लिये स्थानीय स्कूल-कॉलेजों के छात्रों सहित करीब 3,000 लोग खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिये आयोजन-स्थलों पर इकट्ठा हुए थे।

भगत, जोशी, रामदास को स्वर्ण, भारत ने जीते कुल 17 पदक

दुबई। पैरा ओलंपिक में भारत के लिये स्वर्ण जीतने वाले प्रमोद भगत और मौजूदा विश्व चैम्पियन मानसी जोशी की अगुवाई में फज़ा दुबई अंतरराष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन 2022 में यहां रविवार को भारत ने कुल 17 पदक हासिल किये। भगत और जोशी ने एक-एक स्वर्ण पदक जीता, जबकि मनीषा रामदास ने महिला एकल एसयू5 और महिला युगल एसएल3-एसयू5 में मंदीप कौर के साथ दो स्वर्ण हासिल किये। इसके अलावा कौर ने भी महिला एकल एसएल3 में रजत हासिल किया। भगत ने फाइनल में 61 मिनट का एक और लंबा मुकाबला खेलते हुए अपने हमवतन नितेश कुमार को 19-21, 21-17, 21-17 से शिकस्त दी। जीत के बाद भगत ने कहा, सेमीफाइनल में एक लंबा मुकाबला खेलने के बाद मैं फाइनल को दो गेम में ही खत्म करना चाहता था। बहरीन में मुकाबले आसान हुआ करते थे। यहां मुझे अपनी लय ढूंढने में समय लगा इसलिये मैं कुछ गेम भी हारा। दूसरे गेम में नितेश जल्दी पॉइंट हासिल करना चाहते थे इसलिये वो योजना के अनुसार रहा। उन्होंने कहा, दुबई अच्छा इवेंट रहा, मुझे लगता है कि मैं फॉर्म में वापस आ रहा हूं। पैरा ओलंपिक खेलों के बाद मेरा प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा। मैं यहां अपने खेल का विश्लेषण करने और निरंतर ट्रेनिंग की ओर वापस लौटने के इरादे से आया था।

हंसा बेन राठौर ने जीता रजत पदक

रांची। झारखंड के रांची शहर में आयोजित प्रथम जूनियर महिला कुश्ती प्रतियोगिता रैंकिंग सीरीज में देपालपुर के कृपाशंकर पटेल खेल कूद संस्थान की महिला पहलवान हंसा बेन राठौर ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता। यह जानकारी देते हुए कृपाशंकर पब्लिक स्कूल संस्थान के अनिल राठौड़ ने बताया कि रैंकिंग सीरीज में मध्यप्रदेश को पुरुष व महिला वर्ग में एकमात्र पदक हंसा बेन राठौर ने दिलवाया। हंसा बेन राठौर ने प्री क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र की पूजा को, क्वार्टर फाइनल में हरियाणा की मीना को और सेमीफाइनल में आरती पहलवान को हराकर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना हरियाणा की कल्पना के साथ हुआ। कड़े मुकाबले में मध्य प्रदेश को सिर्फ रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

गुजरात की खिताबी जीत के अहम् किरदारों पर एक नजर

अहमदाबाद। अपना पहला सीज़न खेल रही गुजरात टाइटंस ने आईपीएल ने अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने पहले क्वालीफ़ायर में राजस्थान रॉयल्स को पटखनी देने के बाद अहमदाबाद में जीत हासिल कर आईपीएल का ख़िताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद गुजरात के अहम क़िरदारों और उनकी प्रतिक्रियाओं पर एक नज़र

डेविड मिलर (68.71 की औसत और 481 रन) ॰ यह पूरी यात्रा अविश्विसनीय है। ट्रॉफ़ी को जीतना बेहद ख़ास है। यह मेरे लिए सबसे खुशनुमा यात्राओं में से एक है। हर किसी ने अपना योगदान दिया और अपनी भूमिकाओं को बखूबी निभाया। हार्दिक पांड्या और आशीष नेहरा ने इस पूरी यात्रा को काफ़ी आरामदायक बनाए रखा। हार्दिक इस सीज़न बेहतर से और बेहतर होते गए, उन्होंने गेंद और बल्ले दौनों से ही नेतृत्व किया।

गैरी कर्स्टन (बल्लेबाज़ी कोच और मेंटोर) ॰ नीलामी में कई लोग टीम संतुलन और गहराई की बात करते हैं, लेकिन हमारी टीम में विविधता थी। हमारे पास आक्रामक गेंदबाज़ी क्रम था और आख़िरी मैच में तो हमारे पास एक अतिरिक्त गेंदबाज़ हो गए। हार्दिक एक सीखने वाले कप्तान हैं। उन्होंने जिम्मेदारी लेते हुए बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी की। वह एक हाई प्रोफ़ाइल क्रिकेटर हैं लेकिन उतने ही विनम्र हैं। आशीष (नेहरा) के साथ भी काम करना सुखद रहा। एक लाख लोगों के सामने पहले ही सीज़न में ख़िताब जीतना अविश्वसनीय है।

हार्दिक पंड्या (44 की औसत से 487 रन बनाने के साथ ही 27 की औसत से आठ विकेट लिए) ॰ मैंने अपनी गेंदबाज़ी पर काफ़ी मेहनत की है। मैं चाह रहा था कि एक अहम मौक़े पर मैं बढ़िया प्रदर्शन करूं। मैं बढ़िया लाइन और लेंथ पर गेंदबाज़ी करने का प्रयास कर रहा था और कोशिश कर रहा था कि कम से कम बाउंड्री दूं। मेरे लिए टीम सबसे ऊपर है। मैं टीम के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। किसी भी पोज़िशन पर बल्लेबाज़ी करने के लिए तैयार हूं। मैं चाह रहा था नंबर चार पर बल्लेबाज़ी करूं और टीम के अन्य खिलाड़ियों को खुल कर खेलने का मौक़ा दूं।

राशिद ख़ान (22.15 की औसत से 15 विकेट लिए) ॰ मुझे लगता है कि हमने विकेट को काफ़ी जल्दी जान लिया। हमें पता था कि किस एरिया में गेंदबाज़ी करनी है। बीच के ओवरों में हमने काफ़ी बढ़िया गेंदबाज़ी की। शुभमन गिल एक शानदार खिलाड़ी हैं। हम लकी हैं कि वह हमारी टीम में हैं। आईपीएल दुनिया का सबसे बेहतरीन प्रतियोगिता है। इसको जीतना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

राहुल तेवतिया (31 के औसत से 217 बनाए) ॰ हमने पहला क्वालीफ़ायर जो खेला था, उससे हमें काफ़ी भरोसा मिला। प्लान यही था कि ऊपर के बल्लेबाज़ एक बढ़िया नींव रखें और बाद के बल्लेबाज़ गेम को फ़िनिश किया जाए। शुरुआत में सब कह रहे थे कि हमारी टीम ने सबको आईपीएल जीत कर दिखा दिया। हालांकि हमारी टीम ने मुझ पर, मिलर पर, हार्दिक भाई पर जिस तरीक़े से भरोसा किया वह तारीफ़ योग्य है। इस सीज़न में मेरा पर्सनल गोल कुछ नहीं था, बस इतना चाह रहा था कि हम इस ट्रॉफ़ी को जीत जाएं।

रिद्धिमान साहा (31 की औसत से 317 रन बनाए) ॰ यह मेरा पांचवा फ़ाइनल था। यह मैं दूसरी बार जीत रहा हूं। कई लोगों ने कहा कि यह टीम अच्छी नहीं है लेकिन हमने सबको ग़लत साबित कर दिया। शमी ने इस प्रतियोगिता में पहले ही गेंद से टीम के लिए सकारात्मक शुरुआत दिलाई थी।

मोहम्मद शमी (20 बार बल्लेबाज़ों को पेविलयन भेजा) ॰ मैं बस बढ़िया तरीक़े से सीज़न की शुरुआत करना चाहता था। मैं ज्यादा नहीं सोच रहा था। साहा एक शानदार खिलाड़ी हैं और यह बात हम सब जानते हैं। हम काफ़ी सालों से एक साथ खेल रहे हैं। इन्हें जब भी मौक़ा मिलता है, ये अच्छा खेलते हैं।

शुभमन गिल (34 के औसत से 483 रन बनाए) ॰ यह बहुत मायने रखता है। आईपीएल जीतना वर्ल्ड कप जीतने से कम नहीं है। यह आईपीएल में मेरा पांचवां साल है और मुझे ट्रॉफ़ी जीतकर काफ़ी ख़ुशी की अनुभूति हो रही है। मैं अंत तक बल्लेबाज़ी करना चाहता था और तमाम कोचों से मेरी इसी पर चर्चा हो रही थी, आख़िरकार मैंने यह कर दिखाया।

मैथ्यू वेड (15 की औसत से 157 रन बनाए) ॰ हम शांत और आरामदायक वातावरण में रहे। हम सिर्फ़ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रहे लेकिन डेविड, हार्दिक और राशिद ने इस सीज़न में कमाल का प्रदर्शन किया। आशीष ने एक पारिवारिक माहौल तैयार कर दिया। हर किसी को ट्रेनिंग के लिए पर्याप्त समय मिले उन्होंने इस बात का बखूबी ख़याल रखा और आप इसका अंदाज़ा हमारे प्रदर्शन से लगा सकते हैं।

अब भारत के लिए विश्व कप जीतना चाहते हैं हार्दिक

अहमदाबाद । पांच आईपीएल फ़ाइनल और पांच ख़िताब। कप्तान के रूप में अपने गृह राज्य गुजरात के लिए पहला आईपीएल और फ़ाइनल में जीत के साथ प्लेयर ऑफ़ द मैच वाला प्रदर्शन। हार्दिक पांड्या की ख़िताब जीतने की भूख अभी कम नहीं हुई है और वह भारत के लिए विश्व कप जीतना चाहते हैं।

हार्दिक ने फाइनल के बाद कहा, मैं विश्व कप जीतने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा सकता हूं। भारत के लिए खेलना हमेशा से सपने के सच होने के जैसा होता है। मुझे लांग टर्म, शॉर्ट टर्म गोल का नहीं पता लेकिन मैं भारत के लिए निश्चित रूप से विश्व कप जीतना चाहता हूं।

हार्दिक के रहते हुए 2016 टी20 विश्व कप के सेमीफ़ाइनल में भारत, वेस्टइंडीज़ से हारा था। अगले साल चैंपियंस ट्रॉफ़ी के फ़ाइनल में टीम इंडिया को पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा। वहीं 2019 विश्व कप के सेमीफ़ाइनल में भी हार्दिक के रहते हुए भारत को न्यूज़ीलैंड से हार मिली थी।

हार्दिक ने चार बार मुंबई इंडियंस के साथ आईपीएल का ख़िताब जीता है, लेकिन इस बार वह एक नई टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान बने और उन्हें पहले ही सीज़न में ऐतिहासिक ख़िताबी जीत दिला दी। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से यह जीत थोड़ी सी विशेष है क्योंकि मैं यहां कप्तान भी था। लेकिन इससे पहले जो चार ख़िताब जीता था, वह भी विशेष था।

आईपीएल जीतना हमेशा ही विशेष होता है। मैं अपने आप को भाग्यशाली समझता हूं कि मैं पांच फ़ाइनल खेला हूं और पांचों बार ख़िताब जीता हूं। हालांकि यह जीत हमारे लिए इसलिए भी विशेष है क्योंकि हम नई टीम थे और इससे हमने अपनी विरासत छोड़ी है।

59वीं बार आमने-सामने आयेंगे नडाल जोकोविच

पैरिस। टेनिस जगत के दो सबसे बड़े खिलाड़ी राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच मंगलवार को फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में 59वीं बार एक दूसरे का सामना करेंगे। दोनों में से जो भी यह मुकाबला जीतेगा वह रविवार को होने वाले फाइनल में खिताब जीतने का दावेदार होगा।

दुनिया के नंबर एक और मौजूदा चैंपियन जोकोविच ने रविवार को नंबर 15 खिलाड़ी डिएगो श्वार्ट्जमैन को 6-1, 6-3, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरी ओर, नंबर पांच पुरुष टेनिस खिलाड़ी और 13 बार के फ्रेंच ओपन चैंपियन नडाल ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिये नंबर नौ खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को चार घंटे 21 मिनट चले मुकाबले में 3-6, 6-3, 6-2, 3-6, 6-3 से शिकस्त दी। पिछले साल जब जोकोविच और नडाल का सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ था, तब जोकोविच ने नडाल के पेरिस में 35 जीत के सिलसिले को रोकते हुए उन्हें चार सेटों में हराया था। नडाल ने मुकाबले से पहले जोकोविच के बारे में कहा, बेशक हम एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं, हमारा एक साथ काफी इतिहास है। बेशक, वह रोम जीतने के बाद यहां आए हैं। मेरे लिये यहां तक पहुंचने तक का सफ़र आदर्श नहीं रहा है।

उन्होंने कहा, लेकिन हम यहाँ हैं। हम रोलैंड गैरोस में हैं, जो निसंदेह मेरी पसंदीदा जगह है। और केवल एक चीज जो मैं आपको बता सकता हूं कि मैं [सोमवार] से ध्यान केंद्रित करने जा रहा हूं, हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने जा रहा हूं। मुझे नहीं पता कि क्या हो सकता है। मैं केवल एक चीज निश्चित रूप से कह सकता हूं कि मैं अंत तक लड़ने जा रहा हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

मैच के बारे में बात करते हुए जोकोविच ने कहा, यह मुकाबला बहुत से लोगों के लिये बहुप्रतीक्षित है। मैं खुश हूं क्योंकि मैंने कोर्ट पर ज्यादा समय नहीं बिताया, क्योंकि मैच बहुत रोमांचक होने जा रहा है।

चीन 10 द्वीपीय देशों को साधने चला था, समझौते को राजी नहीं हुए; लगा करारा झटका

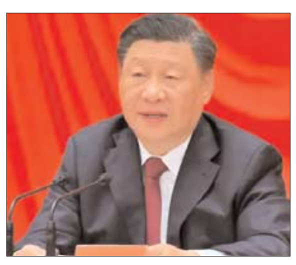

बीजिंग। प्रशांत महासागर क्षेत्र के 10 द्वीपीय देशों को साधने की चीन की कोशिशों को करारा झटका लगा है। हाल ही में सोलोमन द्वीप के साथ सुरक्षा करार कर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की चुनौती बढ़ाने वाले चीन को 10 देशों के साथ करार की उम्मीद थी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी यही उम्मीद लेकर मीटिंग के लिए फिजी पहुंचे थे, लेकिन किसी समझौते पर सहमति नहीं बन सकी। इस दौरान वांग यी ने द्वीपीय देशों से कहा कि वे चीन की महत्वाकांक्षाओं को लेकर किसी भी तरह का डर अपने मन में न रखें। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ग्रुप एबीसी न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, चीन ने प्रशांत महासागर क्षेत्र के 10 द्वीपीय देशों के साथ करार करने की योजना बनाई थी, जो सफल नहीं हो सकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक द्वीपीय देशों में से कई ने समझौते के कुछ तत्वों को लेकर आपत्ति जाहिर की थी। दरअसल चीन ने साउथ पैसेफिर रीजन में अपना कूटनीतिक दखल बढ़ाने का प्रयास किया है।

जबकि यहां क्षेत्रीय शक्ति ऑस्ट्रेलिया और उसके साथ मिलकर अमेरिका भी अपना वर्चस्व बनाए रखने की कोशिश में है। चीन के दखल को लेकर चिंताएं भी जाहिर की जाती रही हैं, लेकिन ड्रैगन ने इन्हें खारिज करते हुए कहा था कि उसका लक्ष्य किसी तीसरे देश को टारगेट करना नहीं है। सोमवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने अपने लिखित बयान में कहा कि शी जिनपिंग हमेशा ही आप सभी को अच्छा दोस्त मानते रहे हैं।

हमारे लिए प्रशांत महासागर क्षेत्र के देश भाई और साझेदार की तरह हैं। हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हालात कैसे बदलते हैं। चीन सरकार की ओर से जारी बयान में शी जिनपिंग के हवाले से कहा गया, यह मायने नहीं रखता है कि कैसे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य बदलता है। चीन हमेशा आपका अच्छा दोस्त रहेगा और समान आदर्शों पर चलेगा।% चीन ने कहा कि हम हमेशा सभी देशों की समानता के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। इसके लिए यह अहम नहीं है कि वह देश कितना बड़ा है।

हमारा मकसद यही है कि द्वीपीय देशों के साथ दोस्ताना संबंध मजबूती के साथ बने रहें।

7 देशों की यात्रा पर हैं चीनी विदेश मंत्री वांग यी

मीटिंग के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि सभी देशों के बीच 5 मुद्दों पर सहयोग को लेकर चर्चा हुई है। हालांकि अब भी हमारे बीच कुछ मुद्दों पर और अधिक बात करने की जरूरत है। रॉयटर्स के मुताबिक जिन 5 मुद्दों पर बात हुई है, उनमें कोरोना के बाद आर्थिक रिकवरी, कृषि और आपदा को लेकर नए केंद्र आदि शामिल हैं। हालांकि इसमें सुरक्षा का मुद्दा शामिल नहीं था। इस मीटिंग में सामोआ, तोंगा, किरिबाती, पापुआ न्यू गिनी, वनुआतु, सोलोमन द्वीप आदि के नेता शामिल थे। गौरतलब है कि वांग यी इन दिनों 7 द्वीपीय देशों की यात्रा पर हैं। ऐसे में इन देशों के साथ करार न हो पाना चीन के लिए करारा झटका है।

एक हजार से ज्यादा अफगानी शरणार्थी स्वदेश लौटे

काबुल। अफगानिस्तान के पड़ोसी देश पाकिस्तान और ईरान से 1094 अफगानी शरणार्थी शनिवार को स्वदेश लौटे हैं। देश के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय ने सोमवार को पुष्टि की। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि सीमा पार करके लगभग 854 से ज्यादा अफगान शरणार्थी ईरान से पश्चिमी निमरोज प्रांत लौटे हैं, जबकि पाकिस्तान से दक्षिणी कंधार प्रांत में 240 शरणार्थी बिना किसी दस्तवेज लौटे हैं। पड़ोसी देशों से स्वदेश लौटे अफगान शरणार्थियों को कोई कानूनी दस्तावेज जारी नहीं किया गया है, जहां वे रह रहे थे। गौरतलब है कि अफगानिस्तान के शरणार्थी मामलों के मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2021 से अब तक लगभग छह लाख 53 हजार से ज्यादा अफगान शरणार्थी पड़ोसी देशों से स्वदेश लौट चुके हैं।

'लोगों को सबसे सस्ता गेहूं का आटा देने के लिए अपने कपड़े बेच दूंगा'

मुख्यमंत्री को चेतावनी देकर बोले शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर नेता ने अगले 24 घंटे के भीतर 10 किलो गेहूं के आटे की बोरी की कीमत घटाकर 400 रुपये नहीं की तो वह अपने कपड़े बेच देंगे और लोगों को सस्ता आटा खुद उपलब्ध कराएंगे। रविवार को ठाकारा स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, मैं अपनी बात दोहराता हूं, मैं अपने कपड़े बेच दूंगा और लोगों को सबसे सस्ता गेहूं का आटा उपलब्ध कराऊंगा।

जनसभा में सियासी गरमी की गूंज पीएम के संबोधन से भी सुनाई दी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने देश को अब तक की सबसे ज्यादा महंगाई और बेरोजगारी का तोहफा दिया है। पीएम शरीफ ने इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार की निंदा करते हुए कहा कि वह पांच मिलियन घर और एक करोड़ नौकरियां देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रहे और देश को आर्थिक संकट में धकेल दिया।

डॉन की खबर के मुताबिक, रैली के दौरान शहबाज शरीफ ने कहा, मैं आपके सामने घोषणा करता हूं कि मैं अपना जीवन कुर्बान कर दूंगा लेकिन इस देश को समृद्धि और विकास के रास्ते पर रखूंगा। बलूचिस्तान चुनावों पर बोलते हुए, पीएम ने कहा कि लोगों ने उन पर विश्वास किया और उनके पक्ष में मतदान करने के लिए बाहर आए हैं।

उन्होंने कहा, ऐसा बहुत कम ही होता रहा है, बलूचिस्तान के लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और जैसा कि मुझे उम्मीद थी कि मतदाताओं का मतदान 30 से 35 प्रतिशत के बीच रहेगा जो लोकतंत्र और कानून व्यवस्था में सुधार में लोगों का विश्वास है।

जैसे-जैसे पाकिस्तान ईंधन की कीमतों में वृद्धि की चपेट में है, शहबाज शरीफ ने इसके लिए इमरान खान को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, इमरान खान, जो सार्वजनिक रूप से सभी को अपमानित करते हैं, ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में ऐसे समय में कमी की थी जब दुनिया भर में दरें बढ़ रही थीं।

वियतनाम में बना कांच का पुल गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल

हनोई। वियतनाम में कांच से बना पुल को अपनी तरह का दुनिया का सबसे लंबा पुल होने की वजह से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है। यह अप्रैल में बनकर तैयार हुआ था। इससे पहले यह रिकॉर्ड चीन के गुआंगदोंग में निर्मित कांच के एक पुल के नाम पर दर्ज था, जिसकी लंबाई 1,726 फीट थी। सीएनएन के मुताबिक, कांच से तैयार किया गया यह पुल उत्तर-पश्चिमी वियतनाम में स्थित सन लॉ नामक प्रांत की पहाड़ियों में है। यह पर्यटकों को एक मशहूर माउंटेन रिजॉर्ट से कनेक्ट करने के साथ ही खूबसूरत वादियों के नजारे के लिए भी जाना जा रहा है। जमीन से लगभग 492 फीट की ऊंचाई पर बने इस पुल की लंबाई 2,073 फीट है। इस पुल पर एक साथ 450 लोग चल सकते हैं। सीएनएन की ही रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी क्षमता का आकलन करने के लिए हाल ही में इस पर से एक एक्सयूवी चलाई गई थी।

नाइजीरिया में मंकीपॉक्स के 21 मामले

लागोस। नाइजीरिया के नौ राज्यों में जनवरी 2022 से अब तक मंकीपॉक्स के 21 मामले रिकॉर्ड किए गए, जबकि इससे एक की मौत हो गयी। नाइजीरिया रोग नियंत्रण केंद्र(एनसीडीसी) ने यह जानकारी दी। स्वास्थ्य एजेंसी एनसीडीसी ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस वर्ष देश के बीस से अधिक राज्यों में 66 संदिग्ध मंकीपॉक्स के मामले दर्ज किए गए। एजेंसी ने बताया कि हाल ही में नाइजीरिया में किए गए इसके मूल्यांकन की तुलना में मंकीपॉक्स का खतरा कहीं अधिक था। रिपोर्ट के अनुसार मंकीपॉक्स से एक 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी। वह एक से अधिक बीमारियों से भी ग्रसित था। रिपोर्ट के मुताबिक मई में संदिग्ध मामलों की संख्या अचानक से बढ़ गयी, इस दौरान 11 राज्यों में 20 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए। अप्रैल के महीने में 10 नए मामले सामने आने से इसके मामले में सौ प्रतिशत का इजाफा हुआ।

शंघाई में एक जून से हटेंगे कोविड प्रतिबंध

बीजिंग। चीन में व्यापारिक गतिविधियों के सबसे बड़े केन्द्र शंघाई शहर में कोविड-19 के घटते मामलों के मद्देनजर व्यवसायिक गतिविधियों पर लॉकडाउन के तहत लगाये गये प्रतिबंध बुधवार से हटा लिये जाएंगे। चीनी अधिकारियों ने बताया कि दो माह तक चले इन सख्त प्रतिबंधों की वजह से यहां व्यापार चौपट हो गया। उन्होंने बताया कि शहर की अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए भी योजनाएं तैयार की गयी है । बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में यहां कोरोना वायरस के मामले प्रतिदिन 170 से घटकर 122 होने के बाद इस इस संबंध में घोषणा की गयी है।अधिकारियों के अनुसार वायरस के प्रसार को रोकने के लिए काम पर आने वाले लोगों की संख्या को नियंत्रित करने वाले दिशा निर्देशों को भी संशोधित किया जा रहा है। बीबीसी ने शहर के उप महापौर वू किंग के हवाले से बताया कि कामकाज और कारखानों में उत्पादन पुन॰ शुरु करने के लिए गैर जरुरी प्रतिबंधों को हटाया जायेगा। इधर बीजिंग में भी कोराना वायरस के घटते मामलों को देखते हुये सार्वजनिक यातायात,शॉपिंग मॉल और अन्य गतिविधियों को दोबारा शुरु कर दिया गया है।

अमेरिका में सड़क हादसे में दो की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के नेब्रास्का के लिंकन में दो कारों की टक्कर में कई पैदल यात्रियों के चपेट में आने से कम से कम दो महिलाओं की मौत हो गई और 19 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सीएनएन ने लिंकन पुलिस के कैप्टन मैक्स हुबका के हवाले से बताया कि रविवार रात करीब 10:45 बजे एक वाहन 52वें और ओ सड़कों के पास पश्चिम की ओर जा रहा था तथा एक अन्य वाहन पूर्व की ओर जाने के लिए बाएं मुड़ गया जिसके कारण यह हादसा हुआ। इसकी चपेट में सड़क के किनारे पैदल यात्री आ गये जिनमें दो महिलाओं की मौत हो गयी और 19 अन्य घायल हो गये। चूंकि यह स्मृति दिवस सप्ताहांत था, वहां बहुत सारे पैदल यात्री और सड़क पर खड़े लोग एकत्र थे तथा दुर्घटना के समय फुटपाथ पर भी कई लोग बैठे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

जिसमें मन को खुशी मिले वही काम करें

हर इंसान की पसंद, जरूरतें और प्राथमिकताएं दूसरे से अलग होती हैं। इसलिए दूसरों की बिन मांगी सलाह पर अमल करने के बजाय हमें वही करना चाहिए, जो खुद को सही लगे। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से जूलॉजी में एमएससी किया था। मैं बचपन से ही पढ़ाई में काफी अच्छी थी और मुझे टीचिंग का प्रोफेशन बहुत पसंद था। मैं करियर को लेकर ज्यादा महत्वाकांक्षी नहीं हूं और न ही मेरे मन में ज्यादा पैसे कमाने की लालसा है। मेरे पैरेंट्स चाहते थे कि मैं आगे रिसर्च करूं और साइंटिस्ट बनूं। इसलिए उनका मन रखने के लिए मैंने रिसर्च के लिए बीएचयू में अप्लाई कर दिया था और वहां से बुलावा भी आ गया था। इसी बीच बरेली के एक कॉलेज में भी मुझे जॉब मिल गई जिसे छोड़कर मैं बनारस नहीं जाना चाहती थी।

तब परिवार के अलावा दोस्तों और पास-पड़ोस के लोगों ने मुझे बहुत समझाया कि ऐसे मौके बार-बार नहीं मिलते और इन्हें खोना मूर्खता होगी। तुम्हें आगे रिसर्च करना चाहिए। इससे भविष्य और उज्जवल होगा। इसके लिए मुझे लोगों से कई तरह की बातें सुनने को मिलीं, पर मैं अपने फैसले पर अडिग रही। मेरा मानना है कि हमें वही कार्य करना चाहिए, जिससे हमारे मन को सच्ची खुशी मिले। अब मैं अपने कार्य से पूरी तरह संतुष्ट हूं और मुझे अपने उस निर्णय पर जरा भी अफसोस नहीं है। मैं इस बात का पूरा यकीन करती हूं कि हर इंसान को अपने जीवन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण निर्णय खुद ही लेने चाहिए।

ध्यान नहीं दिया व्यर्थ की बातों पर

मैंने शास्त्रीय संगीत में विशारद की उपाधि हासिल की है, पर शादी के बाद घर-गृहस्थी की जिम्मेदारियों में व्यस्त हो गई। मैं जॉब करना चाहती थी, लोगों के सामने स्टेज पर गाना चाहती थी, जब भी मैं अपनी यह इच्छा जाहिर करती तो मेरे मायके-ससुराल वाले साथ मिलकर मुझे समझाने लगते कि ये सब बेकार की बातें हैं, बाहर की दुनिया स्त्रियों के लिए सुरक्षित नहीं है। अगर गाने का इतना ही शौक है तो घर पर ही रियाज कर लिया करो, लेकिन मैं अपनी पहचान बनाना चाहती थी। इसलिए मैंने लोगों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अपनी सारी पारिवारिक जिम्मेदारियां निभाते हुए शहर की कुछ सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर मैंने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाना शुरू कर दिया। आज जब लोग मेरे गायन की प्रशंसा करते हैं तो इससे मुझे सच्ची आत्म-संतुष्टि मिलती है। इतना ही नहीं, अब पारिवार के लोग भी मेरी इस कामयाबी पर गर्व करते हैं।

इन सात मंत्रों से रहा जा सकता है खुश

- अपनी सोच हमेशा सकारात्मक रखें। साथ ही प्रतिदिन अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करें। याद रखें, जिंदगी में कुछ भी असंभव नहीं है, बस पूरी शक्ति के साथ प्रयास करने की जरूरत है। नकारात्मक सोच रखने से न केवल हमारा आत्मविश्वास कमजोर होता है, बल्कि हमारा स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।
- पुरानी यादों और बातों को भूलकर वर्तमान पर अपना ध्यान केंद्रित करें। याद रखें यदि आप सिर्फ पुरानी यादों और बातों के बारे में सोचती रहेंगी तो वर्तमान का सुख उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं, लेकिन जहां जाने पर आपका मन दुखी हो जाता हो, वहां बिल्कुल न जाएं।
- जब भी मौका मिले मनपसंद संगीत सुनें। कई शोध-अध्ययनों से यह बात साबित हो चुकी है कि पसंदीदा संगीत तनाव के स्तर को काफी कम कर देता है।
- न किसी ने सही कहा कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में घंटों बीत जाते हैं। इसलिए स्वयं भी हंसें और दूसरों को भी हंसने का अवसर प्रदान करें।
- आप जो खाती हैं वही आपके चेहरे और शरीर से झलकता है। खानपान या रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही का असर सीधा आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसलिए अपने खानपान पर पर्याप्त ध्यान दें। मौसमी सब्जियों और फलों का नियमित सेवन करें। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि आपका खानपान कलरफुल हो अर्थात आपके भोजन में हर रंग का समावेश होना चाहिए।
- विशेषज्ञों का कहना है कि संतुलित डाइट से आप हमेशा फिर रह सकती हैं। न चेहरे पर रौनक तभी आती है, जब आपके शरीर को पूर्ण विश्राम मिले। इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त नींद लें। पर्याप्त नींद लेने से न केवल चेहरे पर चमक आती है, बल्कि स्वास्थ्य भी सही रहता है।

स्ट्रीट शॉपिंग में अच्छी बार्गेनिंग के लिए फॉलो करें ये स्मार्ट ट्रिक्स

स्ट्रीट शॉपिंग में सही बार्गेनिंग करने के लिए आप कुछ आसान ट्रिक्स को फॉलो कर सकती हैं और अच्छे सामान सही दामों में खरीद भी सकती हैं।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट हो या फिर मुंबई की लिंकिंग रोड मार्केट, भला किसे सस्ते दामों में अच्छे सामान की शॉपिंग करना अच्छा नहीं लगता है। यूं कहा जाए कि स्ट्रीट शॉपिंग कई लोगों की जरूरत नहीं बल्कि शौक होता है। दरअसल स्ट्रीट मार्केट ऐसे मार्केट होती है जिसमें कई तरह की अच्छी और ब्रांडेड चीजें भी सही दामों में मिल जाती हैं। जब भी स्ट्रीट शॉपिंग की बात आती है तब आप में से कई लोग दुकानदार के बताए दामों पर ही चीजें खरीद लेते होंगे और कई लोग दाम कम कराने के लिए अच्छी बार्गेनिंग भी करते होंगे।

इस तरह की मार्केट में कई बार दुकानदार किसी भी सामान के दाम मनचाहे ढंग से बताते हैं और अगर आपने ठीक तरह से बार्गेनिंग नहीं की तो वो आपको सस्ते दामों वाले सामान भी ज्यादा दामों पर बेच सकते हैं। इसलिए स्ट्रीट शॉपिंग में आपको अच्छी बार्गेनिंग की जरूरत होती है जिससे आप सही सामन उचित दामों में खरीद सकें। अगर आपको बार्गेनिंग नहीं आती है तो आप कुछ स्मार्ट ट्रिक्स से स्ट्रीट शॉपिंग में बार्गेनिंग कर सकते हैं।

कई दुकानों और स्टालों की जांच करें

आप चाहे दिल्ली की सरोजिनी नगर में स्ट्रीट शॉपिंग कर रही हों या गोवा की फ्ली मार्केट में सामान खरीद रही हों, सबसे पहले आपको किसी एक सामान के लिए कई अलग-अलग स्टालों की जांच करनी चाहिए। ऐसा करके आप देखेंगे कि अधिकांश दुकानों और स्टालों में एक ही तरह के कपड़े और सामान हो सकते हैं। कई बार किसी कपड़े का पैटर्न, प्रिंट, कलर सब लगभग एक जैसा ही होता है लेकिन उनके दाम अलग होते हैं ऐसे में अगर आपको कोई ऐसी चीज मिलती है जो आपको पसंद है, तो कई दुकानों से उसके दाम पता करें। इससे आपको यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि क्या कोई दुकानदार कीमत को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश कर रहा था। सामान्य तौर पर मार्केट की छोटी दुकानों की तुलना में सड़क के किनारे के स्टालों की दरें हमेशा सस्ती होंगी आप सही कीमत के हिसाब से बार्गेनिंग करके शॉपिंग करें।

थोड़ा झूठ भी है जरूरी

स्ट्रीट शॉपिंग के समय आपके लिए थोड़ा झूठ बोलना भी अच्छा होता है। यदि आप चाहते हैं कि दुकानदार आपको गंभीरता से ले, तो आपको यह दिखाना होगा कि आप अलग-अलग जगह और कीमतों से परिचित हैं। आप स्ट्रीट शॉपिंग दुकानदार से यह कह सकते हैं कि आप उस खास जगह और बाजारों में अच्छी तरह से खरीदारी करते हैं और आप हर एक सामान के सही दामों से परिचित हैं। ये स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक आपको सस्ते दामों में अच्छी चीजें दिला सकती है।

अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें

कई बार आपको स्ट्रीट शॉपिंग में कोई ऐसा सामान मिल जाता है जो आपकी पसंद का होता है और आप उसे बहुत दिनों से ढूढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उस सामान को देखकर ज्यादा एक्साइटेड होने की बजाय अपने एक्सप्रेशन को न्यूट्रल रखें। कभी भी दुकानदार के सामने ये न जटाएं कि आपको किसी सामान की बहुत ज्यादा जरूरत है। अगर दुकानदार आपकी जरूरत को समझ जाता है तो वो बढ़ चढ़ कर दाम बताता है। इसलिए आपका न्यूट्रल रिएक्शन बार्गेनिंग में मदद कर सकता है।

दुकानदार की कीमत का आधा दाम बताएं

कुछ मामलों में यह बेतुका लग सकता है, लेकिन हमेशा जब भी आओ स्ट्रीट शॉपिंग कर रहे हों तब आप दुकानदार द्वारा बताए दाम का लगभग 50-60% कम करने से आप उस कीमत के करीब पहुंच जाते हैं, जो वास्तव में उस सामान की कीमत है। दरअसल स्ट्रीट शॉपिंग में दुकानदार अपनी इच्छा से दाम बढ़ा देते हैं जो बार्गेनिंग से कम किये जा सकते हैं।

चीजों में ढूढें डिफेक्ट

जब आप स्ट्रीट शॉपिंग के लिए जाएं तो किसी भी सामान में कोई ऐसा डिफेक्ट ढूंढने की कोशिश करें जो वास्तव में डिफेक्ट न होकर उस कपड़े का डिजाइन या कलर ही हो। लेकिन आप डिफेक्ट के नाम पर अच्छी बार्गेनिंग करके स्ट्रीट शॉपिंग (भारत के इन राज्यों में उठाएं स्ट्रीट मार्केट का मजा) में चीजों के दाम कम करा सकती हैं। स्ट्रीट मार्केट में मिलने वाले बहुत से कपड़े वास्तव में ऐसे होते हैं जो होल सेल से आते हैं और इसमें कोई बहुत छोटा सा डिफेक्ट भी हो सकता है जैसे बटन का ढीला होना या किसी जगह की सिलाई खुलना। सामान सेलेक्ट करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि आप उसके हर इंच को स्कैन कर लें। यदि डिफेक्ट ज्यादा बड़ा नहीं है तो आप इसके दाम कम करा सकते हैं। वास्तव में यह एक स्मार्ट बार्गेनिंग ट्रिक है।

मेहंदी का रंग चढ़ेगा गहरा जानिए आसान तरीके

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें,उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

कैसा होना चाहिए बच्चे का पूरे हफ्ते का डाइट चार्ट

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 830 से 930 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 1130 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 430 से 530 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 730 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

CMYK CMYK CMYK CMYK